हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,रविवार | 27 अक्टुबर 2024 | वर्ष : 02 | अंक :162 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

जयशंकर ने जर्मनी के वाइस चांसलर से मुलाकात की, विदेश मंत्री से भी व्यापक चर्चा हुई,

एजेंसी

नई दिल्ली: विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को यहां जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक के साथ कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर ह्यव्यापक चर्चाह्ल की। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि उनकी जर्मनी के वाइस चांसलर तथा आर्थिक मामलों एवं जलवायु कार्रवाई मंत्री रॉबर्ट हेबेक के साथ भी सार्थक बातचीत हुई।जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल पर एक पोस्ट में सातवीं भारत-जर्मनी अंतर-सरकारी परामर्श (आईजीसी) बैठक को ह्यह्यसफलह्लह्ल बताया। उन्होंने कुछ पोस्ट में बेयरबॉक और हेबेक के साथ अपनी बैठकों की अलग-अलग तस्वीरें भी साझा की हैं।जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज की भारत की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा के तहत जर्मनी के वाइस-चांसलर और विदेश मंत्री भी भारत पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चांसलर शोल्ज ने इससे पहले भारत-जर्मनी अंतर-सरकारी परामर्श के सातवें दौर की बैठक की सह-अध्यक्षता की।

महाराष्ट्र के लिए भाजपा ने जारी की स्टार कैंपेनर्स की लिस्ट,

पीएम मोदी और योगी समेत प्रचार करेंगे ये 40 नेता

इस सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ समेत 40 नेताओं के नाम शामिल हैं।

एजेंसी

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ने लगा है। कांग्रेस ने आज शनिवार को अपने 23 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। वहीं, इसके कुछ देर बाद बीजेपी ने भी अपने स्टार प्रचारकों की लिस्ट का ऐलान कर दिया है। इस सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ समेत 40 नेताओं के नाम शामिल हैं।

ये सभी दिग्गज विधानसभा चुनाव और नांदेड़ लोकसभा उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करेंगे। इस लिस्ट में केंद्रीय मंत्रियों के बाद भाजपा शासित आठ राज्यों के मुख्यमंत्रियों का नाम है। इसमें सबसे ऊपर योगी आदित्यनाथ का नाम है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नाम 15वें नंबर पर है। स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शीर्ष 15 में महाराष्ट्र के सिर्फ दो ही नेता हैं। नितिन गडकरी का नाम पांचवें और देवेंद्र फडणवीस का नाम 15वें नंबर पर है।कांग्रेस ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को 23 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की। पार्टी ने भुसावल से राजेश मानवटकर, जलगांव से स्वाति वाकेकर, वर्धा से शेखर शिंदे, नागपुर दक्षिण से गिरीश पांडव और यवतमाल से मांगूलकर को टिकट दिया है। वसई से विजय गोविंद पाटिल, सियोन कोलीवाडा से गणेश कुमार यादव और श्रीरामपुर से हेमंत ओगले को उम्मीदवार बनाया गया है। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक के एक दिन बाद उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की गई।

मोदी ने प्रसिद्ध भौतिकी वैज्ञानिक रोहिणी गोडबोले के निधन पर शोक जताया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को भौतिकी वैज्ञानिक रोहिणी गोडबोले के निधन पर शोक जताया और कहा कि अकादमिक क्षेत्र में उनके प्रयास आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे।मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, रोहिणी गोडबोले जी के निधन से दुखी हूं। वह एक अग्रणी वैज्ञानिक और अन्वेषक थीं, जो विज्ञान की दुनिया में महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी की प्रबल समर्थक भी थीं।उन्होंने कहा, उनके अकादमिक प्रयास आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना।

राष्ट्रपति मुर्मू ने रायपुर के जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

एजेंसी

नई दिल्ली: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार सुबह छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में भगवान जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। मुर्मू शुक्रवार से राज्य के दो-दिवसीय दौरे पर हैं। अधिकारियों ने यहां बताया कि राष्ट्रपति ने मंदिर में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र जी और सुभद्रा जी की पूजा-अर्चना की और देश के लोगों की खुशहाली, समृद्धि और प्रगति के लिए प्रार्थना की।उन्होंने बताया कि उनके साथ राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और अन्य जनप्रतिनिधि भी थे। वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के तीन साल बाद वर्ष 2003 में यहां पुरी (उड़ीसा) के जगन्नाथ मंदिर की तरह भगवान जगन्नाथ मंदिर का निर्माण किया गया। मंदिर का मुख्य ढांचा ऊंचे चबूतरे पर बना है।अधिकारियों ने बताया कि मंदिर में उड़ीसा से लाई गई नीम की लकड़ी से बनी मूर्तियां स्थापित की गई हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद राष्ट्रपति भिलाई के लिए रवाना हो गईं, जहां वह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), भिलाई के चौथे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगी।अधिकारियों ने बताया कि मुर्मू बाद में राजधानी रायपुर लौट आएंगी और नवा रायपुर में पंडित दीनदयाल मेमोरियल स्वास्थ्य विज्ञान और आयुष विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। इसके बाद वह दिल्ली के लिए रवाना होंगी।

अधिकारियों ने बताया कि मुर्मू बाद में राजधानी रायपुर लौट आएंगी और नवा रायपुर में पंडित दीनदयाल मेमोरियल स्वास्थ्य विज्ञान और आयुष विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी।

प्रियंका गांधी ने वायनाड के लोगों के लिए लिखी चिट्ठी, बोलीं-

लोकतंत्र और संविधान के मूल्यों के लिए लड़ना मेरे जीवन का केंद्र

एजेंसी

नई दिल्ली: कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड के लोगों को "वायनाड के मेरे प्यारे बहनों और भाइयों" शीर्षक से एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र के साथ अपने गहरे जुड़ाव और एक जनप्रतिनिधि के रूप में सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता को व्यक्त किया। अपने भावपूर्ण पत्र में, प्रियंका ने अपने भाई राहुल गांधी के साथ चूरामाला और मुंडक्कई के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों के दौरे से अपने अवलोकन

साझा किए और त्रासदी के सामने समुदाय द्वारा प्रदर्शित शक्ति और एकता के बारे में बात की।अपने पत्र में प्रियंका गांधी ने भूस्खलन से हुई तबाही और लोगों को हुए भारी नुकसान पर विचार किया। उन्होंने आपदा के बाद एकजुट होने के लिए निवासियों की सराहना की, उनकी एकजुटता, करुणा और लचीलेपन को नोट किया। उन्होंने डॉक्टरों, स्वयंसेवकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं और नागरिकों द्वारा एक-दूसरे की मदद करने के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए लिखा कि त्रासदी के अंधेरे के बीच, एक समुदाय के रूप में आपकी असीम हिम्मत और धैर्य ने मुझे प्रभावित किया।

वैश्विक अर्थव्यवस्था की ह्यसाफ्ट लैंडिंग की संभावना बढ़ रही है: सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि पिछले कई साल से मुश्किल दौर का सामना कर रही वैश्विक अर्थव्यवस्था की साफ्ट लैंडिंग की संभावना बढ़ रही है।अर्थव्यवस्था में ह्यसाफ्ट लैंडिंगका तात्पर्य आर्थिक विकास के दौरान आने वाली ऐसी चक्रीय मंदी से है जो पूर्ण मंदी की स्थिति आए बिना समाप्त हो जाती है। वित्त मंत्री ने कहा कि विभिन्न देशों और बहुपक्षीय वित्तीय संस्थाओं के साथ मिलकर काम करने से अच्छे दिन आने वाले हैं, लेकिन उन्होंने साथ ही चेताया कि

अर्थव्यवस्थाएं अभी उतनी तेजी से आगे नहीं बढ़ रही हैं।सीतारमण ने वाशिंगटन-डीसी के एक ह्यग्लोबल थिंक टैंक से कहा, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक में दो दिवसीय वार्ता के दौरान यही संभावना नजर आई कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की साफ्ट लैंडिंग होगी।

शिवराज ने पराली जलाने के मुद्दे पर की उच्च स्तरीय बैठक, क्या प्रदूषण पर लगेगा लगाम?

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पराली जलाने के मुद्दे पर उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक के बाद शिवराज ने कहा कि दिल्ली प्रदूषण के मुद्दे और उसका समाधान खोजने के लिए आज एक अहम बैठक हुई। उन्होंने कहा कि पिछले साल से इस साल तक पंजाब में पराली जलाने में 35% और हरियाणा में 21% की कमी आई है। राज्यों ने कहा है कि वे लगातार इसकी निगरानी कर रहे हैं और उन्होंने इसके लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं। उन्होंने कहा कि जागरूकता के लिए व्यापक

अभियान चलाया जा रहा है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए केंद्र सरकार के मंत्रियों और राज्य सरकारों के मंत्रियों के साथ एक संयुक्त बैठक हुई। आज की बैठक में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री शामिल हुए।

महाराष्ट्र: कांग्रेस ने जारी की उम्मीदवारों की दूसरी सूची, फडणवीस के खिलाफ गिरीश पांडव को टिकट

एजेंसी

महाराष्ट्र: कांग्रेस ने शनिवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 23 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की। उम्मीदवारों की ताजा सूची के साथ ही कांग्रेस पार्टी अब तक 71 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। ताजा सूची में कांग्रेस ने डिप्टी सीएम और बीजेपी उम्मीदवार देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ दक्षिण नागपुर से गिरीश कृष्णराव पांडव को उम्मीदवार बनाने की घोषणा की है। गौरतलब है कि महा विकास अघाड़ी

में सीटों के बंटवारे पर चर्चा चल रही है और शनिवार को अंतिम बैठक होनी है। अब तक घटक दलों ने कांग्रेस, एनसीपी (एससीपी) और उद्धव सेना के लिए 90-90 सीटों का फॉर्मूला तय किया है।कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्निथला ने सीईसी की बैठक के बाद शुक्रवार को कहा था कि महाराष्ट्र में महा विकास आघाडी (एमवीए) एकजुट है और सीट के तालमेल को शनिवार शाम तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा। इससे पहले कांग्रेस पार्टी ने बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर 48 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। पहली सूची में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले, पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजय वडेट्टिवार और कई अन्य वरिष्ठ नेताओं के नाम शामिल थे।

केजरीवाल पर किसने किया हमला, AAP के दावे से सियासत हुई गर्म, BJP बोली- यह जनता का विरोध

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में एक रैली के दौरान कथित तौर पर हमला किया गया। आप ने आरोप लगाया कि यह हमला भाजपा ने अपने गुंडों के जरिए करवाया है। पार्टी ने पुलिस पर भी आरोप लगाया और कहा कि दिल्ली पुलिस ने भाजपा के गुंडों को नहीं रोका। आप नेता मनीष सिसोदिया ने सोशल मीडिया पर कहा कि अरविंद केजरीवाल पर हमला बेहद निंदनीय और चिंताजनक है। उन्होंने

आरोप लगाया कि भाजपा ने अपने गुंडों के जरिए यह हमला करवाया है।दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली की जनता ने देखा है कि बीजेपी की गंदी राजनीति किस हद तक गिर सकती है। उन्होंने कहा, "अरविंद केजरीवाल पर विकासपुरी पदयात्रा के दौरान बीजेपी के गुंडों ने हमला किया। बीजेपी जानती है कि वह चुनावों में आप और अरविंद केजरीवाल को नहीं हरा सकती, इसलिए वे ऐसी गंदी राजनीति पर उतर आए हैं और अरविंद केजरीवाल को मारना चाहते हैं।" उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर केजरीवाल को कुछ होता है तो भाजपा इसकी जिम्मेदार होगी।

आक्रमणकारियों और मैकाले ने पारंपरिक भारतीय शिक्षा प्रणाली पर हमला किया;

मप्र मुख्यमंत्री यादव

एजेंसी

मध्यप्रदेश: मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुक्रवार को कहा कि आक्रमणकारियों ने तक्षशिला और नालंदा में असाधारण शिक्षण संस्थानों को नष्ट कर दिया, जबकि लॉर्ड मैकाले जैसे ब्रिटिश प्रशासकों ने देश की पारंपरिक शिक्षा प्रणाली को बर्बाद करने की कोशिश की।यादव ने यहां आरसीवीपी नोरोन्हा राज्य प्रशासन अकादमी में राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पारंपरिक भारतीय शिक्षा अपनी मजबूत नींव के साथ आक्रमणकारियों और मैकाले के विनाश के प्रयासों का सामना कर सकी। उन्होंने कहा, ब्रिटिश शासन के दौरान लॉर्ड मैकाले ने पारंपरिक भारतीय शिक्षा प्रणाली को बर्बाद करने की पूरी कोशिश की।थॉमस बैबिंगटन के नाम से जन्मे लॉर्ड मैकाले ने ब्रिटिश शासन के दौरान भारत में अंग्रेजी और ब्रिटिश शिक्षा प्रणाली की शुरूआत की थी। 1835 में, अंग्रेजी को सरकार और अदालतों के लिए आधिकारिक बना दिया गया और शिक्षा के आधिकारिक माध्यम के रूप में अपनाया गया।यादव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पेश करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पाठ्यक्रम में पारंपरिक शिक्षा प्रणाली के गौरवशाली इतिहास को शामिल किया गया है।

बहुत अच्छा, सब चीज हो रहा है, वही देखने आए हैं; सीएम नीतीश ने छठ घाटों का लिया जाएजा

एजेंसी

पटना: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोक आस्था के महापर्व छठ 2024 के मद्देनजर छठ घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टीमर द्वारा नासरीगंज घाट से कंगन घाट तक के तमाम गंगा घाटों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने घाटों की सफाई, सुरक्षा एवं स्वच्छता के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। सीएम नीतीश ने अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि छठ व्रतियों को अर्घ्य देने में कोई परेशानी न हो, इसकी व्यवस्था सुनिश्चित करें। छठ व्रतियों की सुविधाओं का विशेष ख्याल रखें।मुख्यमंत्री ने कहा कि छठ व्रतियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये छठ घाटों का निर्माण करें। गंगा नदी के जलस्तर एवं प्रवाह को देखते हुये छठ

घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रखें। छठ घाटों के पास सुरक्षा के दृष्टिकोण से मजबूत बैरिकेडिंग करायें। घाटों के पहुंच पथ एवं गंगा नदी किनारे की सड़कों के पास भी छठ व्रतियों के सुचारू आवागमन हेतु बैरिकेडिंग करायें।

आस्था के महापर्व छठ के मद्देनजर आज सीएम नीतीश कुमार ने छठ घाटों का निरीक्षण किया। स्टीमर से नासरीगंज घाट से कंगन घाट तक का जायजा लिया। इस दौरान उन्होने अधिकारियों को घाटों की सफाई, सुरक्षा एवं स्वच्छता के संबंध में निर्देश दिए।

हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,रविवार | 27 अक्टुबर 2024 | वर्ष : 02 | अंक :162 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

कांग्रेस छोड़ NCP के टिकट पर चुनाव क्यों लड़ रहे जीशान सिद्दीकी?

पिता की हत्या पर किया बड़ा दावा

एक निजी चैनल से बातचीत में जीशान ने बताया कि जब महाराष्ट्र में महा विकास आघाडी के सरकार थी तो उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए बहुत कम फंड मिलता था।

एजेंसी

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीति जबरदस्त तरीके से तेज है। इन सब के बीच बांद्रा ईस्ट विधानसभा क्षेत्र भी लगातार चर्चा में है। इसका बड़ा कारण यह है कि यहां से वर्तमान में कांग्रेस विधायक और दिवंगत नेता बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी की उम्मीदवारी है। हालांकि, जीशान सिद्दीकी को कांग्रेस ने इस बार टिकट नहीं दिया है। जीशान सिद्दीकी की अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के टिकट पर चुनावी मैदान में है। हालांकि, बड़ा सवाल यह है कि आखिर जीशान सिद्दीकी कांग्रेस की बजाय एनसीपी से क्यों चुनाव लड़ रहे हैं? इसके संकेत उन्होंने पहले से ही देने शुरू कर दिए थे।जीशान को लेकर सवाल इसलिए उठ रहे हैं क्योंकि जब महाराष्ट्र में कांग्रेस मजबूत हो रही है तब उन्होंने एनसीपी से चुनाव लड़ना ज्यादा जरूरी समझा। हालांकि, जीशान ने कहा कि कांग्रेस छोड़ना मेरे लिए इतना आसान नहीं था। मैं 18 सालों से उसे पार्टी से जुड़ा हुआ था। मैंने यूथ कांग्रेस चुनाव जीता, पार्टी को मजबूत करने में लग रहा। उन्होंने कहा कि मैंने पिछली दफा बांद्रा ईस्ट से चुनाव जीत कर दिखाया जहां कई बड़े नेता नाकामयाब रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मेरे लिए कांग्रेस के भीतर की चीजें मुश्किल होती जा रही थी और बांद्रा ईस्ट सीट पर शिवसेना यूबीटी ने अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए थे। ऐसे में मेरे पास एनसीपी के अलावा ज्यादा विकल्प नहीं बचा था। एक निजी चैनल से बातचीत में जीशान ने बताया कि जब महाराष्ट्र में महा विकास आघाडी के सरकार थी तो उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए बहुत कम फंड मिलता था। अपने पिता के एनसीपी में जाने के बाद मुंबई यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष पद से हटाने का निर्णय जीशान को पसंद नहीं आया। उन्होंने कहा कि हमने पार्टी के लिए इतना काम किया लेकिन मेरे साथ अन्याय किया गया। उन्होंने कहा कि अजित पवार की पार्टी में ऐसे तमाम नेता है जिससे हमारे पारिवारिक संबंध है। इस वजह से वहां जाना मेरे लिए सही रहा। उन्होंने यह भी कहा कि अजित पवार हमारे संकट के समय में हमारे साथ खड़े रहे। इसके साथ ही जीशान सिद्दीकी ने अपने पिता की हत्या के मामले को लेकर भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि मुंबई पुलिस से उन्हें स्पष्ट जवाब फिलहाल नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि यह मुंबई पुलिस की खुफिया विफलता थी। मेरे पिता को मेरे कार्यालय से कुछ मीटर की दूरी पर गोली मारी गई। पुलिस केवल यह बताने की कोशिश कर रही है कि हम इस मामले को सुलझाने के करीब है। लेकिन पुलिस से ज्यादा हमें मीडिया से जानकारी मिल जाती है ।जीशान इस बात से भी निराशा व्यक्त कर रहे हैं कि लॉरेंस बिश्नोई वाली कहानी उनके पिता के अस्पताल पहुंचने से पहले ही गढ़ ली गई थी। हालांकि पुलिस अभी सभी कोणों से जांच ही कर रही है।

एक निजी चैनल से बातचीत में जीशान ने बताया कि जब महाराष्ट्र में महा विकास आघाडी के सरकार थी तो उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए बहुत कम फंड मिलता था। अपने पिता के एनसीपी में जाने के बाद मुंबई यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष पद से हटाने का निर्णय जीशान को पसंद नहीं आया।

भारत ने पश्चिम एशिया में शत्रुता कम करने का किया आह्वान, कहा- संयम बरतें

एजेंसी

भारत ने शनिवार को इजरायल द्वारा ईरान पर हमले किए जाने के बाद मध्य पूर्व में तनाव पर चिंता व्यक्त की। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हम पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और क्षेत्र तथा उससे परे शांति और स्थिरता पर इसके प्रभाव से बेहद चिंतित हैं। हम सभी संबंधित पक्षों से संयम बरतने और बातचीत तथा कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आह्वान दोहराते हैं। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि चल रही शत्रुता किसी के लिए भी लाभकारी नहीं है, जबकि निर्दोष बंधकों और नागरिक आबादी को लगातार कष्ट झेलना पड़ रहा है।

बाबू अय्यान आरिफ को 11वीं जन्मदिन पर अल्लाह से दुआ करता हूं कि अल्लाह इनको लंबी उम्र के साथ-साथ गलत नजरों से आफत व बल्लाओ से महफूज रखें,
निवेदकः- बहन सदफ जमाल, भाई शादाब सरवर, भाई शबाब सरवर, भाई अलकमा आरिफ, भाई अल्तमश आरिफ

LAC पर सुलझा विवाद तो गदगद हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर, इनको दिया पूरा श्रेय

एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त पर चीन के साथ भारत के सफल समझौते का श्रेय सैन्य और कुशल कूटनीति को दिया। पूर्वी लद्दाख में देपसांग और डेमचोक में भारतीय और चीनी सैनिकों की वापसी शुक्रवार को शुरू हुई और 29 अक्टूबर तक पूरी हो जाएगी। दोनों पक्षों की ओर से गश्त 30-31 अक्टूबर को शुरू होगी। पुणे में छात्रों के साथ बातचीत के दौरान मंत्री ने कहा कि संबंधों को सामान्य बनाने में अभी भी कुछ समय लगेगा, स्वाभाविक रूप से विश्वास और साथ मिलकर काम करने की इच्छा को पुनः

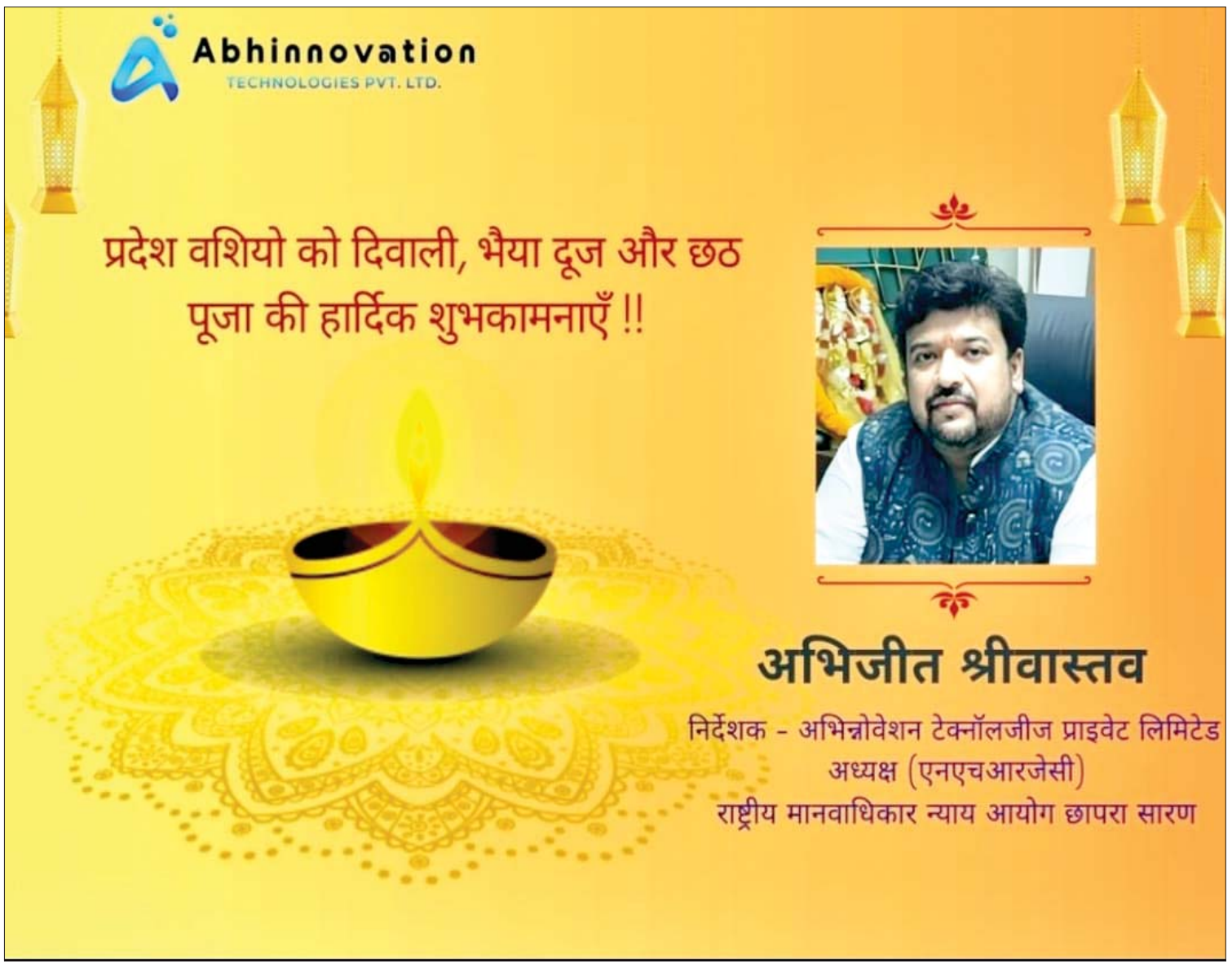

भारतीय मनीषा के स्वर थें महेंद्र कुमार: रामाशीष सिंह

महावीरी सरस्वती बालिका विद्यामंदिर, माधवनगर में महेंद्र कुमार जन्म शतब्दी समारोह का समापन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
डॉ. विजय कुमार पांडेय,

सीवान। भारतीय संस्कृति बेहद प्राचीन रही है। इस संस्कृति ने विश्व को शांति और सद्भावना का संदेश दिया है। भारतीय संस्कृति सहिष्णुता की पर्याय रही है। भारतीय मनीषा का स्वर ही सहिष्णुता का रहा है। स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद् और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के समर्पित स्वयंसेवक व महावीरी सरस्वती विद्या मंदिर, विजयहाता सिवान के प्रथम प्राचार्य महेंद्र कुमार ने भारतीय मनीषा के मौलिक तथ्यों के प्रति अपने समर्पित प्रयासों से समाज को संदेश दिया। उन संदेशों को समझने और उस पर अमल करना ही महेंद्र कुमार के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि हो सकती है। ये बातें गुरुवार को सीवान के माधवनगर स्थित महावीरी सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में महेंद्र कुमार जन्म शताब्दी समापन समारोह में बोलते हुए प्रज्ञा प्रवाह के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य व राष्ट्रवादी विचारक रामाशीष सिंह ने कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीवान के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर विनय कुमार सिंह ने की।

कार्यक्रम के प्रारंभ में महेंद्र कुमार के तैल चित्र पर आगत अतिथियों द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद आगत अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र से किया गया। महावीरी सरस्वती बालिका विद्या मंदिर के बालिकाओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रोफेसर रविंद्रनाथ पाठक ने कहा कि महेन्द्रकुमार इस बात के प्रतीक थे कि एक आदमी अपने जीवन में कितनी सार्थक भूमिकाओं का निर्वहन कर सकता हैं? समाज में निर्माण की प्रक्रिया को आकार देनेवाले व्यक्तित्वों का सादर पुण्यस्मरण हमें एक सार्थक दिशा दिखाता है। वहीं महेंद्र कुमार व विद्या भारती के संबंध विषय पर विद्या भारती के विभाग निरीक्षक राजेश कुमार रंजन ने विस्तार से अपनी बातें रखीं। डॉक्टर अमित कुमार मुन्नू ने महेन्द्र कुमार जन्म शताब्दी समारोह के दौरान साल भर चले विविध कार्यक्रमों की जानकारी दी।मुख्य अतिथि के तौर पर उद्बोधन में प्रज्ञा प्रवाह के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य रामाशीष सिंह ने अपने संबोधन में भारतीय संस्कृति की प्राचीनता और भारतीय मनीषा के व्यापक संदर्भों पर अपने विचार प्रकट किए। उन्होंने कहा कि भारत इंडिया से कहीं अधिक प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर को समेटे हुए है। जो पुण्य करते हैं वहीं भारत में जन्म लेते हैं। उन्होंने कहा कि समर्पित स्वयंसेवक रहे महेंद्र कुमार के व्यक्तित्व में एक विशेष आकर्षण था। जगह जगह घूम कर उन्होंने भारतीय मनीषा के स्वर को जन जन तक पहुंचाया। हर किसी के प्रति सम्मान की भावना, मानवता के संदेश का प्रसार, भारतीयता के मौलिक तथ्यों के प्रति अनुराग आदि महेंद्र कुमार के प्रति श्रद्धा सुमन के आयाम हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि महेंद्र कुमार अनवरत चलनेवाले व्यक्ति थे। वे सिर्फ चलते नहीं थे अपितु उनकी आत्मा भी उनके सद्कर्मों के साथ चलती थी। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉक्टर विनय कुमार सिंह ने कहा कि महेंद्र कुमार के व्यक्तित्व और कृतित्व से हमें प्रेरणा मिलती है। मंच संचालन डॉक्टर विजय कुमार पांडेय ने किया। इस अवसर पर विद्या भारती के क्षेत्रीय प्रचार-प्रसार संयोजक नवीन सिंह परमार, बालिका विद्या मंदिर के अध्यक्ष सुनील दत्त शुक्ल, सचिव डॉ ममता सिंह, प्रधानाचार्या सिम्मी कुमारी, समाजसेवी रमेश सिंह, ललन जी मिश्र, शिक्षाविद् डॉ गणेश दत्त पाठक, महावीरी शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य कमलेश नारायण सिंह, ओमप्रकाश दूबे, पारस नाथ सिंह, कौशलेंद्र प्रताप, ज्ञाणेश्वर श्रीवास्तव, देवेन्द्र गुप्ता, आदित्य कुमार विनोद, अरविंद कुमार सिंह, शैलेंद्र कुमार वर्मा, संदीप गिरी, अभिषेक कुमार सिंह, प्रमोद मिश्रा, डॉ आशुतोष कुमार, कमलेश्वर ओझा, विजय कुमार, प्रकाश वर्मा, प्रोफेसर डॉ अनिल कुमार प्रसाद, डॉ ज्योत्स्ना प्रसाद, कमलेश सिंह सैकड़ों की संख्या में शहर के प्रबुद्ध नागरिक व महावीरी विद्यालयों के आचार्य व समिति सदस्य उपस्थित थें।

लोक गायिका शारदा सिंहा का बिगड़ा तबियत, एम्स अस्पताल में चल रहा है ईलाज

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ लोक गायिका शारदा सिंहा का बिगड़ा तबियत, एम्स अस्पताल में चल रहा है ईलाज

समस्तीपुर। लोक गायिका शारदा सिंहा का आज अचानक तबियत बिगड़ने पर उन्हें दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि हाल ही में उनके पति का निधन हो गया था तब से वह भी अस्वस्थ्य चल रही है। ज्ञात हो कि शारदा सिंहा ने मैथिली, बज्जिका, भोजपुरी के अलावा हिंदी गीत भी गई है। शारदा सिंहा ने मैने प्यार किया, हम आपके है कौन फिल्मों में गीत गया है जो काफी प्रचलित है। इनके द्वारा गाये गीतों के कैसेट संगीत बाजार में सहजता से उपलब्ध है। बिहार एवं यहां से बाहर दुर्गा - पूजा, विवाह समारोह या अन्य अन्य संगीत समारोहों में शारदा सिंहा द्वारा गाये गीत अक्सर सुनाई देते हैं।

डीएम ने योजनाओं की समीक्षा बैठक कर दिए कई निर्देश

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी :डीएम रिची पांडेय की अध्यक्षता में उनके कार्यालय में नगर निगम एवं सभी नगर निकायों से संबंधित पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई ।बैठक में आगामी छठ महापर्व को देखते हुए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि खतरनाक घाटों को चिन्हित करते हुए बैरेकेडिंग की व्यवस्था की जाए ।सभी घाटों की विशेष साफझ्र सफाई सुनिश्चित करने के साथ घाटों पर लाइटिंग की व्यवस्था की जाए ।सभी घाटों पर चेंजिंग रूम बनाया जाए एवं पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ।खतरनाक घाटों पर पर्याप्त संख्या में गोताखोरों के प्रतिनियुक्ति की जाए। सीसीटीवी कैमरे अधिष्ठापित किए जाएं।

जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि सभी प्रखंडों के वरीय पदाधिकारीझ्र प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं कार्यपालक अधिकारी, नगर पंचायत के साथ बैठक करेंगे एवं

संयुक्त रूप से सभी घाटों का निरीक्षण करते हुए निरीक्षण प्रतिवेदन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे ।बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया गया कि सर्वे का कार्य चल रहा है, उसे शीघ्र पूरा करें एवं यह सुनिश्चित करें कि जो योग्य लाभुक हैं वे छूटे नहीं ।जिलाधिकारी ने सभी पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का नियमित रूप से निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही शहर में एवं सभी नगर निकायों में जाम से मुक्ति दिलाने के मद्देनजर आवश्यक कदम उठाना सुनिश्चित किया जाए।

अवैध रूप से मुख्य सड़क किनारे लगने वाली बैजलपुर सब्जी मंडी दो दिनों में हटाने का दिया निर्देश

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के समस्तीपुर - दरभंगा मुख्य मार्ग के बरहेता चौक के समीप अवैध रूप से मुख्य सड़क किनारे लगने वाली बैजलपुर सब्जी मंडी में शनिवार को सीओ शशि रंजन, थाना अध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी विकास केशव, एसआई शिल्पी कुमारी, एएसआई लालू प्रसाद मल्लाह सहित जिला के जवान महिला पुलिस बल के नेतृत्व में सब्जी मंडी को अतिक्रमण मुक्त कराने पहुंचे, जहां सब्जी व्यवसाई को दीपावली व छठ पूजा को देखते हुए दो दिनों के अन्दर सब्जी मंडी को मुख्य मार्ग से हटाने के लिए सीओ व थाना अध्यक्ष के द्वारा सड़क से हटकर मंडी लगाने के लिए चेतावनी दी गई। अगर सब्जी मंडी दो दिनों के अंदर नहीं हटने पर स्थानीय प्रशासन के द्वारा पुलिस बल के सहयोग से अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए अभियान चलाने की बात कही गई है।

डीएम ने गौरव कुमार को सम्मानित किया

मो. सदरे आलम नोमानी

जिले के पुपरी एल एम उच्च विद्यालय के 9वीं के छात्र गौरव कुमार को स्कैचिंग आर्ट के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जिला पदाधिकारी रिची पाण्डेय के द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया एवं जिलाधिकारी ने गौरव के उज्जवल भविष्य की कामना की। जिलाधिकारी ने कहा कि सीतामढ़ी जिले में प्रतिभाओं की कमी नहीं है ।उन्हें प्रोत्साहित करने की जरूरत है ताकि राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उनकी पहचान बन सके ।उन्होंने कहा कि अन्य क्षेत्रों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर स्पोर्ट्स प्रमोटर श्याम किशोर प्रसाद के साथ उनके अभिभावक विनोद पासवान, सौरभ कुमार एवं सतीश पासवान उपस्थित थे।

बथनाहा में विभिन्न जगहों पर मतदाता मिलन समारोह का किया गया आयोजन

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी :जिले के बथनाहा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर मतदाता जागरूकता व मिलन समारोह का आयोजन किया गया। महागठबंधन समर्थित राजद प्रत्याशी गोपी किशन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राजद सुप्रीमों लालू यादव और हमारे नेता तेजस्वी यादव ने एक साधारण कार्यकर्ता पर विश्वास करते हुए तिरहुत स्नातक उप चुनाव में विधान परिषद का प्रत्याशी बनाया। इसके लिए आप सबों का ऋणी हूँ। किशन ने कहा मतदाता ही लोकतंत्र में असली मालिक है और उनको अपने अधिकार के प्रति जागरूक रहना होगा ताकि सही व्यक्ति का चुनाव हो सके। आपके समस्याओं को सदन तक चुने हुए जनप्रतिनिधि पहुंचा कर समाधान के दिशा में काम हो। लालू प्रसाद ने लोगों को कुर्सी पर बैठाने का काम किया है युवाओं के लिए तेजस्वी यादव ने 17 महीने की सरकार में जो काम कर दिखाया है। वह नीतीश कुमार ने अभी तक 17 साल के कार्यकाल में नहीं किया है। अब लोगों को तेजस्वी सरकार चाहिए समाज के हर वर्ग आज युवा तेजस्वी के साथ है। चुनाव में एक-एक मत पर पैनी नजर रखे तब हम मजबूत होगें व हमारी जीत सुनिश्चित होगी।

मौके पर प्रमोद कुमार सिंह, दिनेश कुमार यादव, राम पुकार राय, समाजसेवी राम विनय प्रसाद, विकाश कु मार, धीरेन्द्र कुमार, अमरनाथ कुमार सिंह, चंदन कुमार, जोगेंद्र सिंह, साजन कुमार, जागेश्वर कुमार, नीतीश यादव, नवीन कुमार यादव, राम बहादुर सिंह, बिकाऊ राउत, राजकुमार राउत समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

डीएम ने किया पैक्स चुनाव को लेकर बैठक, दिए कई निर्देश

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा द्वारा आगामी पैक्स निर्वाचन 2024 से संबंधित समीक्षा बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से जिलाधिकारी द्वारा मतदाता सूची का प्रकाशन, बूथ वेरिफिकेशन एवं बूथों की स्थिति तथा नामांकन प्रक्रिया की तैयारी एवं मतगणना हॉल तथा बज्रगृह की तैयारी से संबंधित समीक्षा की गई। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निवार्ची पदाधिकारी पैक्स मतदान 2024 द्वारा बारी - बारी से अपने प्रखंडों में की गई तैयारी से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया। जिलाधिकारी द्वारा सभी प्रखंड के वरीय प्रभारी को भी निर्देश दिया गया कि वह भी अपने - अपने आवंटित प्रखंडों में भ्रमण कर पैक्स निर्वाचन 2024 से संबंधित की जा रही तैयारी का सतत अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण करते रहेंगे तथा समय - समय पर अधोहस्ताक्षरी को कृत कारवाइयों से अवगत कराएंगे। बैठक में अपर समाहर्ता समस्तीपुर, उप विकास आयुक्त समस्तीपुर, अपर समाहर्ता, लोक शिकायत निवारण, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन, जिला सहकारिता पदाधिकारी एवं सभी अनुमंडल पदाधिकारी / भूमि सुधार उप समाहर्ता, प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा अंचलाधिकारी मौजूद थे।

अंचल अधिकारी और थाना अध्यक्ष के जनता दरबार मे हुई मामलो की सुनवाई

वरिष्ट संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरीफ

सिवान महाराजगंज दुरौंधा 26अक्टूबर शनिवार। जिला पदाधिकारी सिवान के आदेश पर दुरौंधा थाना परीसर में थाना अध्यक्ष छोटन कुमार के नेतृत्व दुरौंधा अंचल अधिकारी श्रीमती पूनम दीक्षित ने जनता दरबार लगाकर भूमि से संबधित गुहार लेकर आए मामलो को लेकर आए फरियादी की फरियाद सुन कर ऑन स्पॉट समाधान किया। वही जनता दरबार मे सबसे अधिक भूमि से संबधित मामलो की सुनवाई कर समाधान किया। अंचल अधिकारी श्रीमति पूनम दीक्षित ने जनता दरबार मे लगभग तीस फरियादी की फरियाद एक एक कर सूनी। और वही अंचल अधिकारी ने अंचल कार्यालय अंतर्गत सभी राजस्व कर्मचारियों और आरटीपीएस काउंटर पर तैनात कर्मियों को आदेश देकर बताया की कोई भी कार्य अपने अधीन लंबित न रखे ऑन स्पोर्ट समाधान करे। समाधान नही करने पर यथा शीघ्र कार्रवाई संबंधित कर्मियों पर की जायेगी

तेहवार को लेकर साफ सफाई का खास ख्याल रखें. डीएम

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी :डीएम रिची पांडेय की अध्यक्षता में उनके कार्यालय में नगर निगम एवं सभी नगर निकायों से संबंधित पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई ।बैठक में आगामी छठ महापर्व को देखते हुए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि खतरनाक घाटों को चिन्हित करते हुए बैरेकेडिंग की व्यवस्था की जाए ।सभी घाटों की विशेष साफझ्र सफाई सुनिश्चित करने के साथ घाटों पर लाइटिंग की व्यवस्था की जाए ।सभी घाटों पर चेंजिंग रूम बनाया जाए एवं पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ।खतरनाक घाटों पर पर्याप्त संख्या में गोताखोरों केप्रतिनियुक्ति की जाए। सीसीटीवी कैमरे अधिष्ठापित किए जाएं।

जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि सभी प्रखंडों के वरीय पदाधिकारीझ्र प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं कार्यपालक अधिकारी, नगर पंचायत के साथ बैठक करेंगे एवं संयुक्त रूप से सभी घाटों का निरीक्षण करते हुए निरीक्षण प्रतिवेदन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे ।बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया गया कि सर्वे का कार्य चल रहा है, उसे शीघ्र पूरा करें एवं यह सुनिश्चित करें कि जो योग्य लाभुक हैं वे छूटे नहीं ।जिलाधिकारी ने सभी पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का नियमित रूप से निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही शहर में एवं सभी नगर निकायों में जाम से मुक्ति दिलाने के मद्देनजर आवश्यक कदम उठाना सुनिश्चित किया जाए।

जनसम्पर्क विभाग, पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

वाराणासी 26 अक्टूबर,2024 अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड श्री सतीश कुमार ने महाप्रबंधक,पूर्वोत्तर रेलवे सुश्री सौम्या माथुर के साथ प्रयागराज महाकुम्भ-2025 में आनेवाले श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु झूँसी-प्रयागराज रामबाग के मध्य गंगा नदी पर निमार्णाधीन महत्वपूर्ण पुल का ट्राली निरीक्षण तथा प्रयागराज रामबाग व झूँसी स्टेशनों पर मेला यात्रियों की सुविधा हेतु विकास कार्यों का 26 अक्टूबर, 2024 को निरीक्षण किया। इस अवसर पर मुख्यालय एवं मण्डल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे

अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी,रेलवे बोर्ड ने प्रयागराज संगम में लगने वाले आगामी महाकुम्भ मेला-2025 में आनेवाले श्रद्धालुओं की सुगमता एवं समुचित यात्री सुविधा प्रदान करने हेतु झूँसी एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशनों का गहन निरीक्षण किया तथा कुम्भ मेले की तैयारियों के परिप्रेक्ष्य में स्टेशनों पर चल रहे यात्री सुविधा विस्तार कार्यों की समीक्षा की और कार्य प्रगति पर संतोष व्यक्त किया । उन्होंने शेष विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ उचित मानकों के आधार पर तय समयसीमा में सम्पन्न करने का निर्देश दिया ।

निरीक्षण के क्रम में चेयरमैन रेलवे बोर्ड ने झूँसी-प्रयागराज रामबाग के मध्य गंगा नदी पर दोहरीकरण के अंतर्गत बन रहे महत्वपूर्ण रेल ब्रिज सं 111 पर मोटर ट्राली से निरीक्षण कर वरिष्ठ अधिकारियों एवं रेल विकास निगम लिमिटेड के इंजीनियरों के साथ प्रगति की समीक्षा की ।इस महत्वपूर्ण पुल में 76.2 मीटर स्पान के 24 गर्डर हैं तथा इसकी लंबाई लगभग 2 किमी है ।कार्य अंतिम चरण में है ।दोनों सिरों पर डक्ट के माध्यम से गर्डर लॉन्चिंग का काम पूरा हो गया।झूँसी-प्रयागराज रेल खंड में 96% फार्मेशन वर्क पूरा हो गया।

उन्होंने प्रयागराज रामबाग एवं झूँसी समेत मेला क्षेत्र में पड़ने वाले सभी स्टेशनों और उनके रेलपथ की संरक्षा,गति एवं परिचालनिक व्यवस्थाओं तथा यात्रियों की सुरक्षा, संरक्षा एवं सुविधाओं का आंकलन किया।इस क्रम में उन्होंने झूँसी स्टेशन पर निमार्णाधीन सेकण्ड एन्ट्री के सकुर्लेटिंग एरिया में बन रहे यात्री प्रतीक्षालय,बाउन्ड्री वाल,हाई मास्ट लाइट, अस्थाई शौचालय, रात्रि के आने -जाने के लिये अप्रोच सड़क का गहनता से निरीक्षण किया ।इसके पश्चात उन्होंने स्टेशन भवन, फुटओवर ब्रिज, प्लेटफॉर्म पर किये जाने वाले निर्माण कार्य सहित सभी प्रगति कार्यों को परखा। इसके अतिरिक्त उन्होंने कुम्भ मेला के दौरान यात्रियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं सहित इनकी वैकल्पिक व्यवस्थाओं तथा इनको स्थापित किये जाने वाले चिन्हित स्थलों की जानकारी प्राप्त की।

इसी क्रम में अध्यक्ष ने प्रयागराज रामबाग स्टेशन का भी गहन निरीक्षण किया और कुम्भ मेला के दौरान मेला यात्रियों की सुविधा के लिए निमार्णाधीन यात्री आरक्षण केन्द्र,अनारक्षित टिकट काउंटर,अस्थाई फूड एवं वाटर वेंडिंग स्टॉलों, प्रतीक्षालयों,अतिरिक्त प्रवेश और निकास मार्ग,स्थाई एवं अस्थाई प्लेटफार्मों, यात्री शेड, आर सी सी बेंचेस, फुट ओवर ब्रिज, अस्थाई प्रतीक्षालयों, सी सी टी वी सर्विलांस, बाउंड्री वाल एवं भीड़ के समुचित प्रबंधन हेतु नियंत्रण कक्ष तथा यात्री सुविधा विकास कार्यों का गहन निरीक्षण किया और संबंधित को इस सम्बन्ध में आवश्यक सुझाव और निर्देश दिए। प्रयागराज रामबाग निरीक्षण के दौरान उन्होंने टिकट काउंटर पर टिकट ले रहे यात्रियों से संवाद कर टिकट मिलने में लगने वाले समय का फीडबैक लिया और यात्रियों की संतुष्टि पर संतोष व्यक्त किया।

वारिसनगर थाना परिसर में लगा जनता दरबार, एक मामले का हुआ निष्पादन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर।जिले के वारिसनगर थाना परिसर में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन हुआ। जिसकी अध्यक्षता अंचलाधिकारी धर्मेंद्र पंडित ने किया। पूछे जाने पर सीओ ने बताया कि आज जनता दरबार कुल सात मामले आए जो भूमि विवाद से जुड़ा हुआ था। उन्होंने बताया कि कुल सात मामले में से एक मामले का मौके पर निष्पादन कर दिया गया।शेष छः फरियादियों को अगले जनता दरबार में बुलाया गया है। आज जिनका निष्पादन हुआ उसमें मो एखलाकुर रहमान, मो शाकिर हुसैन का नाम शामिल है।

मौके पर अंचलाधिकारी धर्मेंद्र पंडित के अलावा अपर थाना अध्यक्ष शशि शंकर कुमार, अमीन चंदेश्वर सिंह, अंचल कर्मी मंटून कुमार आदि मौजूद थे।

सक्रिय पुलिसिंग के तहत मढ़ौरा थाना की बड़ी कार्रवाई, मढ़ौरा थानान्तर्गत 04 अभियुक्त को गिरफ्तार कर होटल आदित्य को किया गया सील

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दिनांक- 26.10.24 को मढ़ौरा थाना को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि आदित्य होटल के मैनेजर दीपक कुमार के द्वारा अपने होटल में अनैतिक देह व्यापार का धंधा चलाया जा रहा है। उक्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक राहुल कुमार सह थानाध्यक्ष मढ़ौरा थाना के नेतृत्व में टीम गठित कर मढ़ौरा थानान्तर्गत स्थित आदित्य होटल पर छापामारी किया गया जिसमें 06 युवक एवं युवतियों को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा गया। उसमें से 03 युवक एवं 01 होटल के मैनेजर को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। इस संबंध में मढ़ौरा थाना कांड सं०- 595/24, दिनांक- 25.10.24 धारा-3/4/5/6 केह्व१" ळ१ॅप्र ढ१ी५ील्ल३ङ्गल्ल ू३ दर्ज किया गया है।इसी कड़ी में अग्रतर कार्रवाई करते हुए उक्त आदित्य होटल को सील किया गया है।

> गिरफ्तार अभियुक्त का नाम एवं पता:-

1. दीपक कुमार, पिता-बिनोद सिंह, साकिन-डेवढी पूरब टोला, थाना-तरैया, जिला-सारण।

2. रूस्तम, पिता-अम्मु साह, साकिन टेहटी, थाना-मढ़ौरा, जिला-सारण।

3. सरोज कुमार, पिता-पिता जंगबहादुर मांझी, साकिन-सहवां, थाना-इसुआपुर, जिला-सारण। 4. सुबोध कुमार, पिता पंचानन्द सिंह, साकिन-नरांव, थाना-अवतारनगर, जिला-सारण।

>जप्त / बरामद सामानों की विवरणी :1. मोटरसाईकिल-04, 2. मोबाइल-04, 3. कॉन्डम-08 पीस, 4. नगद राशि-7500 रू0

? टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारी / कर्मी :-

श्री राहुल कुमार, पुलिस उपाधीक्षक (परि०) सह-थानाध्यक्ष मढ़ौरा थाना, पु०अ०नि० नवीता रानी, पु०अ०नि० रामाशीष सिंह, प्र०पु०अ०नि० संजीत कुमार, स०अ०नि० सुमन कुमार, स०अ०नि० ब्रजभूषण प्रसाद, स०अ०नि० अरूण कुमार, स०अ०नि० जितेन्द्र कुमार, स०अ०नि० अवधेश कुमार मंडल, पी०टी०सी० शत्रुधन कुमार एवं मढ़ौरा थाना के अन्य कर्मी।

सारण पुलिस, आपकी सेवा में सदैव तत्पर...

डीएपी खाद की कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए आवश्यक बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

विभूतिपुर (समस्तीपुर)। रबी की फसल बुआई शुरू हो चुकी है जिससे किसानों को डीएपी खाद की जरूरत पूरा करने सरकारी दर पर नही मिलने से बाजार से 1700 - 2000 रुपे देकर खरीदने पर मजबूर होना पड़ रहा है, जबकि सरकारी रेट 1440 रुपया ही है।पूर्व से ही कमरतोड़ महंगाई की मार और कालेबाजारी का दंश से त्रस्त किसानों की बेबसी की चिंता लिए विभूतिपुर के विधायक सह सदस्य विशेषाधिकार समिति सह नेता विधायक दल (सीपीआईएम) ने इस बाबत जिलाधिकारी को पत्र लिखा है। जिससे त्वरित निदान हेतु अनुश्रवण समिति की बैठक (उर्वरक निगरानी समिति) के साथ विचार विमर्श कर किसान के हित में एक सकारात्मक परिणाम निकाला जा सके। कॉमरेड अजय कुमार ने कहा कि किसान का हित मतलब देश का हित क्योंकि ये किसान ही अपना खून पसीना बहाकर धरती का सीना चिड़कर बहुसंख्यक जनसंख्या का पेट भरता है।

हेडलाइन: धर्म में एकता, विविधता में शक्ति: सभी धर्मों के प्रति सम्मान की अपील

जब तुम्हें दूसरे धर्म का अपमान करने में खुशी मिलने लगे, तो समझ लो कि तुम अपने ही धर्म से भटक चुके हो।

लेखक: रेयाज आलम
प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और वरिष्ठ कॉर्पोरेट प्रोफेशनल

■ हाल के दिनों में हमने ऐसे कई घटनाएं देखी हैं जो हमें हमारे विविध समाज में धार्मिक सहिष्णुता और आपसी सम्मान की अहमियत याद दिलाती हैं। मैं, रेयाज आलम, सभी से यह अपील करता हूं कि वे अपने धर्म की वास्तविकता और उन सिद्धांतों पर विचार करें जो सभी धर्मों में प्रेम और एकता का संदेश देते हैं। सच्ची आस्था दूसरों पर निंदा करने या नीचा दिखाने से नहीं, बल्कि मानवता की भलाई से प्रकट होती है।

■ हाल ही में, कुछ घटनाओं में धार्मिक तनाव केवल इस कारण से बढ़ गया कि कुछ लोगों की भड़काऊ टिप्पणियों और हरकतों ने विवाद खड़ा कर दिया। सोशल मीडिया का गलत उपयोग करके धार्मिक व्यक्तित्वों या मान्यताओं के खिलाफ आपत्तिजनक संदेश फैलाए गए, जिससे विभिन्न समुदायों में अविश्वास और गलतफहमी बढ़ी। उदाहरण के लिए, एक हालिया वायरल वीडियो में एक धार्मिक व्यक्ति का मजाक उड़ाया गया, जिससे समाज में असंतोष फैला। इसी तरह, एक सार्वजनिक व्यक्ति की टिप्पणियों ने विभिन्न धर्मों के अनुयायियों में गुस्से की लहर पैदा कर दी, जिससे हमारे समाज की एकता प्रभावित हुई।

■ इस तरह की घटनाएं हमें यह याद दिलाती हैं कि हमारे शब्दों और कार्यों की ज़िम्मेदारी हम पर है, विशेषकर तब जब हम उनके माध्यम से दूसरों को प्रभावित कर सकते हैं। खासतौर पर समुदाय के नेताओं और प्रभावशाली व्यक्तियों के लिए यह जरूरी है कि वे हर धर्म के प्रति सम्मान का एक उदाहरण पेश करें। हमें याद रखना चाहिए कि दूसरों की मान्यताओं का अपमान करके खुशी पाना यह दर्शाता है कि हम अपनी ही मान्यताओं से दूर हो चुके हैं। यह उन सिद्धांतों के खिलाफ है जिन पर सभी प्रमुख धर्म जैसे इस्लाम, हिंदू धर्म, ईसाई धर्म, सिख धर्म और अन्य धर्म आधारित हैं।

■ हमारी समाज की एकता और सामंजस्य को बनाए रखने के लिए, मैं निम्नलिखित कदमों का सुझाव देता हूं:

1. शैक्षिक अभियानों को बढ़ावा दें: ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करें जो विभिन्न धर्मों के सिद्धांतों और उनके साझा मूल्यों की शिक्षा दें, जिससे गलतफहमियां दूर की जा सकें।
2. सकारात्मक संवाद को प्रोत्साहित करें: अंतरधार्मिक संवाद की शुरूआत करें जहां विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि अपने विश्वासों को खुलकर साझा कर सकें, अपने अनुभवों को बांट सकें और एक-दूसरे के दृष्टिकोण की सराहना कर सकें। इससे पूर्वाग्रहों का अंत होगा और आपसी सम्मान बढ़ेगा।
3. जिम्मेदार मीडिया कवरेज: मैं मीडिया से अपील करता हूं कि वह संवेदनशील विषयों पर रिपोर्टिंग में जिम्मेदारी दिखाए और सनसनीखेज से बचे। इसके बजाय, हमें उन सकारात्मक कहानियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो विभिन्न धार्मिक समुदायों में एकता और सहयोग को उजागर करती हैं।
4. सामुदायिक-नेतृत्व वाली पहलें: स्थानीय नेता और संगठन ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन कर सकते हैं जो हमारे धार्मिक विविधता का जश्न मनाते हैं, जैसे कि त्यौहार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, या सामुदायिक सेवा के आयोजन जो लोगों को विभिन्न विश्वासों के साथ जोड़ते हैं।

आइए हम सब मिलकर एक बार फिर एकता, करुणा और आपसी सम्मान की भावना को बहाल करें। इन मूल्यों को अपनाकर हम एक ऐसा समाज बना सकते हैं जहां हर व्यक्ति, चाहे वह किसी भी धर्म का हो, अपने आप को सम्मानित और मूल्यवान महसूस कर सके। मेरी सभी समुदायों से विनम्र अपील है कि इन मूल्यों पर विचार करें और यह याद रखें कि दूसरों के विश्वासों का सम्मान करना, अपने ही धर्म का सम्मान करना है।

इनर व्हील क्लब सारण ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

इनर व्हील क्लब सारण के तत्वाधान में महिला सशक्तिकरण पर दो निर्धन महिलाओं को आर्थिक सहायता दिया गया जिससे वह आर्थिक रूप से सशक्त बना सके और अपनी जरूरतें पूरी कर सके ।साथ ही एक निर्धन महिला को सौंदर्य प्रसाधन का सामान दिया गया, जिससे वह दूसरे पर उपयोग करके आर्थिक तौर पर मजबूत हो सके, आत्मनिर्भर बन सके और अपने परिवार का भरण पोषण कर सके। इनर व्हील क्लब सारण की अध्यक्ष शिल्पी कुमारी ने कहा, जब महिला आर्थिक रूप से सशक्त होती है तो वह अपने परिवार के लिए संयचक बन जाती है तथा अपने बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध कराती है।इसकी जानकारी क्लब एडिटर रचना कुमारी ने दिया।

सारण पुलिस की खास पहल संवाद कार्यक्रम आवाज दो का जे0पी0 यूनिवर्सिटी में किया गया

इस दौरान पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी किया गया आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आज दिनांक-26.10.24 को समय 09:00 बजे पूर्वाहन में जे०पी० यूनिवर्सिटी छपरा, सारण के प्रांगण में आयोजित पुलिस प्रशासन एवं उ्छरअ की ओर से बालिकाओं के साथ हो रहे शोषण एवं अत्याचार के रोकथाम तथा उन्हें न्याय दिलाने के लिए एक मुहिम सशक्त महिला सशक्त समाज "आवाज दो" कार्यक्रम की शुभारंभ पर्यावरण संरक्षण हेतु आयोजित वृक्षारोपन कार्यक्रम के तहत पुलिस अधीक्षक, सारण एवं माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधिश, सारण द्वारा वृक्ष लगाकर किया गया। इस संवाद कार्यक्रम में माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पुलिस अधीक्षक सारण के अलावे माननीय कुलपति, जे०पी० यूनिवर्सिटी छपरा, उप विकास आयुक्त एवं अन्य पुलिस एवं प्रशासनिक पदाधिकारी भी उपस्थित रहें। इस संवाद कार्यक्रम में सारण जिला के महिला संगठन, स्कूल की छात्राओं एवं अन्य महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में स्कूली छात्राओं ने महिला हिंसा से संबंधित अपनी समस्याएँ रखी, जिसके निराकरण हेतु पुलिस अधीक्षक, सारण एवं अन्य प्रशासनिक पदाधिकारियों द्वारा उन्हे उचित सुझाव दिया गया ।महिलाओं को छेड़छाड़, घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना, मानसिक एवं शारीरिक प्रताड़ना या फिर ऑफलाइन / ऑनलाइन पोर्टल (यथा इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब) या अन्य किसी भी माध्यम से किसी भी तरह का शोषण के प्रति जागरूक किया गया तथा इस संबंध में पुलिस अधीक्षक, सारण के द्वारा जारी किये गये हेल्पलाईन नं0 9031600191 पर बेहिचक अपनी शिकायत दर्ज कराने एवं सुझाव देने हेतु कार्यक्रम में मौजुद लोगों को प्रेरित किया गया ।सारण पुलिस, आपकी सेवा में सदैव तत्पर...

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर अंतर विभागीय कार्य समूह की बैठक हुई

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर अंतर विभागीय कार्य समूह की बैठक हुई आयोजित।

फसल अवशेष जलाने वाले किसान कृषि कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से होंगे वंचित। हार्वेस्टर मालिको को कृषि विभाग से लेनी होगी अनुमति,बिना अनुमति हार्वेस्टर चलाने वाले पर होगी करवाई।

फसल अवशेषों को खेतो में जलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति तथा मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है ।-जिलाधिकारी

फसल अवशेष को खेतों में जलाने से सांस लेने में तकलीफ आंखों में जलन, नाक एवं गले की समस्या बढ़ती है ।.

जिलाधिकारी ने कहा ,फसलों के अवशेष को खेतों में जलाने से होने वाले नुकसान को लेकर सभी संबधित विभाग मिलकर पूरी गंभीरता से कार्य करे कार्य एवं लोगो को जागरूक भी करे।

जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में अंतर विभागीय कार्य समूह की बैठक आयोजित की गई।जिलाधिकारी ने फसलों के अवशेष को खेतों में जलाने से होने वाले नुकसान को लेकर उपस्थित सभी विभागों के अधिकारियों को पूरी गंभीरता से कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इसका व्यापक प्रचार प्रसार करवाये । उन्होंने किसान चौपालों में कृषि वैज्ञानिकों की उपस्थिति में किसानों को फसल जलाने से होने वाले नुकसान एवम पराली प्रबंधन की जानकारी देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालयो में बच्चों को फसल अवशेष प्रबंधन की जानकारी दे। उन्होंने बताया कि फसल अवशेष को जलाने से खेतो की उर्वरा शक्ति को काफी नुकसान पहुंचती है एवं प्रकृति तथा मानव स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग की ओर से कई कृषि यंत्र किसानों को अनुदान पर उपलब्ध कराया जा रहा है ताकि किसान खेतों में फसल अवशेष को ना जला कर उसे यंत्र द्वारा खाद के रूप में उपयोग कर सकें । उन्होंने कहा कि फसल अवशेष जलाने वाले किसानों को कृषि कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित होना पड़ सकता है ।जिलाधिकारी ने इसके संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि फसल अवशेषों को खेतो में जलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति तथा मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है । फसल अवशेष को खेतो में जलाने से वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ती है जिसके कारण पर्यावरण प्रदूषित होता। उन्होंने कहा की फसल अवशेष को खेतों में जलाने से सांस लेने में तकलीफ आंखों में जलन नाक एवं गले की समस्या बढ़ती है ।मिट्टी का तापमान बढ़ने के कारण मिट्टी में उपलब्ध सूक्ष्म जीवाणु,केचुआ आदि मर जाते हैं,साथ ही जैविक कार्बन, जो पहले से हमारी मिट्टी में कम है और भी जलकर नष्ट हो जाता है,फल स्वरुप मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम हो जाती है ।उन्होंने कहा कि

एक टन पुआल जलाने से वातावरण को होने वाले नुकसान के कारण 3 किलोग्राम पार्टिकुलेट मैटर,60 किलोग्राम कार्बन मोनोक्साइ,1460 किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड 199 किलोग्राम राख, 2 किलोग्राम सल्फर डाईऑक्साइड उत्सर्जित होता है ।उन्होंने कहा कि पुआल जलाने से मानव स्वास्थ्य को काफी नुकसान भी होता है। सांस लेने में तकलीफ,आंखों में जलन, नाक में तकलीफ,गले की समस्या आदि उत्पन्न होती है। उन्होंने कहा कि एक टन पुआल नहीं जलाकर उसे मिट्टी में मिलाने से निम्नांकित मात्रा में पोषक तत्व प्राप्त होता है ।नाईट्रोजन : 20 से 30 किलोग्राम,पोटाश : 60 से 100 किलोग्राम,सल्फर : 5 से 7 किलोग्राम,आर्गेनिक कार्बन : 600 किलोग्राम प्राप्त होता है।

उन्होंने कहा कि पुआल नहीं जलाकर उसका प्रबंधन करने में उपयोगी कृषि यंत्र,स्ट्रॉ बेलर,हैप्पी सीडर,जीरो टिल सीड- कम - फर्टिलाइजर ड्रिल,रीपर-कम - बाईंडर,स्ट्रॉ रीपर,रोटरी मल्चर

इन यंत्रों पर अनुदान की राशि बढ़ा दी गई है.।जिलाधिकारी ने किसान भाइयों एवं बहनों से अपील है।

अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के अजना पंचायत स्थित फुलहारा आम के बगीचे वार्ड संख्या पांच में एक अज्ञात 55 वर्षीय पुरुष का शव मिला ।ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पीटीसी संतोष कुमार चौकीदार के साथ सदर अस्पताल पहुंचे। ग्रामीण सूत्रों के अनुसार मृतक मानसिक रूप संतुलन खो हुए था तीन - चार दिन से गांव में कल्याणपुर चौक पर भीख मांगते हुए देखा गया। इसका कोई अता पता नहीं चला है। थाना अध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी विकास केशव ने बताया अज्ञात पुरुष के शव मिलने से नियमानुकूल अग्रसर कार्रवाई की जा रही है।

पीएम श्रीकेंद्रीयविद्यायलय क्रमांक-2,बेलीरोड, पटना(प्र.पाली)

वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता का प्रतिवेदन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आजदिनांक 26-10-2024 को पीएम श्री के न्द्रीयविद् ?यालय क्र.2,बेलीरोडपटनामें वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन पूरे हर्षोल्लास से किया गया जिसमे विभिन्न खेलों जैसे 100 मीटरदौड़, सैकरेस, बिस्किट रन, थ्रो लेग,स्पून एवं मार्बल, गुब्बारा फोड़ आदि का आयोजन किया गया कइस प्रतियोगिता में लगभग 1000 प्रतिभागियों ने उत्साह पूर्वक भाग लियाएवंप्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया कप्रतियोगिता के विजेताओं को मुख्य अतिथि प्राचार्य श्री पी.के.सिंह के द्वारा प्रोत्साहित किया गया तथा विद्यार्थियों को आगामी खेल-कूद प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया क उन्होंने बताया कि खेल-कूद सेशरीरस्वस्थ रहता है औरस्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है कउनके द्वारा कहा गया कि जब खेलेगा भारत तो खिलेगा भारत क सभी प्रतियोगिताओं का सकुशल प्रबंधन विद्यालय के खेल-विभाग प्रभारी श्री मनीष कुमार मिश्रा के द्वारा किया गया कमौके पर अन्य शिक्षक श्री विजय वर्मा, श्री संतोष मंडल एवं कुमुद रंजन मौजूद रहे ।

रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड पर फ्री बनेंगे आयुष्मान कार्ड,

स्वास्थ्य मंत्री ने किया जागरूकता स्टॉल का उद्घाटन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि 26 अक्टूबर से 8 नवंबर तक रेलवे स्टेशनों और बस पड़ावों (स्टैंड) पर आयुष्मान कार्ड निशुल्क बनेंगे। प्रत्येक जिले के प्रमुख छठ घाटों और पंचायतों में 4 से 8 नवंबर तक आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए रोज पांच शिविर या स्टॉल लगाए जाएंगे। रोज हर शिविर में 500 लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनाने का निर्देश जिलों को दिया गया है। उन्होंने यह बात शनिवार को पटना रेलवे स्टेशन पर आयुष्मान भारत जागरूकता स्टॉल के उद्घाटन के दौरान कही।स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के लिए लाभुकों को जागरूक किया जा रहा है। छठपर्व के दौरान लोग बाहर से गांव आते हैं। इसलिए पटना जंक्शन, राजेंद्र नगर टर्मिनल, पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन, दानापुर रेलवे स्टेशन, बैरिया बस स्टैंड पर जागरूकता स्टॉल लगाकर आयुष्मान कार्ड बनेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अब तक लगभग 1 करोड़ 50 लाख परिवारों और 3 करोड़ 57 लाख लोगों को आयुष्मान कार्ड जारी किए गए हैं। इस योजना के तहत 586 सरकारी और 435 गैर सरकारी अस्पताल (कुल 1021 अस्पताल) सूचीबद्ध हैं। लाभुक परिवार को सालाना 5 लाख रुपये तक इलाज की मुफ्त सुविधा मिलती है। अब तक इस योजना से 13.95 लाख लोगों का इलाज किया गया। इन पर 1730 करोड़ की राशि खर्च हुई है।राज्य के 1.79 करोड़ परिवारों का आयुष्मान कार्ड बनाना है। वर्ष 2024 में अब तक 2.70 लाख कार्ड बनाए गए हैं। देशभर में 29 हजार अस्पताल आयुष्मान योजना से सूचीबद्ध हैं। जहां लोग जाकर आयुष्मान कार्ड से निःशुल्क इलाज करा सकते हैं। स्वास्थ्य सुरक्षा समिति के सीईओ शशांक शेखर सिन्हा ने कहा कि छठ के बाद आयुष्मान कार्ड बनाने का विशेष अभियान चलेगा। मौके पर स्वास्थ्य मंत्री के आप्त सचिव अमिताभ सिंह, प्रशासी पदाधिकारी शैलेश चंद्र दिवाकर, वित्त नियंत्रक आलोक कुमार सिंह, निदेशक ऑपरेशन आलोक रंजन, राज्य प्रबंधक रितेश कुमार मिश्र आदि मौजूद थे

सरकार ही बिकवा रही शराब, मुख्यमंत्री से नहीं संभल रहा बिहार; दारू कांड पर बोले तेजस्वी यादव

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव आज झारखंड से पटना लौट आए हैं। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान जहरीली शराबकांड पर नीतीश सरकार पर हमला बोला। तेजस्वी ने कहा कि राज्य में खुद सरकार ही शराब बिकवा रही है। लगातार जहरीली शराब से मौत हो रही है,लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी पार्टी के लोगों ने एक बार भी संवेदना व्यक्त नहीं की है तेजस्वी यादव ने कहा कि अब मुख्यमंत्री से बिहार नहीं संभल रहा है और समय अब खत्म हो चुका है। बीते 20 सालों से बिहार में उन्हीं की सरकार है। पहले नीतीश कुमार ने पंचायत में भी शराब की दुकानें खुलवा दीं, अब शराबबंदी हुई है तो लगातार जहरीली शराब से लोग मारे जा रहे हैं। सिवान, छपरा, मुजफ्फरपुर में भी घटना हुई है। बिहार के गरीब लोग मर रहे हैं, लेकिन सरकार बड़ी मछली पर कार्रवाई नहीं करती है और शराब बिक रही है। अगर दारू उपलब्ध है, तो सरकार फेल है. मुख्यमंत्री से बिहार नहीं संभल रहा है।बिहार उपचुनाव को लेकर तेजस्वी यादव ने कहा कि, उपचुनाव की चारों सीट पर महागठबंधन जीतेगा। बिहार की जनता देख रही है कि किस तरह से बिहार में सरकार लोगों को परेशान कर रही है. ऐसे में बिहार की जनता निश्चित तौर पर महागठबंधन का साथ देने का काम करेगी। वहीं झारखंड में भी इंडिया गठबंधन की सरकार बनने की बात कही इससे पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव शनिवार की दोपहर में अचानक प्रदेश राजद कार्यालय पहुंचे, और झारखंड विधानसभा के आम चुनाव और बिहार में चार सीटों के उपचुनाव को लेकर पार्टी नेताओं के साथ चर्चा की। उन्होंने झारखंड दौरे के बाद पार्टी की मजबूती स्थिति और वहां उम्मीदवारों की जानकारी दी। करीब दो घंटे से ज्यादा वो पार्टी कार्यालय में रहे। उन्होंने बिहार व झारखंड के चुनावों को लेकर रणनीति भी साझा की।

शराबबंदी पर सवाल उठाते हैं, शराब कंपनियों से 46 करोड़ का चंदा लेते हैं; तेजस्वी पर जेडीयू पर बड़ा हमला

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नीतीश कुमार की जेडीयू ने लालू यादव की आरजेडी पर शराब बनाने वाली कंपनियों से पैसा लेने का आरोप लगाया है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता और विधानपार्षद नीरज कुमार, प्रदेश प्रवक्ता अंजुम आरा और हिमराज राम ने कहा कि लोकसभा चुनाव के समय विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने शराब कंपनियों से चुनावी चंदे तौर पर 46.64 करोड़ रुपये लिए थे।

शनिवार को जदयू दफ्तर में पत्रकारों से बात करते हुए प्रवक्ताओं ने कहा कि तेजस्वी यादव का शराबबंदी पर अनर्गल प्रलाप महज संयोग नहीं, बल्कि एक राजनीतिक प्रयोग है। वे सिर्फ राजनीति कर रहे हैं। उन्हें सामने आकर इस आरोप का जवाब देना चाहिए। वे बताएं कि आखिर उन्होंने शराब कंपनियों से करोड़ों रुपये क्यों लिये?

जेडीयू एमएलसी नीरज कुमार ने कहा कि जहरीली शराब से होने वाली मौतों पर राजनीतिक टीका-टिप्पणी करने से पहले नेता प्रतिपक्ष को एनसीआरबी का डाटा जरूर देख लेना चाहिए। राबड़ी देवी के शासनकाल (1999-2005) में जहरीली शराब से 456 मौत हुई। इस मामले में पूरे देश में बिहार का स्थान छठा था। इस नरसंहार की जिम्मेदारी लालू प्रसाद लेंगे, राबड़ी देवी लेंगी या तेजस्वी यादव लेंगे? यह राजद को स्पष्ट करना चाहिए।

जदयू नेता ने कहा कि नीतीश सरकार में जब शराबबंदी लागू नहीं थी तो बिहार आठवें स्थान पर था। तब 367 मौत हुई थीं, लेकिन शराबबंदी लागू होने के बाद बिहार 13वें स्थान पर आ गया। इस दौरान केवल 157 मौतें हुईं। इससे पहले नीरज कुमार ने तेजस्वी पर आय घोटाले का आरोप लगाया था। जिसके खिलाफ तेजस्वी ने आज जेडीयू एमएलसी को मानहानि कानूनी नोटिस भेजा है।

प्रखण्ड संसाधन केंद्र पर शिक्षक दरबार और एक दिवसीय कार्यशाला अयोजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरीफ

सिवान दुरौंधा 26 अक्टूबर शनिवार। प्रखण्ड संसाधन केंद्र पर प्रभारी प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी श्री चंद्रभान सिंह ने जिला शिक्षा पदाधिकारी के आदेश पर प्रत्येक शनिवार की भांति ईस शनिवार को भी शिक्षक दरबार लगाकर शिक्षकों की समस्या सुन कर समाधान किया। वही प्रखंड के 6-8 के गणित एवं विज्ञान शिक्षकों को माध्यमिक विद्यालय दारौंदा में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई। जिसमें बच्चों को गणित और विज्ञान में प्रोजेक्ट-आधारित शिक्षा के जरिए, छात्रों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए तैयार किया जाने पर बल दिया गया। बीपीएम सुवेंदु कुमार एवं शिक्षिका पूनम कुमारी ने कार्यशाला में बताया गया कि इस तरह के शिक्षण से छात्रों को गणितीय सिद्धांतों का व्यावहारिक अनुभव मिलता है । इस दौरान कमलेश्वर प्रसाद सिंह, दीपिका कुमारी,मिथिलेश तिवारी, जितेन्द्र कुमार पाण्डेय, रविन्द्र कुमार, उमेश प्रसाद, अरविंद कुमार चौबे शहाबुद्दीन अंसारी आदि माध्यमिक

मधुबनी,,अखिल भारतीय ढहऊके राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष हृदय यादव एवं सहायक निर्देशक आशीष अमन ने संयुक्त रूप से जिला स्तरीय,

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर

अखिल भारतीय PWD के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष हृदय यादव एवं सहायक निर्देशक आशीष अमन ने संयुक्त रूप से जिला स्तरीय, अनुमंडल स्तरीय, प्रखंड स्तरीय, पंचायत स्तरीय प्रतिनिधियों के साथ बैठक किया। विशेष UDID कार्ड शिविर, जो दिनांक 17 अक्टूबर से 02 नवंबर 2024 तक सुनिश्चित किया गया है, को लेकर विशेष बैठक किया गया। बैठक में मधुबनी जिला अन्तर्गत होने वाले वउक्लऊकार्ड शिविर को सफल बनाने हेतु जिला से पंचायत तक के सभी PWD प्रतिनिधि कि सहायता से गाँव-गाँव, गली-गली जा-जाकर संबधित शिविर में दिव्यांगजनो की उपस्थिति सुनिश्चित करने कि बात कही गई जिससे शत प्रतिशत वउक्लऊकार्ड बनवाया जा सके।

स्कूली छात्रों ने न्यूटन की गति को पढ़ कर रॉकेट बनाया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ ।

सिवान महाराजगंज दुरौंधा 26 अक्टूबर शनिवार। दुरौंधा प्रखण्ड स्थित उच्च माध्यामिक विद्यालय सह इंटर कॉलेज सवान बिग्रह के छात्रों आदित्य कुमार, अमन कुमार, आयुष कुमार, सूरज कुमार ईत्यादि ने न्यूटन के गति के तीसरे नियम को पढ़ कर कार्टूनिस्ट रॉकेट का अविष्कार किया और बताया की यह रॉकेट न्यूटन के तीसरे नियम पर काम करता है। और सचमुच का रॉकेट का मारक क्षमता अधिक होता है। और इस रॉकेट के अविष्कारक भारतीय वैज्ञानिक सह भारत के दिवंगत राष्ट्रपती एपीजे अब्दुल कलाम ने अविष्कार कर मिसाईल मैन कहलाए जिसे हमे प्रेरणा मिलती है की हम सभी उन्ही के तरह काम करे और विश्व के पोर्टल पर हमारा भी नाम दर्ज हो।इन नन्हे मुन्ने छात्रों के इस करनामे से विद्यालय के शिक्षक काफी खुश थे। और छात्रों के उज्वल भविष्य की कामना की।

तेज रफ्तार वाहन के ठोकर से बाईक सवार की मौत

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिले के रोसड़ा थाना क्षेत्र के भीरहा चिमनी के निकट एक तेज रफ्तार वाहन के चपेट में आने से एक बाईक सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान रोसड़ा थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव निवासी रामदेव महतो का 38 वर्षीय पुत्र अजीत कुमार के रूप में हुई है। मिली जानकारी के मुताबिक अजीत कुमार बाईक से अपने घर शाहपुर जा रहा था वह जैसे ही भीरहा चिमनी के पास पहुंचा कि एक तेज रफ्तार वाहन ने जबरदस्त ठोकर मारते हुए फरार हो गया। स्थानीय लोगों के मदद से घायल बाईक सवार को रोसड़ा अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया परंतु वहां के डॉक्टर ने बाईक सवार को मृत घोषित कर दिया। इधर जानकारी मिलने पर रोसड़ा थाना के पीएसआई विजय शंकर उपाध्याय एवं एएसआई जितेंद्र कुमार महतो मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया।

बीडीओ रूखसार की अध्यक्षता में हुए चुनाव में पंचायत के 15 वार्ड सदस्यों में 13 सदस्यों ने चुनाव में भाग लिया।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केवटी (दरभंगा) :- लहवार पंचायत के उपमुखिया पद के लिए हसीब अहमद खां को निर्विरोध चून लिया गया। केवटी प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार भवन में बीडीओ रूखसार की अध्यक्षता में हुए चुनाव में पंचायत के 15 वार्ड सदस्यों में 13 सदस्यों ने चुनाव में भाग लिया। जिसमें उप मुखिया पद के लिए हबीब अहमद खां एक मात्र उम्मीदवार थे। जिसे सभी सदस्यों ने सर्व सम्मति से उनके नाम का प्रस्ताव पारित कर दिया। इस मौके पर प्रतिनियुक्त प्रेक्षक आपदा प्रबंधन के एडीएम सलीम अख्तर ने उप मुखिया हसीब अहमद खां को प्रमाण-पत्र सौंपा। इस मौके पर वहां के मुखिया तमन्ना नदाफ आदि मौजूद थे।

गुलाब की खेती

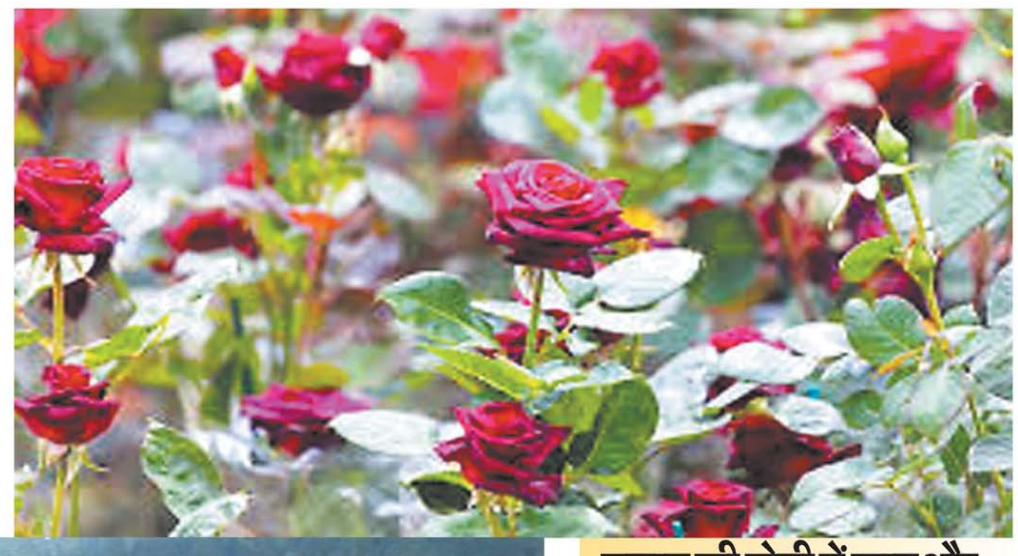

भूमिका

गुलाब अपनी उपयोगिताओं के कारण सभी पुष्पों में महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। आमतौर पर गुलाब का पौधा ऊंचाई में 4-6फुट का होता है। तने में असमान कांटे लगे होते हैं। गुलाब की 5 पत्तियां मिली हुई होती है। बहुत मात्रा में मिलने वाला गुलाब का फूल गुलाबी रंग का होता है। गुलाब का फल अंडाकार होता है। इसका तना कांटेदार, पत्तियां बारी-बारी से घेरे में होती है। पत्तियों के किनारे दांतेदार होती है। फल मांसल बेरी की तरह होता है जिसे 'रोज हिप' कहते हैं। गुलाब का पुष्पवृन्त कोरिम्बोस, पेनीकुलेट या सोलिटरी होता है।

गुलाब एक भारतीय पुष्प है। पूरे भारत में गुलाब के पौधे पाए जाते हैं। गुलाब का वैज्ञानिक नाम रोजा हाइब्रिडा है। देशी गुलाब लाल रंग का होता है। परन्तु कलम करके कई रंगो के गुलाब उगाए जाते हैं। गुलाब एक ऐसा फूल है, जिसके बारे में सब जानते हैं। गुलाब का फूल दिखने में जितना अधिक सुन्दर होता है। उससे कहीं ज़्यादा उसमें औषधीय गुण होते हैं। यह सबसे पुराना सुगन्धित पुष्प है, जो मनुष्य के द्वारा उगाया जाता था। इसके विभिन्न प्रकार के सुन्दर फूल जो कि आर्कषक, आकृति, विभिन्न आकार, मन को लुभाने वाले रंगों और अपने विभिन्न उपयोगिताओं के कारण एक महत्त्वपूर्ण पुष्प माना जाता है।

गुलाब की उपज भूमि की उर्वरा शक्ति फसल की देखरेख एवं प्रजातियों पर निर्भर करती हैढ्ढ फूलों का गुण हैं खिलना, खिल कर महकना, सुगंध बिखेरना, सौंदर्य देना और अपने देखने वाले को शांति प्रदान करना। फूलों की इस खूबसूरत दुनिया में गुलाब का एक ख़ास स्थान है क्योंकि इसे सौंदर्य, सुगंध और खुशहाली का प्रतीक माना गया है। तभी तो इसे 'पुष्प सम्राट' की संज्ञा दी गयी है और 'गुले-आप', यानी फूलों की रौनक भी कहा गया है। इस की भीनीभीनी मनमोहक सुगंध, सुन्दरता, रंगों की विविध किस्मों के कारण हर प्रकृति प्रेमी इसे अपनाना चाहता है।

भारत में गुलाब हर जगह उगाया जाता है। बागबगीचों, खेतों, पार्कों, सरकारी व निजी इमारतों के अहातों में, यहाँ तक कि घरों की ग्रह-वाटिकाओं की क्यारियों और गमलों में भी गुलाब उगा कर उस का आनंद लिया जाता है। गुलाब पूरे उत्तर भारत में, खासकर राजस्थान में तथा बिहार और मध्य प्रदेश में जनवरी से अप्रैल तक खूब खिलता है। दक्षिण भारत में खासतौर पर बंगलौर में और महारास्ट्र और गुजरात में भी गुलाब की भरपूर खेती होती है।

गुलाब को घर पर गमले में खिड़की की मंजूषा में, रसोई बगीचे की क्यारी में, आँगन में उगाने के लिए पर्याप्त धूप का होना एक आवश्यक शर्त है। गुलाब को दिन में कम से कम छः से आठ घंटे की खुली धूप होना आवश्यक है। गुलाब के पौधों के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त मिट्टी अच्छी होती है। बहुत चिकनी मिट्टी इसके अनुकूल नहीं होती है। मिट्टी का जल निकास और वायुसंचार सुचारु होना चाहिए। भूमि में हल्की नमी बनी रहना चाहिए। गुलाब को विश्वभर में पसंद किया जाता है। इस पर व्यापक अनुसंधान एवं विकास कार्य किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गुलाब प्रेमियों के संगठन हैं, जो नई किस्मों के विकास, परिचिन्हन, मानकीकरण आदि करते हैं। इसके अनुसार पौधों की बनावट, ऊँचाई, फूलों के आकार आदि के आधार पर इन्हें निम्न वर्गों में बाँटा गया है।

गुलाब का व्यवसाय

गुलाब की खेती व्यावसायिक स्तर पर करके काफी लाभ कमाया जा सकता है। गुलाब की खेती बहुत पहले से पूरी दुनिया में की जाती हैढ्ढ इसकी खेती पूरे भारतवर्ष में व्यवसायिक रूप से की जाती हैढ्ढ गुलाब के फूल डाली सहित या कट फ्लावर तथा पंखुड़ी फ्लावर दोनों तरह के बाजार में व्यापारिक रूप से पाये जाते हैढ गलाब की खेती देश व विदेश निर्यात करने के लिए दोनों ही रूप में बहुत महत्वपूर्ण हैढ्ढ गुलाब को कट फ्लावर, गुलाब जल, गुलाब तेल, गुलकंद आदि के लिए उगाया जाता हैढ्ढ गुलाब की खेती मुख्यतः कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्रा, बिहार, पश्चिम बंगाल ,गुजरात, हरियाणा, पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, आंध्रा प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में अधिक की जाती हैढ्ढ

फूल के हाट में गुलाब के गजरे खूब बिकते हैं। गुलाब की पंखुडियों और शक्कर से गुलकन्द बनाया जाता है। गुलाब जल और गुलाब इत्र के कुटीर उद्योग चलते है। उत्तर प्रदेश में कन्नौज, जौनपुर आदि में गुलाब के उत्पाद की उद्योगशाला चलती है। दक्षिण भारत में भी गुलाब के उत्पाद के उद्योग चलते हैं। दक्षिण भारत में गुलाब फूलों का खूब व्यापार होता है। मन्दिरों, मण्डपों, समारोहों, पूजा-स्थलों आदि स्थानों में गुलाब फूलों की भारी खपत होती है। यह अर्थिक लाभ का साधन है। वहाँ हजारों ग्रामीण युवा फूलों को अपनी आय का माध्यम बना लेते हैं।

गुलाब की किस्में

भारत में उगाई जाने वाली गुलाब की परम्परागत किस्में हैं, जो देश के अलगअलग इलाकों में उगाई जाते हैं, विदेशों से भी

अलगअलग किस्में मांगा कर उन का 'संकरण' (2 किस्मों के बीच क्रास) कर के अनेक नई व उन्नत किस्में तैयार की गयी हैं, जो अब अपने देश में बहुत लोकप्रिय हैं।

गुलाब की विदेशी किस्में जर्मनी, जापान, फ्रास, इंग्लैण्ड, अमेरिका, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से मंगाई गयी हैं। भारतीय गुलाब विशेषज्ञों ने देशी किस्मों में भी नयी विकसित 'संकर' (हाईब्रिड) किस्में जोड़ कर गुलाब की किस्मों की संख्या में वृद्धि की है। इस दिशा में दिल्ली स्थित भारती कृषि अनुसंधान संस्थान का अनुसंधान कार्य ख़ास उल्लेखनीय है। दक्षिण भारत में भारतीय बागबानी अनुसंधान संसथान, बंगलौर ने भी किस्मों के विकास और वृद्धि में भरपूर कार्य किया है। मात्र शौक और सजावट के लिये गुलाब का पौधा जब गमले में उगाया जाए तो किस्मों का चुनाव भी उसी के अनुसार किया जाना चाहिए। व्यावसायिक स्तर पर गुलाब की खेती करनी हो तो वैसी ही किस्मों का चयन करें। इस बारे में प्रायः सभी बड़ी नर्सरियों में पूरी जानकारी मिल सकती है। दिल्ली में हों तो भारतीय कृषि अनुसंधान पूसा के पुष्प विज्ञान विभाग से उचित जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

वैसे तो विश्व भर में गुलाब की किस्मों की संख्या लगभग 20 हजार से अधिक है, जिन्हें विशेषज्ञों ने विभिन्न वर्गों में बांटा है लेकिन तक्तीकी तौर पर गुलाब के 5 मुख्य वर्ग हैं, जिन का फूलों के रंग, आकार, सुगंध और प्रयोग के अनुसार विभाजन किया गया है, जो इस प्रकार हैः- हाईब्रिड टीज, फ्लोरीबंडा, पोलिएन्था वर्ग, लता वर्ग और मिनिएचर वर्ग।

हाईब्रिड टीज वर्ग

यह बड़े आकार के गुलाबों का एक महत्वपूर्ण वर्ग है, जिस में टहनी के ऊपर या सिरे पर एक ही फूल खिलता है, इस वर्ग की अधिकतर किस्में यूरोप और छीन के 'टी' गुलाबों के 'संकर' (क्रास) से तैयार की गयी है, इस वर्ग की भारतीय किस्में हैं = डा.होमी भाभा, चितवन, भीम, चित्रलेखा, चंद्रदीकली, गुलजार, मिलिंद, मृणालिनी, रक्तगंधा, सोमा, सुरभी, नूरजहाँ, मदहोश, डा. बैंजमन पाल आदि।

हाइब्रिड टी (एचटी),इस वर्ग के पौधे बड़े, ऊँचे व तेजी से बढ़ने वाले होते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में अर्जुन, जवाहर, रजनी, रक्तगंधा, सिद्धार्थ, सुकन्या आदि हैं। इनके पुष्प शाखा के सिरे पर बड़े आकर्षक लगते हैं। एक शाखा के सिरे पर एक ही फूल आता है।

फ्लोरीबंडा वर्ग

यह हाईब्रिड टीज और पोलिएन्था गुलाबों के संकर (मिलन) से विकसित किये गए गुलाबों का वर्ग है। इस के फूल उपेक्षाकृत छोटे किन्तु गुच्छों में खिलतें हैं और आकार व वजन में बढ़िया होते हैं। इस वर्ग के फूल गृहवाटिका की क्यारियों और गमलों में ज्यादा देखने को मिलते हैं। इस किस्म की विशेषता है कि इन के पौधे कम जगह में ही उगा कर पर्याप्त फ्लोरीबंडा, इसके पौधे मध्यम लंबाई वाले होते हैं, इनमें फूल भी मध्यम आकार के और कई फूल एक साथ एक ही शाखा पर लगते हैं। इनके फूलों में पंखुड़ियों की संख्या हाइब्रिड टी के फूलों की अपेक्षा कम होती हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में बंजारन, आम्रपाली, ज्वाला, रांगोली, सुषमा आदि हैं।

ग्रेन्डीफ्लोरा

यह उपरोक्त दोनों किस्मों के संयोग से तैयार किया गया है। गुलदानों में इस वर्ग के फूलों को अधिक पसंद किया जाता है। बड़े स्तर पर खेती के लिए इस वर्ग का अधिक उपयोग किया जाता है। गोल्ड स्पॉट, मांटेजुआ, क्वीन एलिजाबेथ इस वर्ग की प्रचलित किस्में हैं।

पॉलिएन्था

इस वर्ग के पौधों को घरेलू बगीचों व गमलों में लगाने के लिए पसंद किया जाता है। क्योंकि इनमें मध्यम आकार के फूल अधिक संख्या में साल में अधिक समय तक आते रहते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में स्वाति, इको, अंजनी आदि हैं।

मिनिएचर वर्ग

इस के पौधे, पट्टियां और फूल सभी छोटे होते हैं। पौधे कलामों द्वार उगे जाते हैं। यह गमलों, पतियों आदि में उगाने की उपयुक्त किस्म है। गृहवाटिका की क्यारियों के चारों ओर बार्डर लगाने के लिये भी उपयुक्त है। गुलाब के फूल खिलने का मौसम (अक्टूबर से मार्च) में इस किस्म के गुलाब खूब खिलते हैं। विभिन्न रंगों लगते हैं। इन्हें बड़े शहरों में बंगलों, फ्लैटों आदि में छोटे गमलों में लगाया जाना उपयुक्त रहता है, परंतु धूप की आवश्यकता अन्य गुलाबों के समान छः से आठ घंटे आवश्यक है। इस वर्ग की प्रमुख किस्में ड्वार्फ किंग, बेबी डार्लिंग, क्रीकी, रोज मेरिन, सिल्वर टिप्स आदि हैं।

लता वर्ग (क्लैग्बिंग एंड रैंबलिंग रोज)

इस वर्ग के गुलाब के पौधे लताओं के रोप में बढ़ते हैं और पैराबोला पर या दीवार का सहारा पा कर बढ़ते हैं। ये साल में केवल एक बार खिलते हैं।

ये गुलाब की बेल (लता) वाली किस्में हैं। इन्हें मेहराब या अन्य किसी सहारे के साथ चढ़ाया जा सकता है। इनमें फूल एक से तीन (क्लाइंबर) व गुच्छों (रेम्बलर) में लगते हैं। इस की मुख्य किस्में है सदाबहार, समर स्नो, डा.होमी भाभा, मार्शल नील, दिल्ली वाईट पर्ल आदि।

क्लाइंबर वर्ग की प्रचलित किस्में गोल्डन शावर, कॉकटेल, रायल गोल्ड और रेम्बलर वर्ग की एलवटाइन, एक्सेलसा, डोराथी पार्किंस आदि हैं।

गुलाब में जितने रंगों के फूल देखने को मिलते हैं उतने शायद किसी दूसरे फूल में नहीं। यदि सफ़ेद गुलाब हैं तो पीले, लाल, नारंगीलाल, रक्तलाल, गुलाबी लेवेंडर रंग के दोरंगे, तींरगे और यहाँ तक कि अब तो नीले और काले रंग के गुलाब भी पाए जाते है।

गुलाब की खेती के लिए जलवायु और भूमि

गुलाब की खेती उत्तर एवं दक्षिण भारत के मैदानी एवं पहाड़ी क्षेत्रों में जाड़े के दिनों में की जाती हैढ्ढ दिन का तापमान 25 से 30 डिग्री सेंटीग्रेट तथा रात का तापमान 12 से 14 डिग्री सेंटीग्रेट उत्तम माना जाता हैढ्ढ गुलाब की खेती हेतु दोमट मिट्टी तथा अधिक कार्बनिक पदार्थ वाली होनी चाहिएढ्ढ जिसका पी.एच. मान 5.3 से 6.5 तक उपयुक्त माना जाता है।

गुलाब की उन्नतशील प्रजातियां

गुलाब की लगभग 6 प्रकार की प्रजातियां पाई जाती है प्रथम संकर प्रजातियां जिसमे कि क्रिमसन ग्लोरी, मिस्टर लिंकन, लवजान, अफकैनेडी, जवाहर, प्रसिडेंट, राधाकृष्णन, फर्स्ट लव , पूजा, सोनिया, गंगा, टाटा सैंटानरी, आर्किड, सुपर स्टार, अमेरिकन हेरिटेज आदि हैढ्ढ दूसरे प्रकार कि पॉलीएन्था इसमे अंजनी, रश्मी, नर्तकी, प्रीत एवं स्वाती आदिढ्ढ तीसरे प्रकार कि फ् लोरीबण्डा जैसी कि बंजारन, देहली प्रिंसेज, डिम्पल, चन्द्रमा, सदाबहार, सोनोरा, नीलाम्बरी, करिश्मा सूर्यकिरण आदिढ्ढ चौथे प्रकार कि गैंडीफलोरा इसमे क्रोंस, मांटेजुमा आदिढ्ढ पांचवे प्रकार कि मिनीपेचर ब्यूटी क्रिकेट, रेड फ्लस, पुसकला, बेबीगोल्ड स्टार, सिल्वर टिप्स आदि और अंत में छठवे प्रकार कि लता गुलाब इसमे काक्लेट, ब्लैक बॉय, लैंड मार्क, पिंक मेराडोन, मेरीकलनील आदि पाई जाती है।

गुलाब के खेतों की तैयारी

सुंदरता की दृष्टि से औपचारिक लेआउट करके खेत को क्यारियों में बाँट लेते हैं क्यारियों की लम्बाई चौड़ाई 5 मीटर लम्बी 2 मीटर चौड़ी रखते हैढ्ढ दो क्यारियों के बीच में आधा मीटर स्थान छोड़ना चाहिएढ्ढ क्यारियों को अप्रैल मई में एक मीटर की गुड़ाई एक मीटर की गहराई तक खोदे और 15 से 20 दिन तक खुला छोड़ देना चाहिएढ्ढ क्यारियों में 30 सेंटीमीटर तक सूखी पत्तियो को डालकर खोदी गयी मिट्टी से क्यारियों को बंद कर देना चाहिए साथ ही गोबर की सड़ी खाद एक महीने पहले क्यारी में डालना चाहिए इसके बाद क्यारियों को पानी से भर देना चाहिए साथ ही दीमक के बचाव के लिए फ़ालीडाल पाउडर या कार्बोफ्यूरान 3 जी. का प्रयोग करेढ्ढ लगभग 10 से 15 दिन बाद ओठ आने पर इन्ही क्यारियों में कतार बनाते हुए पौधे व् लाइन से लाइन की दूरी 30 गुने 60 सेंटीमीटर रखी जाती हैढ्ढ इस दूरी पर पौधे लगाने पर फूलों की डंडी लम्बी व् कटाई करने में आसानी रहती है।

गुलाब की खेती के लिए आवश्यक सावधानियां

बरसात के मौसम में गमलों और क्यारियों में बहुत देर तक पानी भरा न रहने दें।

हर साल, पौधों की छंटाई कर, गमले के ऊपर की 2-3 इंच मिट्टी निकाल कर उस में उतनी ही गोबर की सड़ी खाद भर दें।

हर 2-3 साल के बाद सम्पूर्ण पौधे को मिट्टी सहित नए गमले में ट्रांसफर कर दें। चाहें तो गमले की मिट्टी बदल कर ताजा मिश्रण भरें।

यह प्रक्रिया सितम्बर-अक्टूबर में करें।

गुलाब की खेती में खाद और उर्वरकों की आवश्यकता

उत्तम कोटि के फूलों की पैदावार लेने के हेतु प्रूनिंग के बाद प्रति पौधा 10 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद मिट्टी में मिलाकर सिंचाई करनी चाहिएढ्ढ खाद देने के एक सप्ताह बाद जब नई कोपल फूटने लगे तो 200 ग्राम नीम की खली 100 ग्राम हड्डी का चूरा तथा रासायनिक खाद का मिश्रण 50 ग्राम प्रति पौधा देना चाहिएढ्ढ मिश्रण का अनुपात एक अनुपात दो अनुपात एक मतलब यूरिया, सुपर फास्फेट, पोटाश का होना चाहिए।

गुलाब की देखभाल

गुलाब के लिए सिंचाई का प्रबंधन उत्तम होना चाहिएढ्ढ आवश्यकतानुसार गर्मी में 5 से 7 दिनों के बाद तथा सर्दी में 10 से 12 दिनों के बाद सिंचाई करते रहना चाहिए। उत्तर प्रदेश के मैदानी भागो में कटाई-छटाई हेतु अक्टूबर का दूसरा सप्ताह सर्वोत्तम होता है लेकिन उस समय वर्षा नहीं होनी चाहिएढ्ढ पौधे में तीन से पांच मुख्य टहनियों को 30 से 40 सेंटीमीटर रखकर कटाई की जाती हैढ्ढ यह ध्यान रखना चाहिए कि जहाँ आँख हो वहाँ से 5 सेंटीमीटर ऊपर से कटाई करनी चाहिएढ्ढ कटे हुए भाग को कवकनाशी दवाओ से जैसे कि कापर आक्सीक्लोराइड, कार्बेन्डाजिम, ब्रोडोमिश्रण या चौबटिया पेस्ट का लेप लगना आवश्यक होता हैढ्ढ

गमलों के लिये मिट्टी का मिश्रण कुछ इस तरह से रखें। 2 भाग खेत की मिटटी, एक भाग खूब सड़ी गोबर की खाद, एक भाग में सूखी हरी पत्ते की खाद (लीफ मॉल्ड) और लकड़ी का बुरादा मिला लें। सम्भव हो तो कुछ मात्रा में हड्डी का चुरा भी मिला लें। इस से पौधों और जड़ों का अच्छा विकास होता है।

याद रहे कि गमलों में पौधों का रखरखाव वैसा ही हो, जैसी कि क्यारियों में होता है, उन की उचित निराईगुडाई में होता है। मसलन, पौधों को पूरी खुराक मिले, उन की उचित निराईगुडाई और सिंचाई हो, कीट व्याधियों से बचाव हो, गमलों के पौधों को मौसम के अनुसार समय-समय पर पानी दिया जाए और उन की कटाईछंटाई भी की जाए। सप्ताह में एक बार गमलों की दिशा भी अवश्य बदलें और उन के तले से पानी निकलने का चित्र भी उचित रूप से खुला रखें। गुलाब में माहू, दीमक एवं सल्क कीट लगते हैढ्ढ माहू तथा सल्क कीट के दिखाई देने पर तुरंत डाई मिथोएट 1.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में या मोनोक्रोटोफास 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर 2 -3 छिड़काव करना चाहिएढ्ढ दीमक के नियंत्रण हेतु सिंचाई करनी चाहिए तथा फोरेट 10 जी. 3 से 4 ग्राम या फ़ालीडाल 2त्न धुल 10 से 15 ग्राम प्रति पौधा गुड़ाई करके भूमि में अच्छी तरह मिला देना चाहिए।

गुलाब के फूलों की कटाई

सफ़ेद, लाल, गुलाबी रंग के फूलों की अध् खुली पंखुड़ियों में जब ऊपर की पंखुड़ी नीचे की ओर मुड़ना शुरू हो जायें तब फूल काटना चाहिएढ्ढ फूलों को काटते समय एक या दो पत्तियां टहनी पर छोड़ देना चाहिए जिससे पौधों की वहाँ से बढ़वार होने में कोइ परेशानी न हो सकेढ्ढ फूलों की कटाई करते समय किसी बर्तन में पानी साथ में रखना चाहिए जिससे फूलों को काटकर पानी तुरंत रखा जा सकेढ्ढ बर्तन में पानी कम से कम 10 सेंटीमीटर गहरा अवश्य होना चाहिए जिससे फूलों की डंडी पानी में डूबी रहे पानी में प्रिजर्वेटिव भी मिलाते हैढ्ढ फूलों को कम से कम 3 घंटे पानी में रखने के बाद ग्रेडिंग के लिए निकालना चाहिएढ्ढ यदि ग्रेडिंग देर से करनी हो तो फूलों को 1 से 3 डिग्रीसेंटीग्रेट तापक्रम पर कोल्ड स्टोरेज रखना चाहिए जिससे कि फूलों की गुणवत्ता अच्छी रह सके

गुलाब के पौधे गृहवाटिका में मिटटी के गमलों में आसानी से उगे जा सकते हैं, जो कम से कम 30 सेंटीमीटर घेरे के और उतने ही गहरे हों। मिनिएचर गुलाब के लिये 20 से 25 सेंटीमीटर आकार के गमले पर्याप्त हैं। गमलों को स्वच्छ वातावरण में रखा जाए। जैसे ही नयी कोपलें और शाखाएं अंकुरित होने लगें, उन्हें ही सूरज की रोशनी में रखें। दिन भर इन्हें 4-5 घंटे धूप अवश्य मिलनी चाहिए। हाँ, गरमी की कड़कती धूप में 1-2 घंटे ही पर्याप्त हैं।

जब जहाँ भी चारों ओर गुलाब खिलता है तो सब ओर इस की सुरभि व्याप्त हो जाती है। फरवरी-मार्च में गुलाब अपने पूर्ण यौवन और बहार पर होता है। आओ, इसे अपनी गृहवाटिका में उगायें और इस के सौंदर्य और महक का आनंद लें।

गुलाब की खेती करने के लिए पौध तैयार करना

आमतौर पर जुलाई-अगस्त में मानसून आते ही गुलाब लगाया जाता है। सितम्बर-अक्टूबर में तो यह भरपूर उगाया जाता है। गुलाब लगाने की सम्पूर्ण विधि और प्रक्रिया अपनाई जाए तो यह फूल मार्च तक अपने सौंदर्य, सुगंध और रंगों से न केवल हमें सम्मोहित करता है बल्कि लाभ भी देता है। जंगली गुलाब के ऊपर टी बडिंग द्वारा इसकी पौध तैयार होती हैढ्ढ जंगली गुलाब की कलम जून-जुलाई में क्यारियों में लगभग 15 सेंटीमीटर की दूरी पर लगा दी जाती हैढ्ढ नवम्बर से दिसंबर तक इन कलम में टहनियां निकल आती है इन पर से कांटे चाकू से अलग कर दिए जाते हैढ्ढ जनवरी में अच्छे किस्म के गुलाब से टहनी लेकर टी आकार कालिका निकालकर कर जंगली गुलाब की ऊपर टी में लगाकर पालीथीन से कसकर बाँध देते हैढ्ढ ज्यो-ज्यो तापमान बढता है तभी इनमे टहनी निकल आती हैढ्ढ जुलाई अगस्त में रोपाई के लिए पौध तैयार हो जाती है। पौधशाला से सावधानीपूर्वक पौध खोदकर सितम्बर-अक्टूबर तक उत्तर भारत में पौध की रोपाई करनी चाहिएढ्ढ रोपाई करते समय ध्यान दे कि पिंडी से घास फूस हटाकर भूमि की सतह से 15 सेंटीमीटर की ऊंचाई पर पौधों की रोपाई करनी चाहिएढ्ढ पौध लगाने के बाद तुरंत सिंचाई कर देना चाहिए।

आर्थिक चुनौतियों और प्रौद्योगिकी बदलावों को देखते हुए नौकरियां सबसे बड़ी वैश्विक समस्या: सीतारमण

- विश्व बैंक से रोजगार सृजन करने वाले उच्च प्राथमिकता के कौशल क्षेत्रों की पहचान करने के लिए देशों के साथ सहयोग करने का आह्वान किया

वाशिंगटन ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रोजगार सृजन को सबसे बड़ा वैश्विक मुद्दा बताते हुए, विश्व बैंक से रोजगार सृजन करने वाले उच्च प्राथमिकता के कौशल क्षेत्रों की पहचान करने के लिए देशों के साथ सहयोग करने का आह्वान किया।

वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने आधिकारिक खाते पर जानकारी दी। सीतारमण ने इस बात पर जोर दिया कि निरंतर आर्थिक चुनौतियों और तेजी से हो रहे प्रौद्योगिकी बदलावों को देखते हुए नौकरियां सबसे बड़ी वैश्विक समस्या बनी हैं, जो युवाओं के लिए नौकरी बाजार में प्रवेश करने के वास्ते आवश्यक कौशल को पुनर्परिभाषित कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि विश्व बैंक ने इससे पहले क्षेत्रीय रुझानों तथा रोजगार पर उनके संभावित प्रभाव पर कई अध्ययन किए हैं। इनमें 'हरित नौकरियां', कृत्रिम मेधा के चलन में आने के बाद नौकरियां और बदलती जनसांख्यिकी के कारण बदलाव जैसे क्षेत्र आदि विषयों पर अध्ययन किए गए। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समय की मांग है कि अधिक व्यापक, बहु-क्षेत्रीय विश्लेषण किया जाए। इसमें इस बात पर गौर किया जाए कि उभरते रुझान किस प्रकार परस्पर क्रिया करते हैं और कैसे नौकरी छूटने तथा नौकरी सृजन दोनों को प्रभावित करते हैं।

वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में विश्व बैंक से आग्रह किया कि वह डेटा, विश्लेषण तथा ज्ञान कार्य के आधार पर उच्च प्राथमिकता वाले कौशल क्षेत्रों की पहचान करने में देशों के साथ सहयोग करे, जिसमें रोजगार सृजन, कौशल मिलान और श्रम बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया जाए। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों में हिस्सा लेने के लिए वर्तमान में अमेरिकी राजधानी में मौजूद सीतारमण ने ब्रिटेन की चांसलर ऑफ एक्सचेकर रेचल रीव्स के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की।

चाय की चुस्कियां के साथ तेल-साबुन भी होगा महंगा

कीमत बढ़ाने की तैयारी में हिंदुस्तान यूनिलीवर

नई दिल्ली ।

सुबह की चाय की चुस्कियां अब जल्द ही महंगी होने वाली हैं। देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर अपने कुछ उत्पादों की खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी के कमोडिटी बास्केट में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाले कच्चे पाम ऑयल और चाय में महंगाई देखी जा रही है। जानकारी के मुताबिक उच्च कमोडिटी महंगाई से जूझ रही देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी कुछ राहत के लिए पाम आयल और चाय से बनने वाले उत्पादों की रिटेल कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती है। हाल ही में हुई पोस्ट-अर्निंग्स प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा कि दिसंबर तिमाही में त्वचा की सफाई वाले प्रोडक्ट और चाय की कीमतें क्रमबद्ध तरीके से बढ़ाई जाएंगी। इनमें से कुछ मूल्यवृद्धि पहले से ही बाजार में लागू हो चुकी हैं और शेष तिमाही के बाकी हिस्सों में लागू होंगी। लंबे समय तक स्थिर रहने के बाद, कच्चे पाम ऑयल और चाय की कीमतों में क्रमशः 10 और 25 फीसदी साल-दर-साल महंगाई दर्ज की गई है। अधिकारी ने यह भी बताया कि तीसरी तिमाही में मूल्य वृद्धि, मात्रा वृद्धि से अधिक रहने की संभावना है. सितंबर तिमाही के दौरान एचयूएल का मुनाफा 2,717 करोड़ रुपये से घटकर 2,612 करोड़ रुपये हो गया, जो कि लगभग 4 फीसदी की गिरावट है। हालांकि, कंपनी की कुल बिक्री दूसरी तिमाही में 15,319 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जो सालाना आधार पर 1.9 फीसदी की मामूली वृद्धि है। शहरी बाजारों में धीमी खपत ने कुल वृद्धि को प्रभावित किया, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार सुधार देखने को मिला। एचयूएल ने दूसरी तिमाही में 3 फीसदी की अंतर्निहित मात्रा वृद्धि और 2 फीसदी की अंतर्निहित बिक्री वृद्धि दर्ज की।

आईपीईएफ सदस्य देशों के बीच कारोबार पर चर्चा को लेकर भारत की नजर: अधिकारी

- सदस्य देश अलग-अलग समझौतों पर हस्ताक्षर करने के लिए कर रहे हैं बातचीत

नई दिल्ली।

भारत तेरह सदस्यीय आईपीईएफ देशों की व्यापार वार्ता पर नजर रखे हुए है। एक अधिकारी ने यह बात कही। भारत को अभी औपचारिक रूप से इसमें शामिल होना बाकी है। आईपीईएफ को 23 मई को टोक्यो में अमेरिका और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के अन्य भागीदार देशों ने संयुक्त रूप से गठन किया था। 14 आईपीईएफ भागीदारों की वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 40 प्रतिशत और वैश्विक वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार में 28 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

व्यापार, आपूर्ति व्यवस्था, स्वच्छ अर्थव्यवस्था और निष्पक्ष अर्थव्यवस्था से संबंधित चार स्तंभों के इर्द-गिर्द रूपरेखा को तैयार किया गया है। भारत व्यापार भाग को छोड़कर तीन खंडों में शामिल हो गया है। सदस्य देश इन विषयों पर अलग-अलग समझौतों पर हस्ताक्षर करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। आपूर्ति श्रृंखला, स्वच्छ अर्थव्यवस्था और निष्पक्ष अर्थव्यवस्था (कर और भ्रष्टाचार विरोधी जैसे मुद्दे) पर समझौते पर 14 सदस्य देश पहले ही हस्ताक्षर कर चुके हैं। अधिकारी ने कहा, हम अंतिम नतीजों का इंतजार कर रहे हैं क्योंकि स्पष्ट बाजार पहुंच प्रावधानों के बिना व्यापार खंड में बाध्यकारी प्रतिबद्धताएं हैं। कई क्षेत्रों में विवाद का निपटारा होने जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई दारुस्सलाम, फिजी, भारत, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलिपीन, सिंगापुर, थाइलैंड, अमेरिका और वियतनाम इसके सदस्य हैं। भारत का पहले से ही आसियान के साथ वस्तु व्यापार में मुक्त व्यापार समझौता है। इसके सदस्यों में सातज ब्रुनेई दारुस्सलाम, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलिपीन, सिंगापुर, वियतनाम और थाइलैंडज्आईपीईएफ देश शामिल हैं। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया, जापान और दक्षिण कोरिया के साथ इस प्रकार का समझौता है। ऐसे में भारत को व्यापार खंड में शामिल होने से संभवतः ज्यादा लाभ नहीं होगा। तेरह आईपीईएफ सदस्यों के बीच बातचीत अभी खत्म नहीं हुई है और प्रमुख मुद्दों पर भागीदार देशों के बीच मतभेद हैं।

पेट्रोल-डीजल हुआ महंगा, कई राज्यों में बढ़े भाव

- तेल कंपनियों ने जारी की पेट्रोल-डीजल की नई दरें

नई दिल्ली।

भारतीय ऑयल मार्केटिंग कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के आधार पर कीमतों की समीक्षा के बाद रोज पेट्रोल और डीजल के दाम तय करती हैं। वहीं यूपी हो या दिल्ली, सब जगह पेट्रोल डीजल के भाव अलग होते हैं। ऐसे ही तेल कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। जिसके मुताबिक देश के कुछ शहरों में पेट्रोल और डीजल सस्ता हो गया है, जबकि कई शहरों में इनकी कीमतें बढ़ गई हैं। तो वही कुछ ऐसे राज्य भी जहां पेट्रोल-डीजल के कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वहीं अगर राज्य स्तर पर पेट्रोल-डीजल के भाव की बात करें तो शुक्रवार को बिहार में पेट्रोल 14 पैसे बढ़कर 107.31 रुपये प्रति लीटर और डीजल 13 पैसे बढ़कर 94.02 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। यूपी में पेट्रोल 30 पैसे बढ़कर 94.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल 34 पैसे बढ़कर 87.87 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। जबकि, महाराष्ट्र में पेट्रोल के दाम 25 पैसे घटकर 107.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल 54 पैसे घटकर 90.96 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये

और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल 100.98 रुपये और डीजल 92.56 रुपये प्रति लीटर है।

एफएसएनएल की बिक्री के लिए जापानी कंपनी के साथ समझौता संपन्न

- सरकार को एफएसएनएल की बिक्री के लिए दो तकनीकी रूप से योग्य वित्तीय बोलियां मिली थीं

नई दिल्ली । एमएसटीसी ने फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल) के रणनीतिक विनिवेश के लिए कोनोइक ट्रांसपोर्ट कंपनी लिमिटेड के साथ शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए। पिछले महीने सरकार ने एफएसएनएल को 320 करोड़ रुपये में जापानी कंपनी कोनोइक ट्रांसपोर्ट के हाथों बेचने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के एक अ धिकारी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि एफएसएनएल के रणनीतिक विनिवेश के लिए एमएसटीसी लिमिटेड ने कोनोइक ट्रांसपोर्ट कंपनी लिमिटेड के साथ शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह लेनदेन अब अंतिम चरण में है। इस्पात मंत्रालय के तहत संचालित एफएसएनएल, एमएसटीसी लिमिटेड के 100 प्रतिशत स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। सरकार को एफएसएनएल की बिक्री के लिए दो तकनीकी रूप से योग्य वित्तीय बोलियां मिली थीं। दूसरी बोली इंडिक जियो रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड की थी। कोनोइक की तरफ से लगाई गई 320 करोड़ रुपये की बोली सरकार द्वारा निर्धारित 262 करोड़ रुपये के आरक्षित मूल्य से अधिक थी। कोनोइक ट्रांसपोर्ट, टोक्यो स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कंपनी है। फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड को इस्पात मिल सेवाएं देने के लिए 28 मार्च, 1979 को गठित किया गया था।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.08 पर बंद हुआ रुपया

मुंबई । रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.08 पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.07 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद एक पैसे की गिरावट के साथ 84.07 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के बराबर है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.07 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 104.20 पर रहा।

बंधन बैंक का कुल कारोबार 24% बढ़कर 2.73 लाख करोड़ पर पहुंचा

रांची: बंधन बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के लिए अपने वित्तीय नतीजों की घोषणा की है। बैंक का कुल कारोबार 24% बढ़कर 2.73 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कुल जमा में खुदरा हिस्सेदारी अब लगभग 68% है। पिछली तिमाही में देखी गई उत्साहजनक वृद्धि वितरण, व्यावसायिक दक्षता और अनुकूल परिचालन वातावरण में इसके विस्तार से प्रेरित है।

बैंक अब भारत में 6,300 बैंकिंग आउटलेट्स के माध्यम से 3.5 करोड़ से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है। बंधन बैंक में कार्यरत कर्मचारियों की कुल संख्या अब लगभग 80,000 है।

वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही के दौरान बैंक की जमाराशि में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 27% की वृद्धि हुई है। कुल जमाराशि अब 1.43 लाख करोड़ रुपये हो गई है, जबकि कुल अग्रिम राशि 1.31 लाख करोड़ रुपये है। चालू खाता और बचत खाता (सीएएसए) अनुपात कुल जमाराशि का 33.2% है। बैंक की स्थिरता का सूचक पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) 15.6% है, जो विनियामक आवश्यकता से अधिक है।

बैंक के प्रदर्शन पर बोलते हुए, एमडी और सीईओ (अंतरिम) रतन कुमार केश ने कहा, ₹दूसरी तिमाही में बंधन बैंक का मजबूत प्रदर्शन प्रभावी जोखिम प्रबंधन और अनुपालन पर हमारे फोकस के साथ गुणवत्ता वृद्धि में गति को दशार्ता है।

कुल जमा राशि वर्ष दर वर्ष 27% बढ़कर 1.43 लाख करोड़ रुपये हुई

कुल जमा में खुदरा का हिस्सा लगभग 68 प्रतिशत

सीएएसए (उअरअ) अनुपात 33.2%

कुल लोन बुक 21% वार्षिक वृद्धि के साथ 1.31 लाख करोड़ रुपये पर पहुंची

हमारी सफलता हमारे ग्राहकों के विश्वास और हमारे कर्मचारियों के समर्पण पर आधारित है। प्रौद्योगिकी में नवाचार पर ध्यान केंद्रित करके, हमारी प्रक्रियाओं को परिष्कृत कर-के, और उत्पादों व लोगों की क्षमताओं को बढ़ाकर, हम बंधन बैंक 2.0 के लिए विकास के अगले चरण को आगे बढ़ाने के लिए अच्छी स्थिति में हैं।₹

बैंक अपनी परिसंपत्तियों में विविधता लाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसका स्पष्ट ध्यान अपने खुदरा पोर्टफोलियो के विस्तार पर है। अधिक से अधिक डिजिटलीकरण एक प्रमुख प्राथमिकता है, जिसका उद्देश्य उत्पादकता और दक्षता को बढ़ावा देना है, साथ ही समग्र ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाना है। हाल के महीनों में, बैंक ने कई नए उत्पाद लॉन्च किए हैं, जिनमें व्यापार सेवाएं, पेंशन योजनाएं, अवनी बचत खाता और जीएसटी भुगतान सेवा शामिल हैं।

टीवी कलाकारों ने बताई दिवाली की अपनी अनोखी परंपराएं

मुंबई : दिवाली करीब है और सभी इस त्योहार को मनाने के लिए बहुत उत्साहित हैं। लोग जोर-शोर से तैयारियाँ कर रहे हैं, जैसे कि घर की सफाई, खरीदारी की लिस्ट बनाना, मेन्यू तय करना, और नए कपड़े खरीदना। कई लोग अपने परिवार के साथ त्योहार मनाने के लिए अपने होमटाउन जाने की भी योजना बना रहे हैं। हर कोई पूरे जोश में है।

एण्डटीवी के कलाकार भी अपने खास दिवाली प्लान्स शेयर कर रहे हैं। इन कलाकारों में शामिल हैं: नेहा जोशी, योगेश त्रिपाठी और रोहिताश्व गौड़। शो अटल की नेहा जोशी ने कहा, दिवाली की मेरे दिल में हमेशा से एक खास जगह रही है। हम घर पर काफी पहले से इसकी तैयारियाँ शुरू कर देते हैं और सब-कुछ हमारी महाराष्ट्रियन परंपराओं के मुताबिक होता है।

हप्पू की उलटन पलटन के योगेश त्रिपाठी ने कहा, दिवाली बेहद खास मौका होता है और हर साल उससे मिलने वाली खुशी का मुझे इंतजार रहता है। इसके लिये हमारी तैयारियाँ जल्दी शुरू हो जाती हैं।भाबीजी घर पर हैंह्य के रोहिताश्व गौड़ ने कहा, हर साल मेरे लिये सबसे महत्वपूर्ण रिवाजों में से एक होता है अपने परिवार के साथ लक्ष्मी पूजा करना। यह एक पवित्र अवसर होता है, जब हम साथ मिलकर प्रार्थना करते हैं और स्वास्थ्य, समृद्धि तथा प्रसन्नता के लिये आशीर्वाद मांगते हैं।

लाल निशान से नहीं उबरा बाजार.....

लगातार पांचवें दिन गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में गिरावट थम नहीं रही है। विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बीच शेयर बाजार में कारोबारी सप्ताह के अंतिम दिन शुक्रवार को गिरावट दिखाई दी। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को बढ़त के साथ खुला। हालांकि, थोड़ी ही देर बाद बाजार लाल रंग में फिसल गया । अंत में सेंसेक्स 662.87 अंक की गिरावट लेकर 79,402.29 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 (निफ़्टी-50) भी 218.60 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 24,180.80 अंक पर बंद हुआ।

शुक्रवार को बाजार में सेंसेक्स की 30 कंपनियों में इंडसइंड बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 18.56 प्रतिशत लुढ़क कर बंद हुआ। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, एलएंड टी, एनटीपीस, अदाणी पोर्ट, टाटा स्टील, मारुति, टाइटन, बजाज फाइनेंस, एसबीआई और टाटा मोटर्स के शेयर प्रमुख रूप से लाल निशान पर बंद हुए । जबकि दूसरी तरफ, बाजार में गिरावट के बावजूद आईटीसी का शेयर 2.17 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ । इसके साथ ही एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, सनफार्मा, कोटक बैंक, एचसीएल टेक, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक और नेस्ले इंडिया के शेयर हरे निशान में बंद हुए।

बीते एक माह में 5,767 अंक गिरा सेंसेक्स

पिछले एक महीने में बीएसई सेंसेक्स में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। 25 सितंबर, 2024 को सेंसेक्स 85,169.87 अंक के स्तर पर था और शुक्रवार को यह 79,402.29 पर बंद हुआ । तब से अब तक सेंसेक्स 6.77 प्रतिशत गिर चुका है। वहीं, पिछले एक सप्ताह में सेंसेक्स 1,626.89 अंक गिरा है। पिछले पांच ट्रेडिंग

सेशन में बीएसई सेंसेक्स 2.01 प्रतिशत गिर चुका है।

बाजार जानकारों के मुताबिक भारतीय बाजारों में तेज गिरावट का मुख्य कारण विदेशी निवेशकों बिक्री है। इसके अलावा भारतीय कंपनियों, विशेष रूप से कंज्यूमर से जुड़े क्षेत्रों और वित्तीय कंपनियों के निराशाजनक तिमाही नतीजों से भी बाजार में गिरावट दिख रही है।

बैंकिंग सेक्टर लाल निशाने में

बैंकिंग सेक्टर के शेयरों, खासकर सरकारी बैंकों में शुक्रवार को बड़ी गिरावट दिखाई दी। निफ्टी बैंक इंडेक्स 2.1 प्रतिशत गिरकर 50,440.6 के स्तर तक पहुंच गया । इस गिरावट की मुख्य वजह इंडसइंड बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयरों में दबाव रहा ।

इंडसइंड बैंक के शेयरों में 20 प्रतिशत तक की भारी गिरावट आई, जबकि अन्य बैंकिंग शेयरों में 4 से 6 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, फेडरल बैंक, एसबीआई और बैंक ऑफ बड़ौदा के शेयरों में भी 2.6 प्रतिशत तक की गिरावट आई।

एसबीआई रिपोर्ट: टैक्स सरलीकरण से आईटीआर दाखिल करने की संख्या बढ़ी है

रांची/बिभा : टैक्स सरलीकरण उपायों से आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की संख्या में वृद्धि हुई है, जो आकलन वर्ष (एवाई) 2015 से एवाई 2024 तक आय वितरण में सकारात्मक बदलाव को रेखांकित करता है। उल्लेखनीय रूप से, 5 लाख रुपये तक कमाने वालों के बीच आय-असमानता में 74.2प्रतिशत की कमी दर्ज की गयी है, जिससे पता चलता है कि सरकारी पहल निम्न-आय समूहों के बीच आय को प्रभावी रूप से बढ़ा रही है।

प्रत्यक्ष कर योगदान 14 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचा : भारत की प्रगतिशील कर व्यवस्था ने आकलन वर्ष (एवाई) 2024 में प्रत्यक्ष कर योगदान को कुल कर राजस्व का 56.7प्रतिशत तक बढ़ा दिया है, जो 14 वर्षों में सबसे अधिक है। वित्त वर्ष 2021 से, व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) संग्रह ने कॉर्पोरेट आयकर (सीआईटी) को पीछे छोड़ दिया है, जिसमें सीआईटी के 2प्रतिशत की तुलना में 6प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है।

जीडीपी अनुपात के रूप में प्रत्यक्ष कर वित्त वर्ष 2024 में, जीडीपी अनुपात के रूप में प्रत्यक्ष कर 6.64प्रतिशत पर पहुंच गया, जो 2000-01 के बाद सबसे अधिक है। प्रत्यक्ष कर उछाल पिछले वित्त वर्ष के 1.25 से बढ़कर 1.86 हो गया। इसके अतिरिक्त, कर संग्रह की लागत वित्त वर्ष 2024 में घटकर 0.44प्रतिशत रह गई, जो वित्त वर्ष 2023 में 0.5प्रतिशत थी।

कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह में पाँच राज्यों का योगदान 70प्रतिशत से अधिक है : कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह में पाँच राज्यों का योगदान 70प्रतिशत से अधिक है, जिसमें महाराष्ट्र 38.9प्रतिशत के साथ सबसे आगे है, इसके बाद कर्नाटक, दिल्ली, तमिलनाडु और गुजरात का स्थान है। महाराष्ट्र, दिल्ली, कर्नाटक और तमिलनाडु का प्रति व्यक्ति कर योगदान राष्ट्रीय औसत से अधिक है।

इसके विपरीत, राजस्थान, पंजाब, बिहार,

पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में प्रति व्यक्ति प्रत्यक्ष कर और प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से कम है।

आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025 में कर दाखिल करने वालों की संख्या 9 करोड़ से अधिक हो जायेगी।

वित्त वर्ष 2024 में दाखिल किए गए आयकर रिटर्न की संख्या वित्त वर्ष 2022 के 7.3 करोड़ से बढ़कर 8.6 करोड़ हो गई, जिसमें से 6.89 करोड़ (79प्रतिशत) आयकर रिटर्न समय पर दाखिल किए गए।

करदाताओं की संख्या : पिछले 10 वर्षों में, करदाताओं की कुल संख्या 2.3 गुना बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 8.62 करोड़ हो गई।

वित्त वर्ष 2014 की तुलना में वित्त वर्ष 2024 में करोड़पति करदाताओं की संख्या पाँच गुनी बढ़कर 2.2 लाख हो गई।

अनुमान बताते हैं कि महिला करदाताओं की संख्या, सभी व्यक्तिगत कर दाखिल करने वालों की संख्या का लगभग 15प्रतिशत है।

राज्यवार आईटीआर : एवाई 2024 में, आईटीआर दाखिल करने वाले शीर्ष पाँच राज्य महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और तमिलनाडु थे, जिनकी कुल रिटर्न में हिस्सेदारी 48प्रतिशत थी।

एवाई 2015 की तुलना में एवाई 2024 में 5.1 करोड़ अधिक आईटीआर दाखिल किए गए, जिसमें महाराष्ट्र में सबसे अधिक वृद्धि हुई, इसके बाद उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और तमिलनाडु का स्थान रहा।

व्यक्तिगत आय असमानता में कमी गिनी गुणांक, व्यक्तिगत आय से असमानता में निरंतर गिरावट को दर्शाता है।

आईटीआर डेटा पर आधारित गुणांक, एवाई 2013 (वित्त वर्ष 2012) के 0.489 से घटकर एवाई 2024 (वित्त वर्ष 2023) में 0.460 हो गया। एवाई 2025 के अनुमानों से पता चलता है कि गिनी गुणांक और भी कम होकर 0.441 रह जाएगा।

निम्न आय वर्ग के करदाताओं के बीच आय में वृद्धि : आय असमानता में कमी आ रही है, एवाई 2015 (वित्त वर्ष 2014) में 4 लाख रुपये से कम आय वाले आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने वालों में से 43.6प्रतिशत उच्च आय समूहों में पहुंच गए हैं। विशेष रूप से, 15.1प्रतिशत करदाता 4-5 लाख रुपये की सीमा में, 18.7प्रतिशत करदाता 5-10 लाख रुपये की सीमा में, 6.7प्रतिशत करदाता 10-20 लाख रुपये की सीमा में और 5.8प्रतिशत करदाता 20-50 लाख रुपये की सीमा में चले गए, जबकि 1.8प्रतिशत करदाता 50 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये के समूह में पहुँच गए।

कुल मिलाकर, निम्नतम आय समूह में सकल आय का 26.1प्रतिशत बढ़ा, जिसमें 5.5प्रतिशत; 4-5 लाख रुपये और 5.4प्रतिशत; 5-10 लाख रुपये तक की सीमा में पहुँच गए।

आय असमानता: एक मिथक का खंडन

आय वितरण वक्र में दाईं ओर बदलाव निम्न आय वर्ग की बढ़ती आय को दर्शाता है। 3.5 लाख रुपये तक की आय अर्जित करने वाले व्यक्तियों की आय में वित्त वर्ष 2014 के 31.8प्रतिशत की तुलना में वित्त वर्ष 2021 में 12.8प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

निम्न आय समूह में सकारात्मक वृद्धि

निम्न आय समूह (5.5 लाख रुपये से कम कमाने वाले) ने पिछले दशक में सकारात्मक वृद्धि दर दिखाई है, अपवाद कोविड-19 महामारी के कारण एवाई 2020।

उभरते राज्यों ने प्रत्यक्ष कर दाखिल करने के आधार में वृद्धि को बढ़ावा दिया महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात और कर्नाटक जैसे पारंपरिक अग्रणी राज्य उच्चतम सीमा के करीब हैं, जिससे कर दाखिल करने वाले के समग्र आधार में उनकी हिस्सेदारी में लगातार कमी आ रही है।

आयकर दाखिल करने वाले आधार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने में उत्तर प्रदेश सबसे आगे है, इसके बाद बिहार, आंध्र प्रदेश, पंजाब और राजस्थान का स्थान है।

महिला श्रमबल भागीदारी बढ़ रही है

आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के अनुसार, महिला श्रमबल भागीदारी 2017-18 के 23.3प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 41.7प्रतिशत हो गई, जिसमें 18.4प्रतिशत की वृद्धि हुई है। महिला भागीदारी में सबसे अधिक वृद्धि झारखंड में देखी गई, उसके बाद ओडिशा, उत्तराखंड, बिहार और गुजरात आते हैं।

कराधान को सरल बनाना: बजट 2024 में प्रमुख सुधार : सीबीडीटी ने आयकर अधिनियम, 1961 की समीक्षा के लिए एक समिति का गठन किया है, जिसमें आम लोगों से सुझाव मांगे गए हैं।समीक्षा में चार क्षेत्रों को लक्षित किया गया है: अधिनियम को सरल बनाना, मुकदमेबाजी को कम करना, अनुपालन को सुव्यवस्थित करना और पुराने प्रावधानों को हटाना।

कराधान और टीडीएस संशोधन के लिए प्रस्ताव : बैंक ब्याज भुगतान पर टीडीएस सीमा को 10,000 रुपये से बढ़ाकर कम से कम 1,00,000 रुपये करना, पुरानी पड़ चुकी सीमा और करदाताओं पर अनुपालन के बोझ का समाधान करना। तिमाही के बजाय टीडीएस प्रमाणपत्र (फॉर्म 16ए) को सालाना जारी करने की अनुमति देना, इसे वेतन के लिए फॉर्म 16 के साथ संरेखित करना, क्योंकि फॉर्म 26एएस का उपयोग मुख्य रूप से ऋण के लिए किया जाता है। 8 लाख रुपये से अधिक कमाने वाले व्यक्तियों के लिए एक समान कर दर, विशेष रूप से 60 से 80 वर्ष की आयु के लोगों को ध्यान में रखते हुए, 80 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए अतिरिक्त प्रावधान।

धर्मनिरपेक्षता पर सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के निहितार्थ

ललित गर्ग

धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की मूल विशेषता बताते हुए कोर्ट ने कहा कि संविधान में वर्णित समानता व बंधुत्व शब्द इसी भावना के आलोक में वर्णित हैं। साथ ही धर्मनिरपेक्षता को भारतीय लोकतंत्र की अपरिहार्य विशेषता बताते हुए कहा कि यह समाज में व्यापक दृष्टि वाली उदार सोच को विकसित करने में सहायक है। जिसके बिना स्वस्थ लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती है। जो राष्ट्रीय एकता का भी आवश्यक अंग है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने दो हालिया फैसलों में धर्मनिरपेक्षता की विस्तृत व्याख्या करते हुए इसे और मजबूती दी है। असल में धर्मनिरपेक्षता को लेकर संविधान-निमार्ताओं का मुख्य उद्देश्य धार्मिक सहिष्णुता, समानता एवं बंधुत्व भाव से था, लेकिन बाद में यह शब्द भ्रामक हो गया और इसने धर्म के अस्तित्व को ही नकार दिया। राजनेताओं ने अपने-अपने हितों को साधने के लिये इस धर्मनिरपेक्षता शब्द के वास्तविक अर्थ एवं भावना को ही धुंधला दिया। सर्वोच्च अदालत ने बीते सोमवार को संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं के बाबत धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की आधारभूत संरचना का हिस्सा बताया और स्पष्ट संकेत दिया है कि धर्मनिरपेक्षता को पश्चिमी देशों से आयातित शब्द के नजरिये से देखने के बजाय भारतीय संविधान की आत्मा के रूप में देखना चाहिए। धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की मूल विशेषता बताते हुए कोर्ट ने कहा कि संविधान में वर्णित समानता व बंधुत्व शब्द इसी भावना के आलोक में वर्णित हैं। साथ ही धर्मनिरपेक्षता को भारतीय लोकतंत्र की अपरिहार्य विशेषता बताते हुए कहा कि यह समाज में व्यापक दृष्टि वाली उदार सोच को विकसित करने में सहायक है। जिसके बिना स्वस्थ लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती है। जो राष्ट्रीय एकता का भी आवश्यक अंग है।

ध्यातव्य है कि 42वें संविधान संशोधन के बाद भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'पंथनिरपेक्ष' शब्द जोड़ा गया, लेकिन 'पन्थनिरपेक्ष' शब्द का प्रयोग भारतीय संविधान के किसी अन्य भाग मं नहीं किया गया है। वैसे संविधान में कई ऐसे अनुच्छेद मौजूद हैं जिनके आधार पर भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राज्य कहा जाता है क्योंकि भारत का संविधान देश के नागरिकों को यह विश्वास दिलाता है कि उनके साथ धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जायेगा। संविधान में भारतीय राज्य का कोई धर्म घोषित नहीं किया गया है और न ही किसी खास धर्म का समर्थन किया गया है। इसका कारण भारत में अनेकों धर्म और सम्प्रदाय प्रचलित हैं। अतः संविधान निमार्ताओं ने इसको धर्मनिरपेक्ष देश के रूप में स्वीकार किया। भारतीय समाज का बहुधर्मी व विभिन्न संस्कृतियों का गुलदस्ता होना भी इसकी अपरिहार्यता को दशार्ता है। निश्चित रूप से अदालत ने इस मुद्दे पर अपनी राजनीतिक सुविधा के लिये तल्खी दिखाने वाले नेताओं को भी आईना दिखाया है। पूर्व राष्ट्रपति डा. एस. राधाकृष्णन् ने धर्म निरपेक्षता शब्द के व्यापक हार्द को स्पष्ट करते हुए कहा था- 'धर्मनिरपेक्ष होने का अर्थ अधर्मी होना अथवा संकुचित धार्मिकता पर चलना नहीं होता, वरन

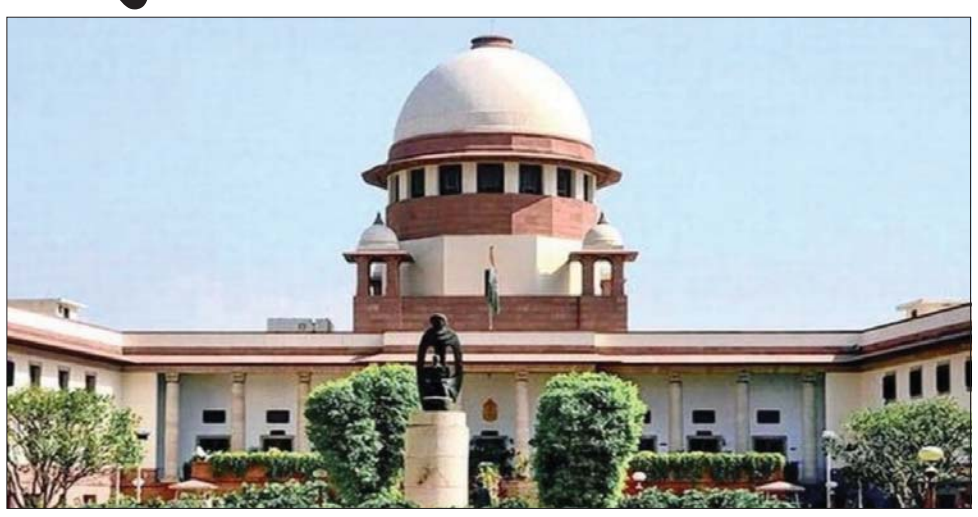

इसका अर्थ पूर्णतः आध्यात्मिक होना होता है। निरपेक्ष का अर्थ है कि राष्ट्र की ओर से किसी धर्म विशेष का प्रचार-प्रसार नहीं किया जाएगा। सब धर्मों के प्रति समानता का व्यवहार किया जाएगा।' भारत के लोकतंत्र एवं संविधान की यही विशेषता है कि इसमें किसी एक धर्म को मान्यता न देकर सभी धर्मों को समान नजर से देखा जाता है।

आजकल धर्मनिरपेक्षता को लेकर चलने वाली बहसें अक्सर जिस तरह का तीखा रूप ले लेती हैं, उसके मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट के अलग-अलग इन दो फैसलों में इसकी अहमियत रेखांकित हुई है। एक मामले में सर्वोच्च अदालत ने धर्मनिरपेक्षता को संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा करार दिया तो दूसरे मामले में इसकी संकीर्ण व्याख्या से उपजी गड़बड़ियां दुरुस्त कीं। दूसरा मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को रद्द किए जाने से जुड़ा था, जिसे मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने गलत करार दिया। हाईकोर्ट ने इस एक्ट को धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के खिलाफ माना था। धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत की इस संकीर्ण व्याख्या के चलते प्रदेश के 13 हजार से ज्यादा मदरसों में पढ़ रहे 12 लाख से अधिक छात्रों के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे थे। मगर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जरूरत मदरसों को बैन करने की नहीं बल्कि उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने की है। लेकिन यहां एक प्रश्न यह भी है कि क्या मदरसे मुख्यधारा में आने को तैयार है? क्या मदरसे एक धर्म-विशेष से जुड़ा मामला नहीं है? अदालत का यह मानना कि मदरसों पर रोक लगाने के बजाय उनके पाठ्यक्रम को वक्त की जरूरत और राष्ट्रीय सोच के अनुरूप ढाला जाना चाहिये, उचित एवं संविधान की मूल भावना के अनुरूप है। जिससे छात्रों की व्यापक दृष्टि विकसित हो सके। लेकिन क्या ऐसा संभव है? क्या मदरसे अपने पाठ्यक्रम को संकीर्ण दायरों से बाहर निकाल कर व्यापक परिवेश में नया रूप दे पायेंगे? ऐसा होता है तो अदालत की सोच से भारत की एकता एवं अखण्डता को नयी ऊर्जा मिलेगी। फिर तो अदालत का दो टूक कहना कि यदि किसी भी प्रकार से धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा कमजोर पड़ती है तो अंततः इसका नुकसान समाज व देश को ही उठाना पड़ेगा, सही है। भारतीय समाज में सदियों से फल-फूल रही गंगा-जमुनी संस्कृति के पोषण देने के लिये सभी धर्मों एवं सम्प्रदायों को समानता से, बंधुत्व भावना से एवं उदारता से ही देखा जाना चाहिए।

आज धर्म-निरपेक्षता शब्द को लेकर राजनेता एवं राजनीति दो भागों में बंटी हुई है। समाज भी दो भागों मे बंटा है। आजादी के समय एवं संविधान को निर्मित करते हुए अंग्रेजी के सेक्युलर शब्द का अर्थ धर्म करना भ्रामक हो गया। तब के इसी धर्म-निरपेक्ष शब्द के कारण आज विद्यालयों में धार्मिक शिक्षा नहीं दी जाती, जिसका परिणाम यही है कि आज विद्यार्थियों का सर्वांगीण व्यक्तित्व-निर्माण नहीं हो रहा है। मैंने अणुव्रत आन्दोलन के प्रवर्तक आचार्य तुलसी के साथ विभिन्न राजनेताओं, धर्मगुरुओं, साहित्यकारों, पत्रकारों की इस शब्द को लेकर चचाओं में सहभागिता की। व्यापक सोच वाले आचार्य तुलसी का विश्वास रहा कि हिन्दुस्तान सम्प्रदाय निरपेक्ष होकर अपनी एकता को बनाए रख सकता है किन्तु धर्महीन होकर एकता को सुरक्षित नहीं रख सकता। लोकतंत्रीय राष्ट्र पर किसी सम्प्रदाय अथवा पंथ का आधिपत्य हो तो वह अपने लोकतंत्रीय स्वरूप को सुरक्षित नहीं रख सकता। इसलिए लोकतंत्रीय राष्ट्र का सम्प्रदाय अथवा पंथ-निरपेक्ष होना अनिवार्य है। साम्प्रदायिक कट्टरता में सहिष्णुता नहीं होती है अतः राजनीति किसी सम्प्रदाय विशेष की अवधारणा से संचालित नहीं होनी चाहिए। इसलिये संविधान में धर्मनिरपेक्ष के स्थान पर सम्प्रदाय-निरपेक्ष, मजहब-निरपेक्ष अथवा पंथ-निरपेक्ष शब्द का प्रयोग होना चाहिए। सम्प्रदाय निरपेक्ष होने का तात्पर्य धर्मनिरपेक्ष, धर्महीन या धर्मविरोधी होना नहीं हैं।'

इसी कारण धर्मनिरपेक्ष शब्द के कारण राजनैतिक दलों के अलग-अलग खेमे बन गए। इससे धर्म विशेष को लेकर पार्टी के द्वारा वोटों की राजनीति चलने लगी। इसीलिये आचार्य श्री तुलसी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी और पी. वी. नरसिम्हाराव से इस संदर्भ में विस्तृत चर्चा करते हुए कहा- 'जब तक सेक्युलर शब्द का सही अर्थ नहीं होगा, आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों की समस्या नहीं सुलझ सकती।' राजीव गांधी ने इस संदर्भ में नोट्स मांगे। उन्हें विस्तार से सारी बातें उपलब्ध कराई गईं। कुछ समय बाद संविधान में सेक्युलर शब्द का अर्थ धर्मनिरपेक्ष बदलकर संप्रदायनिरपेक्ष कर दिया गया।' लेकिन संविधान में धर्मनिरपेक्षता शब्द के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की गयी। इसीलिये संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया कि धर्मनिरपेक्षता संविधान के बुनियादी ढांचे का हिस्सा है। सर्वोच्च अदालत के फैसले से यह भी साफ हुआ कि संशोधन के द्वारा प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष शब्द जोड़े जाने का मतलब यह नहीं है कि इससे पहले धर्मनिरपेक्षता संविधान का अहम हिस्सा नहीं थी। चाहे समानता के अधिकार की बात हो या संविधान में आए बंधुत्व शब्द की या फिर इसके पार्ट 3 में दिए गए अधिकारों की, ये सब इस बात का साफ संकेत हैं कि धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान की मूल विशेषता है। अदालत ने यह भी कहा कि चाहे धर्मनिरपेक्षता हो या समाजवाद, इन्हें पश्चिम के संदर्भ में देखने की जरूरत नहीं। भारतीय परिवेश ने इन शब्दों, मूल्यों, संकल्पनाओं, अवधारणाओं को काफी हद तक अपने अनुरूप ढाल लिया है। वैसे भारतीय समाज ने इस शब्द के मूल भाव का सहजता से अंगीकार किया भी है। यही वजह है कि कोर्ट ने धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान का मूल स्वर बताते हुए इसकी संकुचित व्याख्या करने से बचने के लिये हिदायत दी है।

संपादकीय

आतंक और अमन

जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर आतंकवादियों ने सेवा के वहां पर बड़ा हमला किया जिसमें दो सैनिक शहीद हो गए और सेना के दो पोर्टल (कुली) मारे गए। तीन सैनिक भी घायल हुए हैं। यह हमला गुलमर्ग के ऊपरी क्षेत्र बूटा पथरी में हुआ। राज्य में नई लोकतांत्रिक सरकार के शपथ-ग्रहण के बाद यह दूसरा बड़ा आतंकवादी हमला है। इससे पहले रविवार 20 अक्टूबर की रात को आतंकवादियों ने एक डॉक्टर और छह श्रमिकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। यह हमला गांदरबल इलाके में सुरंग परियोजना पर काम कर रहे श्रमिकों के शिविर पर किया गया था। मारे गए श्रमिकों में स्थानीय और बाहरी दोनों शामिल थे। आमतौर पर यह इलाका शांत माना जाता रहा है जहां एक दशक के दौरान कोई बड़ा आतंकी वारदात नहीं हुआ था। इन दोनों आतंकी हमले से यह साफ हो गया है कि राज्य में चुनावी लोकतंत्र को पुनर्जीवित करना शांति एवं स्थिरता की गारंटी नहीं है। गौर करने वाली बात यह है कि हाल के दिनों में जो आतंकी वारदात हुए हैं उनमें से ज्यादातर जम्मू संभाग के सैन्य प्रतिष्ठानों और सैनिक काफिलों पर हुए हैं। हालांकि पिछले 5 वर्षों के दौरान राज्य में शांति बहाली की प्रक्रिया में तेजी आई है। जाहिर है कि अलगाववादी और आतंकवादी समूहों पर यह रास नहीं आ रहा है और शांति बहाली की प्रक्रिया को पीछे धकेलना के लिए यह हमले किए जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रहे आतंकी हमले से कोई भी यह निष्कर्ष निकाल सकता है अभी इस केंद्र शासित प्रदेश में शांति की संभावना भुरभुरी या क्षीण है। पिछले एक सप्ताह में चार छोटे-बड़े आतंकी हमले हुए हैं जो पुलिस प्रशासन और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के लिए बड़ी चुनौती है। पूरे राज्य में आतंकवादी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सुरक्षा उपायों को चाक-चौबंद और मजबूत करने की जरूरत है ताकि शांति भंग करने वालों वाले समूहों को पराजित किया जा सके। सेना के वाहनों, काफिलों और नागरिकों पर होने वाले हमले खुफिया और सूचना तंत्र की कमजोरी को उजागर कर रहे हैं। इस तरह के हमले पर पूरी तरह लगाम लगाने के लिए पुलिस और खुफिया तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता है। हालांकि अलगावाद और आतंकवाद को जनता का समर्थन नहीं है, लेकिन सीमा पार से आने वाले घुसपैठियों का छोटा सा समूह उग्रवाद को बढ़ावा दे रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों को सरकारों को आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर काम करना होगा ताकि विधानसभा के चुनाव के बाद जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया शुरू हुई है उसका लाभ उठाया जा सके।

चिंतन-मनन

स्वस्थ समाज के लिए करें आत्म जागरण

पिछले कुछ समय से अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद का प्रभाव बढ़ा है। इसी वजह से अध्यात्म के क्षेत्र में भी अवमूल्यन हुआ है। अतः स्वस्थ समाज के लिए आत्म जागरण जरूरी है। जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद के अनुसार अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद ने प्रभाव डाला है और यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक युग है। इसमें पदार्थ की अधिक इच्छा के कारण व्यक्ति अशांत रहता है। अति योगवाद स्वच्छंद और अनियंत्रित भोगवाद के कारण स्वस्थ समाज का निर्माण नहीं हो पा रहा है। इसके लिए हर मनुष्य को अनुशासित व संस्कारित होना होगा, तभी वह समाज व सृष्टि के लिए उपयोगी होगा और व्यक्ति को संस्कारित करना ही अध्यात्म का काम है। आज मनुष्य उपभोक्ता बनकर रह गया है। जागो ग्राहक के नारे पर सिर्फ बाहर से जगाया जा रहा है, जबकि आज आवश्यकता है आत्म जागरण की। आध्यात्मिक अनुष्ठान से ही व्यक्ति के अंतर को जगाया जा सकता है। मनुष्य ने जल, वायु और पृथ्वी की निरंतर उपेक्षा से बहुत कुछ बिगाड़ दिया है। आज पीने लायक जल सिर्फ डेढ़ प्रतिशत बचा है। अगर अब भी मनुष्य नहीं जागा तो जल संकट और बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में प्राचीन धरोहरों को संरक्षित करने का काम हो रहा है, ऐसे में अत्यंत प्राचीन काल में बने रामसेतु को भी संरक्षित करना चाहिए। यह धर्म विशेष नहीं बल्कि मानव मात्र की योग्यता और क्षमता का ऐतिहासिक प्रमाण भी है। उत्तरकाण्ड एक ऐसी कथा का वर्णन है जिसमें सभी का निचोड़ है। जो व्यक्ति अपनी ज्यादा प्रशंसा सुनना पंसद करता है, वह कभी ऊंचाई नहीं छू पाता। यही अवगुण दशानन रावण में भी था। वह अपनी गलती को स्वीकार न करते हुए प्रशांसा सुनने में ज्यादा मन लगाता था। रावण को कई बार उसकी पत्नी मन्दोदरी और भाई विभीषण ने समझाया लेकिन उसे बात समझ नहीं आई। इसीलिए प्रभु श्रीराम के हाथों रावण का का नाश हुआ।

महाराष्ट्र में कांग्रेस की उदारता भाजपा के लिए चिंता का विषय

दिलीप कुमार पाठक

महाराष्ट्र में 288 सीटों पर 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव होना है। महायुति में सीटों के बंटवारे पर सहयोगी दलों के साथ सहमति पहले ही बन चुकी है। अब महा विकास अघाड़ी की बारी है। हालाँकि महा विकास आघाडी ने 85-85-85 सीटों का फामूर्ला निकाला था, बांकी बची हुई सीटों पर कांग्रेस लड़ना चाहती है, लेकिन उद्धव ठाकरे कांग्रेस को पूरी सीटें देना नहीं चाहते। वक़्त कोई भी हो सहयोगी दलों के साथ सीटों का बंटवारा बिल्कुल भी आसान नहीं होता। राजनीति पल - पल बदलती है, खासकर राजनीति नम्बरों पर ही टिकी हुई होती है। हरियाणा की जीती हुई बाजी हारने के बाद कांग्रेस को महाराष्ट्र में बेहद कम सीटों पर संतुष्ट होना पड़ रहा है। जबकि महाराष्ट्र में भी कांग्रेस खासी मजबूत स्थिति में है। जिस महाराष्ट्र में कभी कांग्रेस अपने दम पर सरकार चलाती थी, अब स्थिति ऐसी हो गई है कि गठबंधन के सहारे चलना कांग्रेस की मजबूरी बन गई है। पिछले कई चुनावों में शरद पवार के साथ मिलकर कांग्रेस लड़ती रही है, जबकि अब तो शरद पवार - और कांग्रेस के साथ उद्धव ठाकरे भी आ गए हैं। हालाँकि ज़्यादा मजबूत सहयोगियों के साथ अपनी महत्वाकांक्षाओं को सीमित करना ही पड़ता है। यही गठबंधन धर्म है जो कांग्रेस निभाती हुई दिख रही है। जो तात्कालिक हरियाणा हार की कीमत है जो महाराष्ट्र में चुकानी पड़ रही है। यही कीमत है जो हर बार कांग्रेस चुकाती है सिर्फ. और सिर्फ. अपने क्षेत्रीय नेताओ के कारण जो खुद ही सबकुछ हासिल करना चाहते हैं।

कहाँ तो कांग्रेस हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीतकर महाराष्ट्र के महा विकास आघाडी में बड़े भाई की भूमिका चाहती थी, लेकिन अब ऐसा होता नहीं दिख रहा। हरियाणा हार - जाने के बाद कांग्रेस को भाजपा से सीधी टक्कर में बेहद कमजोर माना जा रहा है, कांग्रेस हरियाणा में भाजपा से सीधे टक्कर में थी यही कारण है कि हरियाणा हारने के बाद कांग्रेस को निधाना बनाया गया है। यही कारण है ये भी है कि शरद पवार - संजय राउत कांग्रेस के साथ अच्छी खासी बार्गेनिंग करके फायदा उठा रहे हैं। जबकि कांग्रेस की उदारवादी सोच भाजपा के लिए चिंता का सबब बनी हुई है। हालाँकि कांग्रेस विधानसभा चुनाव में लोकसभा वाला शानदार प्रदर्शन नहीं दोहरा पा रही है। हरियाणा इसका एक बड़ा उदाहरण है, जहां पर जीती हुई बाजी पार्टी ने गंवाई है। अगर महाराष्ट्र की बात करें तो कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनाव में 16 सीटों पर चुनाव लड़ा जिसमें बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 13 सीटें जीती हैं, यहां भी 11 सीटों पर उसने बीजेपी प्रत्याशी को मात दी थी। अतः अब संदेश देने का प्रयास हो रहा है कि बीजेपी को हराने में सिर्फ कांग्रेस सक्षम है। ऐसे में पार्टी को अगर फिर महाराष्ट्र में अपनी स्थिति मजबूत करनी है उसे हर कीमत पर अपने पारंपारिक वोटबैंक को मजबूत करना होगा। यानी कि पार्टी को दलित, मुस्लिम और आदिवासी वोटरों को अपने पाले में लाने के लिए भरपूर कोशिश करनी चाहिए। जिस तरह से इस बार के लोकसभा चुनाव ने मराठवाड़ा के मराठा आंदोलन ने कांग्रेस के पक्ष में हवा बनाई, फिर कुछ वैसा ही कमाल पार्टी को करना पड़ेगा। स्थानीय मुद्दों को आगे लेकर चलना होगा।

महाराष्ट्र में 85 सीटों पर लड़ने वाली कांग्रेस महाराष्ट्र में अपना सीएम नहीं बना पाएगी, अब तो यही लग रहा है। चूंकि पिछली बार कुछ ऐसी परिस्थितियां बनी कि सीएम पद तो उद्धव ठाकरे को दे दिया गया था क्योंकि समय की डिमांड कुछ ऐसी ही थी। अब जाहिर है कि कांग्रेस इस बार महाराष्ट्र में बड़े भाई की भूमिका में नहीं है, यही कारण है कि कांग्रेस महाराष्ट्र में वैसी नहीं दिख रही जैसी कांग्रेस कभी होती थी। महाराष्ट्र में भाजपा - कांग्रेस दोनों एक दूसरे को रोकने के लिए अपनी महत्वाकांक्षाओं की बलि दे रहीं हैं, जहां बेहद कम सीटों वाले शिंदे को भाजपा ने सीएम बना दिया था। जबकि कांग्रेस ने अपने सिद्धांतो से समझौता करते हुए उद्धव ठाकरे को सीएम बना दिया था। देखा जाए तो हर राज्य का चुनाव दूसरे राज्यों से अलग होता है, सभी के मुद्दे अलग होते हैं। भाजपा महाराष्ट्र को हरियाणा की तरह जीतना चाहती है, जबकि महाराष्ट्र एवं हरियाणा में कुछ फर्क. हैं जो कांग्रेस के लिए राहत की बात हैं। दरअसल कांग्रेस पार्टी हर बार आपसी खींचतान अंदरुनी कलह, गुटबाजी में अव्वल रही है, कांग्रेस में अनुशासन की भारी कमी दिखती रही है, जबकि भाजपा अपनी अंदरुनी मामलों को पहले ही निपटा लेती है। कांग्रेस की अंदरुनी कलह भाजपा के लिए हमेशा फायदे का सबब होती रही है। हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश इसके ताजा उदाहरण हैं।

हालाँकि कांग्रेस के लिए महाराष्ट्र में एक राहत की बात यह जरूर है कि महाराष्ट्र में कांग्रेस किसी एक लोकल नेता पर निर्भर नहीं है। जैसे राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट को लेकर विवाद था, हरियाणा में हुड्डा बनाम शैलजा की जंग थी। एमपी में कमलनाथ की मनमानी थी। लेकिन महाराष्ट्र में तो उसके अलग-अलग इलाकों में अलग स्थानीय नेता सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। ऐसे में महत्वकांक्षा या सत्ता की वो रस्साकशी यहां देखने को नहीं मिलने वाली। उदाहरण के लिए लातूर में अमित देशमुख, गढ़चिरौली और चंद्रपुर में विजय वडेट्टीवार, भंडारा में नाना पटोले अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हैं, महाराष्ट्र में कांग्रेस नेताओ की अंदरुनी कलह जैसी कोई स्थिति नहीं है जबकि अभी सीएम बनने - बनाने की बात अभी दूर की बात है क्योंकि अभी महा विकास आघाडी चुनाव लड़ने पर फोकस करना चाहेगी। महाराष्ट्र में कांग्रेस पार्टी का अपने नेताओं पर अंकुश पार्टी के लिए एक अच्छा संकेत है जबकि भाजपा के लिए एक चिंता का विषय बना हुआ है, क्योंकि भाजपा के लिए जीत की राहें यहीं से बनना शुरू होती हैं।

मुद्दा: तय हो सांसदों-विधायकों की जवाबदेही

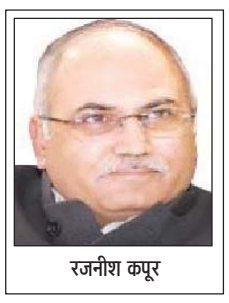

रजनीश कपूर

चौदहवीं लोक सभा के अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने अपने एक वक्तव्य में कहा था कि संसद का बहिष्कार करने वाले सांसदों का दैनिक भत्ता काट लिया जाना चाहिए। आपको शायद ज्ञात हो कि लोक सभा सत्र के दौरान मात्र एक मिनट की कार्यवाही पर सदन का खर्चा लगभग ढाई लाख रुपए आता है। चटर्जी का मानना था कि ऐसे कानूनी प्रावधान या नियम तय किया जाना चाहिए जिनसे सांसद सदन के प्रति अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाएं। पर अफसोस है कि इस महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर तब से अब तक ऐसा कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया। निःसंदेह यह गंभीर समस्या है कि जनता के चुने हुए प्रतिनिधि चाहे वे सांसद हो या विधायक अक्सर सदन के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह गंभीरता से नहीं करते।

वैसे तो सांसदों के आचरण से क्षुब्ध हो कर तत्कालीन दिवंगत लोक सभाध्यक्ष जीएमसी बालयोगी ने भी यह मांग उठाई थी और कुछ सख्त कार्यवाही पर सहमति भी बनी थी पर उसे लागू करने में विभिन्न पार्टी नेताओं की आनाकानी से उसमें वे सफल नहीं हो पाए थे, परंतु इस मुद्दे पर यदि गंभीरता से सभी पार्टी नेता अपना सहयोग सांसदों के आचरण के सुधार की पहल में करते हैं तो कोई कारण नहीं जो लोक सभा की कार्यवाहियों के समय को जाया जाने से बचाया न जा सके। अगर ऐसा लोक सभा में हो जाता है तो इससे सीख लेकर प्रदेश सरकार अपने-अपने विधानसभाओं में विधायकों को सांसदों के आचरण का अनुसरण जैसी सीख देने में सफल हो सकते हैं वरना जनता के खून-पसीने की कमाई को यूं ही जनसेवक बर्बाद करते रहेंगे और जनता यूं ही देखती रह जाएगी। ऐसे तमाम उदाहरण हैं जहां सांसदों के आचरण के कारण कई लोक सभा सत्र के दौरान हो-हल्ला मचने से बर्बाद हुए। अब आप समझ सकते हैं कि मात्र एक मिनट लोक सभा कार्यवाही का खर्चा जब ढाई लाख रुपए आता है तो बीते लोक सभा सत्रों के दौरान इतने समय की कीमत से अगर विकास कार्य होता या किसानों के कर्ज को माफ किया गया होता तो आए दिन कर्ज के कारण देश जिस प्रकार किसान आत्महत्या कर रहे हैं उनमें से कुछ को अवश्य ही बचाया जा सकता है। एक तरफ तो कर्ज और भुखमरी के कारण लोग असमय मर रहे हैं और दूसरी ओर समय की कीमत को न समझना यह समझदारी कतई नहीं हो सकती। कुछ वर्ष पहले पत्रकार सूर्य प्रकाश ने सांसदों के व्यवहार पर एक शोध किया। अनेकों सांसदों से बातचीत के आधार पर उन्होंने अंग्रेजी में अपनी पुस्तक 'व्हाट एल्स इंडियन पार्लियामेंट-एन एग्जक्टिव डायग्नोसिस' छापी। जिसमें खुद सांसदों ने यह स्वीकारा था कि वे किस तरह का गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार सदन में करते हैं। मसलन, सांसदों ने ही बताया कि किस तरह बिना कोरम पूरे किए ही महत्त्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा की खानापूर्ति हो जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि अक्सर सांसदों की रुचि संसद की कार्यवाही में नहीं होती और वे अपनी उपस्थित रजिस्टर पर दस्तखत करके सत्र के दौरान सदन से गायब रहते हैं, दस्तखत इसलिए करते हैं कि उन्हें भत्ते के रूप में मिलने वाली धनराशि 1000 मिल जाए। सांसदों ने यह भी बताया कि प्रश्न पूछने के लिए किस तरह के गैर-जिम्मेदाराना कार्य किए जाते हैं, जिनसे अपने क्षेत्र या देश का हित नहीं बल्कि निहित स्वार्थों का हित पूरा होता हैं। पिछले एक दशक में उजागर हुए अनेक किस्म के घोटालों से बहुत से सांसदों के चरित्र और कार्य शैली पर प्रश्नचिह्न लग गए हैं, जिनका यहां खुलासा करने की आवश्यकता नहीं है। इस सब के बावजूद यह जरूरी है कि जनता के चुने हुए प्रतिनिधि चाहे वे सांसद हो या विधायक सदन के प्रति जिम्मेवारी से व्यवहार करें और इसके लिए कानून और नियमों में आवश्यक सुधार किए जाएं। सांसदों को अनुशासित करने की दृष्टि से लोक सभा अध्यक्ष को यह पहल करनी ही चाहिए और हर दल के अध्यक्ष को इस प्रयास में सकारात्मक सहयोग देना चाहिए। इससे सदन की गरिमा बढ़ेगी और विधायिका के प्रति जनता में विश्वास बढ़ेगा। जब सरकारी अधिकारियों, शिक्षकों और निजी क्षेत्र में लगे लोगों से अनुशासित आचरण की अपेक्षा की जाती हैं और जरा सी लापरवाही पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाती है तो फिर सांसदों और विधायकों से ऐसे आचरण की अपेक्षा क्यों न की जाए।

कहावत भी है कि यथा राजा तथा प्रजा। सांसदों और विधायकों का आचरण अनुकरणीय होना चाहिए। निजी जीवन में न सही पर कम से कम सदन में तो उसकी मयार्दा के अनुरूप आचरण किया ही जाना चाहिए। जो भी सांसद या विधायक सदन की कार्यवाही के दौरान उपस्थित रजिस्टर पर दस्तखत करने के बाद भी उपस्थित न रहे उनका दैनिक भत्ता

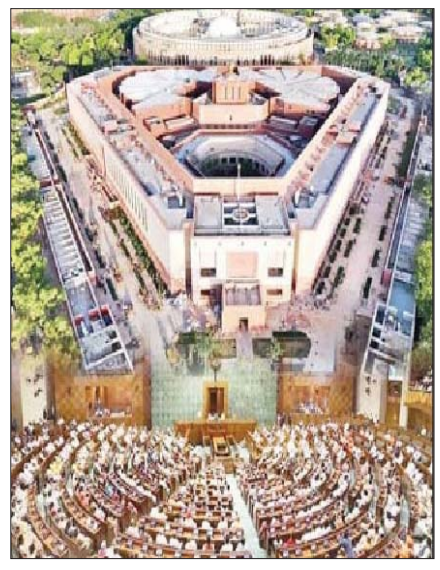

तो काटा ही जाए लगातार तीन बार ऐसा करने पर संसदीय समितियों से हटा दिया जाए और इसके बावजूद उनका व्यवहार न बदले तो दिल्ली में दी गई उन्हें आवास या अन्य सुविधाएं वापस लेने की कार्यवाही शुरू करनी चाहिए। कुल मिलाकर प्रयास यही होना चाहिए कि सांसद और विधायक सदन के सत्र के दौरान जिम्मेदारी से व्यवहार करें, जिससे जनता की आस्था उनमें बढ़े। जो भी लोक सभा अध्यक्ष, जब भी ऐसा प्रयास करे, तो ऐसे प्रयास का मुक्त ह्रदय से समर्थन किया जाना चाहिए। पूरे देश के जागरूक नागरिकों विशेषकर युवाओं को ऐसे प्रयास के समर्थन में अध्यक्ष को पत्र भी लिखने चाहिए जिससे उनका मनोबल बढ़े।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार` मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

22 नवंबर को रिलीज होगी अभिषेक बच्चन की नई फिल्म आई वांट टू टॉक

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन वापसी के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। 2023 में रिलीज हुई फिल्म घूमर में अभिषेक आखिरी बार नजर आए थे। अभिषेक की आगामी फिल्म आई वांट टू टॉक है। फिल्म का रोमांचक और अद्भुत टीजर कुछ ही देर पहले यूट्यूब पर जारी किया गया। फिल्म के टीजर में अभिषेक नजर नहीं आ रहे हैं। हालांकि, कार के डेक पर एक स्टैच्यू रखा है, जिसका सर लगातार हिलता दिखाई दे रहा है। इसके पीछे से अभिषेक का वॉइस ओवर सुनाई दे रहे है। अभिषेक ने टीजर में वॉयसओवर के लिए अपनी आवाज भी दी है। वॉयसओवर में, वह कहते हैं, मुझे सिर्फ बात करना पसंद नहीं है। मैं बात करने के लिए जीता हूं। जिंदा होने में और मरने में बस यही एक बात का अंतर दिखाई देता है। जिंदा लोग बोल पाते हैं और मरे हुए लोग बोल नहीं पाते। टीजर का आखिर में फिल्म का शीर्षक सामने आता है। यूट्यूब के अलावा अभिषेक ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर भी फिल्म का टीजर साझा किया है।

यूट्यूब पर फिल्म का टीजर जारी किया गया। टीजर के आखिर में फिल्म के कलाकारों का भी पता चला। अभिषेक मुख्य भूमिका में हैं, फिल्म में अहिल्या बामरू, जॉनी लीवर, जयंत कृपलानी, पियरले डे और क्रिस्टिन गोडार्ड नजर आएंगे। आई वांट टू टॉक के अद्भुत टीजर को अभिषेक के प्रशंसकों की लगातार प्रतिक्रिया मिल रही है। वहीं विक्की कौशल ने भी फिल्म के टीजर की बड़ी सराहना की है। विक्की ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर टीजर साझा किया और लिखा, शूजित दा का जादू! टीजर पसंद आया। शीर्षक पसंद आया और... एबी का इंतजार नहीं कर सकता! बता दें अभिषेक और विक्की ने मनमर्जियां में साथ काम किया था। आई वांट टू टॉक अभिषेक और शूजित की पहली साथ में फिल्म है। हालांकि, शूजित ने अभिषेक के पिता, अभिनेता अमिताभ बच्चन के साथ पीकू (जिसमें शूजित सरकार सह-लेखक थे) और गुलाबो सिताबो में काम किया है। आई वांट टू टॉक 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मैं फिल्म में क्रिएटिवली ज्यादा शामिल होना चाहती थी इसीलिए प्रड्यूसर बनने का मन बनाया

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन जल्द ही फिल्म दो पत्ती में नजर आएंगी। इस फिल्म में उन्होंने डबल रोल निभाया है। उन्होंने हमारे साथ बातचीत में बताया कि लॉकडाउन के दौरान ही उन्हें बिजनेस करने का ख्याल आया था। इसीलिए अब वो प्रोडक्शन की दुनिया में भी हाथ आजमा रही हैं।

ऐक्टिंग में इस साल एक दशक पूरे करने साथ ही अब आप बिजनेस और फिल्म प्रॉडक्शन में भी उतर चुकी हैं। इन अलग-अलग क्षेत्रों में हाथ आजमाने का ख्याल कैसे आया?

ऐसा नहीं है कि मेरे दिमाग में आया कि अभी ऐक्टिंग में इतने साल हो गए तो मुझे कुछ और करना चाहिए। हमें कभी किसी चीज की ओर अचानक से जुड़ाव महसूस होता है। जैसे बिजनेस का ख्याल मेरे दिमाग में लॉकडाउन में आया। मैं सोचती हूं कि बचपन में जब कोई पूछता था कि बडे होकर क्या बनना है तो जवाब एक ही क्यों होता था! हम बहुत कुछ कर सकते हैं ना, बहुत कुछ बन सकते हैं।

फिल्म दो पत्ती में डबल रोल के अलावा को-प्रड्यूसर की भूमिका निभाने के पीछे भी क्या यही सोच रही?

मैं असल में ऐसे दौर में थीं जहां मैं फिल्म में सिर्फ ऐक्टर के बजाय क्रिएटिवली और ज्यादा शामिल होना चाहती थी। जब मैं मिमी कर रही थी, तब मुझे यह अहसास हुआ। उस फिल्म से मैं इमोशनली और कई तरीके से इतना जुड़ गई थी कि उसके हर पहलू का हिस्सा बनना चाहती थी। तब मैंने प्रड्यूसर बनने का मन बनाया। दूसरे, बहुत मुश्किल से आपके पास ऐसी स्क्रिप्ट आती है जिसमें आपको इतने गहरे और इंटेंस लेवल पर परफॉर्म करने को मिले तो मैं ऐसा कोई रोल तलाश भी रही थी जो मुझे मिल नहीं रहा था।

कनिका के मुताबिक, औरतें जब साथ आती हैं तो कमाल करती हैं। आपकी इस पर क्या राय है? आपके हिसाब से औरतें साथ में कैसे एक-दूसरे को सशक्त बनाती हैं?

मैं कनिका से बिल्कुल सहमत हूं। मेरा मानना है कि जो आप अपने घर में देखते हैं, अपनी मां को करते हुए देखते हैं, वह आपकी पर्सनैलिटी को बनाता है। मैंने हमेशा यही देखा कि मेरी मॉम और डैड दोनों काम करते हैं। दोनों साथ मिलकर फैसले लेते हैं। ऐसा नहीं था कि मेरी मां घर में मेरे डैड से किसी मायने में कम थीं।

फिल्म में आप पहली बार डबल रोल कर रही हैं और ये दोनों भूमिकाएं एक-दूसरे से और चुनौतीपूर्ण हैं। एक ही समय में इन दोनों पर्सनैलिटीज में खुद को ढालने के लिए क्या तरकीब अपनाई?

मेरे लिए सबसे जरूरी इन दोनों पर्सनैलिटीज को समझना था कि मैं उनको एक-दूसरे से अलग कैसे कर सकती हूं क्योंकि ये बहनें हैं। ऐसा नहीं है कि वे बचपन में बिछड़ गई हैं और बाद में मिली। वे एक ही घर में, एक ही परिवार के साथ रही हैं, उनकी परवरिश एक है, फिर भी उनके बीच अंतर क्या है? मुझे वह खोजना था और अंतर होता है। जैसे, मैं और मेरी बहन भी अलग है, एक ही सिचुएशन में हम दोनों का रिएक्शन बहुत अलग होता है। उसे गुस्सा बहुत आता है, मुझे नहीं आता है तो इन चीजों को पकड़ा। उसके हिसाब से उनकी चाल-ढाल, एक्सप्रेशन में बदलाव लाया। इन बहनों के बीच दुश्मनी भी है, वह क्यों है? यह साइकॉलजी समझना मुश्किल था, पर इसी का मजा था।

टल गई यश की फिल्म टॉक्सिक की रिलीज डेट

अभिनेता यश की आगामी फिल्म टॉक्सिक का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और इससे जुड़ी हर खबर पर उनकी नजर रहती है। बीते दिनों इस फिल्म को लेकर खबर आई थी कि इसकी रिलीज डेट स्थगित कर दी गई है। अब खुद रॉकी भाई ने इस खबर की पुष्टि कर दी है। टॉकिस्क पहले अप्रैल 2025 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।

अप्रैल में रिलीज नहीं होगी फिल्म

कन्नड़ सुपरस्टार यश ने हॉलीवुड रिपोर्टर से बातचीत में इस बात को आधिकारिक रूप से कंफर्म किया है कि टॉक्सिक अप्रैल में रिलीज नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि शूटिंग शुरू होने से पहले फिल्म की रिलीज डेट का एलान जल्दबाजी में कर दिया गया था। इसे लेकर अभिनेताओं के शेड्यूल पर विचार नहीं हो पाया। फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होनी थी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।

ये सितारे भी आएंगे नजर

फिल्म टॉक्सिक का एलान बीते वर्ष रिलीज डेट के साथ ही किया गया था। इस फिल्म में यश के अलावा नयनतारा, कियारा आडवाणी और हुमा कुरैशी जैसे चर्चित सितारे भी नजर आएंगे। यह मेगा बजट फिल्म है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

यह ऑस्कर विजेता कंपनी करेगी वीएफएक्स का काम

नई रिलीज डेट को लेकर जब यश से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वे फिलहाल इसका एलान नहीं करना चाहते। कुछ वक्त में वे आधिकारिक रूप से चीजों को सामने पेश करेंगे। यश ने यह भी कहा कि टॉक्सिक का वीएफएक्स का काम ऑस्कर और नेशनल अवॉर्ड विजेता कंपनी छ्रहश्वल्ल करने जा रही है।

रोलेक्स किरदार की लोकप्रियता को सूर्या ने बताया अप्रत्याशित

सूर्या इन दिनों अपनी आगामी फिल्म कंगुवा के प्रमोशन में व्यस्त हैं। उनकी और बॉबी देओल के अभिनय वाली ये फिल्म इस साल की सबसे चर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। अभिनेता के फैंस बेसब्री से इस फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के अलावा फैंस उन्हें रोलेक्स के किरदार में भी देखने को लेकर काफी उत्सुक हैं। सूर्या साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म विक्रम में रोलेक्स के किरदार में कैमियो करते नजर आए थे। हाल में ही अभिनेता ने अपने इस कैमियो को लेकर बात की है। सूर्या ने साल 2022 में दिग्गज अभिनेता कमल हासन की फिल्म विक्रम में रोलेक्स के किरदार में नजर आए थे। साउथ के मशहूर निर्देशक लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उनके कैमियो किरदार की काफी चर्चा हुई थी। अभिनेता इस किरदार में काफी खूंखार और क्रूर नजर आए थे। इस पर बात करते हुए अभिनेता ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनके इस कैमियो को इतने व्यापक तरीके से पसंद किया जाएगा। अभिनेता ने इसमें जोड़ते हुए बताया कि उन्होंने इसके लिए पूरे एक दिन की भी शूटिंग नहीं की थी।

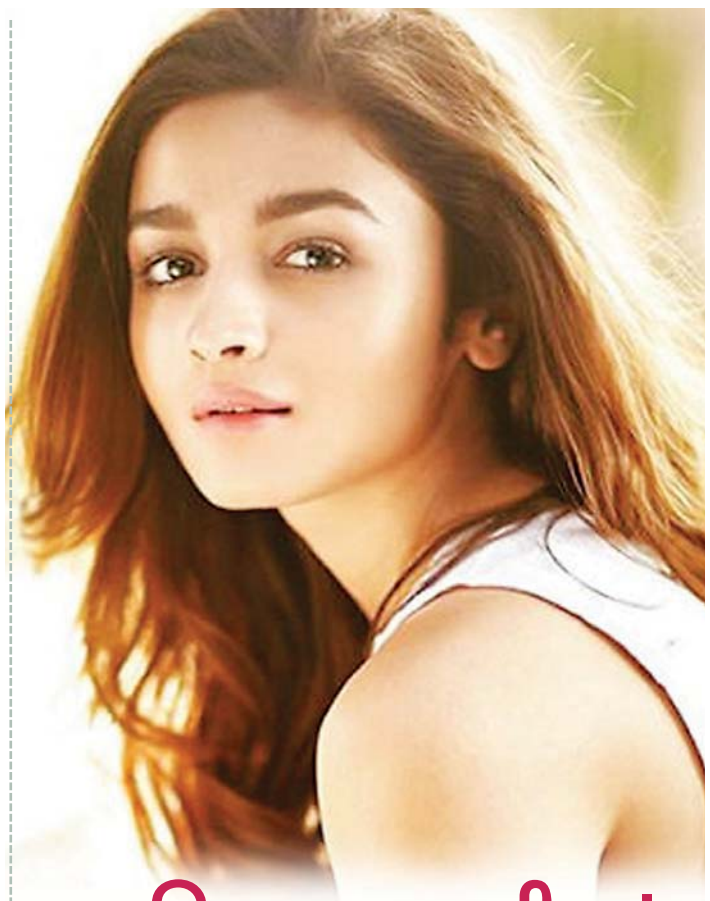

आलिया भट्ट की ब्रांड वैल्यू को करारा झटका 'जिगरा' के फ्लॉप होने के दिखने लगे साइड इफेक्ट्स

फिल्म 'कलंक' के बाद से एक ब्लॉकबस्टर सुपरहिट फिल्म का इंतजार कर रही आलिया भट्ट के लिए उनकी ताजातरीन फिल्म 'जिगरा' करारा झटका साबित हुई है। ब्रांड बाजार में अपनी स्थिति सुधारने के लिए अब उनके पास लंबे समय तक कोई दूसरी फिल्म भी नहीं है। इन दिनों उनकी सिर्फ एक फिल्म 'अल्फा' ही निर्माणाधीन है और इसकी रिलीज अगले साल के आखिर में होने वाली है। उनकी तीन-चार फिल्में लंबे समय से चर्चा में हैं, लेकिन इनमें से किसी की भी शूटिंग हाल फिलहाल शुरू होती नहीं दिख रही है।

साल 2019 तक आलिया भट्ट का करियर शानदार रफ्तार में चला। 'उड़ता पंजाब', 'डियर जिंदगी', 'बदरीनाथ की दुल्हनिया', 'राजी' और 'गली बॉय' जैसी पांच बैक टू बैक हिट फिल्में देकर आलिया ने अपनी पोजीशन हिंदी सिनेमा की नंबर वन हीरोइन की कुर्सी पर पक्की की ही थी कि धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म 'कलंक' ने उनकी इस रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया। उसके बाद से लगातार आलिया संघर्ष कर रही हैं। 'कलंक' के बाद इस बीच आलिया ने 'ब्रह्मास्त्र' और 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' जैसी धर्मा प्रोडक्शंस की दो और फिल्मों में काम किया और इन फिल्मों के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर फिल्म 'जिगरा' की तरह ही खूब चर्चाएं होती रहीं।

इस बीच उनकी फिल्म 'सड़क 2' सुपरफ्लॉप रही। 'गंगूबाई काठियावाड़ी' किसी तरह निर्माता जयंती लाल गडा के आर्थिक सहयोग से सिनेमाघरों तक पहुंची और टिकट खिड़की पर औसत कारोबार ही कर सकी। उनकी दो फिल्में सीधे ओटीटी पर प्रसारित हुई, जिसमें फिल्म 'डार्लिंग्स' को मिली जुली प्रतिक्रिया मिली। लोगों को इसमें आलिया भट्ट और शेफाली शाह का काम तो खूब पसंद आया लेकिन विजय वर्मा की मौजूदगी ने और उनके एकरस अभिनय ने फिल्म को नुकसान भी पहुंचाया। 'हार्ट ऑफ स्टोन' कब आई और कब चली गई, लोगों को अब याद भी नहीं है।

एस एस राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' के जरिये आलिय भट्ट ने साउथ सिनेमा में प्रवेश करने की कोशिश की है। इस फिल्म के सेट पर उनकी जूनियर एनटीआर से बनी दोस्ती ने फिल्म 'वॉर 2' का रास्ता खोला। आलिया और उनके करीबी निर्देशक अयान मुखर्जी के बीच जूनियर एनटीआर को लेकर जो खिचड़ी पकी, उसी से 'अल्फा' का भी जन्म हुआ। लेकिन, अब 'जिगरा' के फ्लॉप हो जाने के बाद आलिया का एक्शन अवतार 'अल्फा' में दर्शकों को पसंद आएगा भी या नहीं, इसे लेकर यशराज फिल्म्स में अभी से बहसें होने लगी हैं।

आलिया भट्ट ने 'जिगरा' से जो उम्मीदें लगा रखी थीं, वे इसी कहानी पर बनी फिल्म 'सावि' से निराश हुए दर्शकों के चलते पूरी नहीं हुईं। उनकी पीआर टीम ने 'जिगरा' को एक बढ़िया फिल्म बताने की कोशिश पूरी की लेकिन अब फिल्म के निर्देशक वासन बाला ने फिल्म के न चलने की जिम्मेदारी खुद ले ली है। उनका कहना है कि किसी फिल्म को वांछित बॉक्स ऑफिस आंकड़ों तक लाना निर्देशक की जिम्मेदार है। वासन ने अपना एक्स अकाउंट भी इसके बाद से बंद कर लिया है। आलिया की घोषित फिल्मों में 'लव एंड वॉर' की शूटिंग अनिश्चित काल के लिए स्थगित हो गई है। 'इंशाअल्लाह' को लेकर संजय लीला भंसाली के दफ्तर में चूं तक नहीं हो रही और 'ब्रह्मास्त्र 2' पर काम जियो स्टूडियोज और फॉक्स स्टार स्टूडियो के बीच हुई डील पूरी होने तक रुका रहेगा।

प्रभास को जोकर कहने की ट्रोलिंग से अरशद ने लिया सबक

बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी को तब से कड़ी आलोचना और नफरत का सामना करना पड़ रहा था, जब से उन्होंने कल्कि 2898 एडी में प्रभास की भूमिका के लिए उन्हें जोकर कहा था। अब अभिनेता ने कहा कि वह फिर कभी किसी फिल्म या अभिनेता की आलोचना नहीं करेंगे। इसके अलावा अरशद ने सोशल मीडिया के बुरे प्रभाव के बारे में भी खुलकर बात की है।

अरशद ने हाल ही में एक साक्षात्कार में अपनी बेपरवाही जताई और बताया कि सोशल मीडिया पर हुई ट्रोलिंग से वह परेशान नहीं होते हैं क्योंकि वह एक पॉजिटिव व्यक्ति हैं। अभिनेता ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो यह ठीक है। हर किसी का अपना नजरिया होता है। साथ ही, यह एक लोकतांत्रिक देश है, और इसमें सभी को बोलने की अनुमति है।

अभिनेता ने आगे कहा, आप एक सकारात्मक व्यक्ति हैं, तो कोई भी नेगेटिव बात आपको परेशान करती है। हालांकि, हम ऐसी जगह रहे हैं, जहां पत्थर फेंके जाते हैं, इसलिए यह अब मुझे परेशान नहीं करता है। सोशल मीडिया पर आलोचनाओं के बाद अरशद ने अपने कुछ इंस्टाग्राम पोस्ट के कमेंट सेक्शन को बंद कर दिया है। इस पर उन्होंने कहा कि उन्हें यह भी नहीं पता कि ऐसा कैसे करना है, लेकिन उन्होंने कहा कि भविष्य में वे अपनी राय सुरक्षित रखेंगे। उन्होंने हंसते हुए कहा, मैंने तय कर लिया है कि मैं जो भी फिल्म देखूंगा, उसे पसंद करूंगा। मैं अपनी बाकी की जिंदगी में हर एक्टर को पसंद करूंगा। बता दें कि अरशद ने यूट्यूबर समदीश भाटिया से बात करते हुए कहा था कि कल्कि में तेलुगु सुपरस्टार प्रभास का किरदार एक कैरिकेचर था और इस बात ने लोगों को नाराज कर दिया था। उन्होंने कहा था, प्रभास, मैं वाकई बहुत दुखी हूं। उन्हें जोकर की तरह क्यों दिखाया गया? क्यों? मैं मैड मैक्स देखना चाहता हूं। मैं मेल गिब्सन देखना चाहता हूं। आपने इसे क्या बना दिया है? वे ऐसी चीजें क्यों करते हैं? मैं कभी नहीं समझ पाऊंगा। हालांकि, अरशद ने उसी फिल्म में अमिताभ बच्चन के अभिनय की प्रशंसा की थी।

लॉरेंस की धमकी के बावजूद सलमान कमिटमेंट करेंगे पूरी, 'सिंघम अगेन' में आएंगे नजर

लॉरेंस बिश्नोई की गैंग के द्वारा जान से मारने की धमकी के बाद सलमान खान की चिंता बढ़ गई है। हाल ही में उनके करीबी एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिसके बाद अभिनेता की सुरक्षा को और भी बढ़ा दिया गया। इन सब के बावजूद सलमान अपने काम को प्रभावित नहीं होने देना चाहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता अपने कमिटमेंट के मुताबिक अजय देवगन और रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' की शूटिंग पूरी करेंगे। सलमान फिल्म में 'चुलबुल पांडे' का कैमियो करते नजर आएंगे। अभिनेता के इस कदम से उनका संवाद याद आता है, 'एक बार जो मैंने कमिटमेंट कर दी तो फिर मैं अपने आप की भी नहीं सुनता'।

पुणे टेस्ट : न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट में भारत को 113 रनों से हराकर 2-0 से सीरीज जीती

-दूसरी पारी में भारतीय टीम 245 रनों पर ही सिमटी

पुणे (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी भारतीय टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा है। न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट को तीन दिनों के अंदर ही 113 रन से जीत लिया। इस मैच में जीत के लिए मिले 359 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में 245 रनों पर ही सिमट गयी। इससे पहले आज सुबह न्यूजीलैंड की पारी 255 रन पर आउट हुई। इस तरह उसने भारतीय टीम को जीत के लिए 359 रनों का लक्ष्य दिया। इस मैच में कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 259 रन बनाये थे। इसके जवाब में टीम इंडिया अपनी पहली पारी में केवल 156 रन ही बना पाई। इस प्रकार मेहमान टीम को पहली पारी के आधार पर 103 रनों की अच्छी खासी बढ़त मिली हुई थी। इस मैच में जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने 2-0 से सीरीज भी जीत ली है। उसने बेंगलूर में खेला गया पहला टेस्ट भी 8 विकेट से जीता था। वहीं दूसरे दिन 16 रन पर एक विकेट गंवाकर खेल रही टीम इंडिया ने अच्छी शुरूआत की। शुभमन गिल 72 गेंदों पर 2 चौकों और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाकर सैंटनर की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हुए जबकि विराट कोहली इस मैच में विफल रहे और मात्र एक रन पर आउट हो गए। यशस्वी जायसवाल 30 रन बनाकर जबकि ऋषभ पंत 18 रन पर आउट हुए। तीसरे दिन न्यूजीलैंड टीम कल के स्कोर 5 विकेट पर 198 रन से आगे खेलते हुए 255 रन पर आउट हो गई। ग्लेन फिलिप्स 48 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं टॉम ब्लंडेल 83 गेंद में 41 रन बनाकर आउट हुए। टिम साउदी (0), मिचेल सेंटनेर (4) और ऐजाज पटेल (1) भी टिक नहीं पाये। कीवी टीम 69.4 ओवर में 255 रन पर आउट हो गई। इससे भारत को 359 रन का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने अच्छी शुरूआत की। हालांकि कप्तान रोहित रन नहीं बना पाये पर यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल ने पारी को आगे बढ़ाया और 96 रन तक ले गए। शुभमन 23 रन बनाकर आऊट हुए। विराट कोहली से उम्मीदें थीं पर वह भी 17 रन ही बना पाए। ऋषभ पंत अपना खाता तक नहीं खोल पाये। जायसवाल ने 65 गेंदों पर 9 चौके और 3 छक्कों की मदद से 77 रन बनाए। वाशिंगटन सुंदर ने मध्यक्रम में 21 रन बनाए पर सेंटनर और ग्लेन फिलिप्स की गेंदों का भारतीय टीम के पास कोई जवाब नहीं था। सेंटनर ने एक बार फिर से पारी में पांच विकेट लिए। चाय तक जडेजा और अश्विन क्रीज पर थे। चाय के बाद अश्विन 34 गेंदों पर 18 तो अकाश दीप 1 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। रवींद्र जडेजा ने एक छोर संभाला और नाबाद 42 रन बनाए पर वह टीम को जीत नहीं दिला पाए। अंत में बुमराह ने भी कुछ शॉट लगाए पर तब तक मैच भारतीय टीम के हाथों से निकल गया था।

इससे पहले भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज करने का फैसला किया था। न्यूजीलैंड के पहले तीनों विकेट अश्विन ने लिए। पहले कप्तान टॉम लाथम (22 गेंदों पर 15 रन, 2 चौके) को पगबाधा किया और इसके बाद विल यंग (45 गेंदों पर 18 रन, 2 चौके) का विकेट लिया जिसमें उनका साथ विकेटकीपिंग कर रहे ऋषभ पंत ने कैच पकड़ कर दिया। तीसरा विकेट 44वें ओवर में आया जब अश्विन की गेंद पर डेवोन कॉन्वे (76 रन) पंत के हाथों कैच आउट हो गए। वाशिंगटन सुंदर ने अश्विन का साथ देते हुए लंच के बाद दो विकेट अपने नाम किए जिसमें पहला विकेट रचिन रवींद्र और दूसरा टॉम ब्लंडेल का था। सुंदर ने दोनों को बोल्ड किया। रचिन 105 गेंदों पर 5 चौकों और एक छक्के की मदद से 65 रन की अर्धशतकीय पारी खेलकर आउट हुए जबकि ब्लंडेल मात्र 3 रन ही बना सके।

टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा का कमाल, डब्ल्यूटीसी चैंपियंस के क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने डब्ल्यूटीसी चैंपियंस भी इतिहास रच दिया। सालों से भारतीय टेबल टेनिस की पोस्टर गर्ल रही मनिका ने शनिवार को इस अहम टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाले पहली भारतीय खिलाड़ी बनी। मनिका ने फ्रांस के मोंटपेलियेर में चल रहे टूर्नामेंट के प्री-क्वार्टर फाइनल में महज 29 मिनट में जीत हासिल की।

वहीं मनिका का सामना रोमानिया की 14वीं रैंकिंग वाली बर्नाडेट से था। दुनिया की 30वें नंबर की खिलाड़ी बत्रा ने 29 मिनट में 11-9, 6-11, 13-11, 11-9 से जीत दर्ज की। उन्होंने पेरिस ओलंपिक प्री-क्वार्टर फाइनल में भी इसी प्रतिद्वंद्वी को हराया था। अब बत्रा का सामना चीन की कियान तियांयी से होगा। कियान ने अपनी हमवतन वांग यिडी को 11-7, 11-9, 13-11 से हराया।

मनिका बत्रा ने बुधवार को एकतरफा मुकाबले में अमेरिका की लिली झेंग को 3-0 से हराकर महिला सिंगल्स प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। पेरिस ओलंपिक के एकल प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनकर इतिहास रचा था। इस बार भी उन्होंने महज 22 मिनट से भी कम समय में 11-4, 11-8, 12-10 से आसान जीत दर्ज की थी।

हार से निराश रोहित बोले, हमें ऐसे परिणाम की उम्मीद नहीं थी

पुणे (एजेंसी)। यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट में न्यूजीलैंड के हाथों मिली हार के बाद निराश भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि हमें इस प्रकार के परिणाम की उम्मीद नहीं थी। इसी के साथ ही भारतीय टीम का घरेलू धरती पर जीत का सिलसिला टूट गया। भारतीय क्रिकेट टीम अंतिम बार अपनी धरती पर 3 टेस्ट मैच साल 1983 में वेस्ट इंडीजी से हारी थी। रोहित शर्मा ऐसे पहले कप्तान हैं जो इस साल घरेलू मैदान पर बतौर कप्तान 3 टेस्ट में से 2 न्यूजीलैंड और एक इंग्लैंड से हारे हैं। वहीं घर पर 15 टेस्ट मैचों में रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम चौथा मुकाबला हारी है। सीरीज हारने के बाद रोहित ने इसे निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के परिणाम की हमने उम्मीद नहीं की थी। इस जीत का श्रेय न्यूजीलैंड को दिया जाना चाहिये। उन्होंने काफी अच्छा खेला। हम कुछ खास अवसरों का लाभ उठाने में विफल रहे। इसी कारण हमें हार झेलनी पड़ी है।

रोहित ने कहा कि ऐसा नहीं लगा कि हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। हम रनों को बढ़ा नहीं पाए। साथ ही कहा कि आपको जीतने के लिए 20 विकेट लेने होंगे पर बल्लेबाजों को भी रन बनाने होते हैं। हमने विरोधी टीम को 250 के करीब रोका था पर हम जानते थे कि यह आसान नहीं रहेगा। जब उन्होंने शुरुआत की तो उनका स्कोर तीन विकेट पर 200 था। इसके बाद भी उन्हें 259 रन पर आउट करना हमारा अच्छा प्रयास था। रोहित ने कहा कि यह ऐसी पिच नहीं थी जहां बहुत कुछ हो रहा था। हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। अगर हम पहली पारी में थोड़ा करीब होते तो परिणाम कुछ और होता।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में हुआ बदलाव, हार के बाद भी टॉप पर भारत, पाकिस्तान की स्थिति हैरान करने वाली

नई दिल्ली (एजेंसी)। 26 अक्टूबर 2024 का दिन क्रिकेट जगत में हमेशा याद रखा जाएगा। जहां पाकिस्तान ने इंग्लैंड को 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के आखिरी मैच में हराकर 2-1 से सीरीज अपने नाम की वहीं न्यूजीलैंड ने भारत को 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में भी हराकर सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली है। कीवी टीम के खिलाफ इस टेस्ट सीरीज को गंवाने के बाद अब भारत के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचना चुनौतीपूर्ण हो गया है।

भारत की हार और पाकिस्तान की जीत के बाद आखिर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में टीमों की क्या स्थिति है इसके बारे में बात करते हैं। भारत को कीवी टीम के खिलाफ दो टेस्ट मैच में लगातार हार मिली, लेकिन भारत फिर भी पहले नंबर पर बना हुआ है। भारत ने अब तक खेले 13 मैचों में से 8 में जीत दर्ज की है जबकि 4 में उसे हार झेलनी पड़ी है। वहीं एक मैच ड्रॉ भी रहा। भारत की जीत का प्रतिशत अभी 62.82 है। वहीं कीवी टीम अभी पॉइंट टेबल में चौथे स्थान पर है जिसने 10 में से 5 मैच जीते हैं और 5 हारे हैं। इस टीम की जीत का प्रतिशत 50.00 है।

दूसरी तरफ पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ लगातार दो टेस्ट मैच जीते और इससे वो अंकतालिका में अब 7वें नंबर है जबकि इंग्लैंड की टीम छठे स्थान पर है। पाकिस्तान की टीम ने अब तक खेले 10 में से 4 मैच जीते हैं और 6 हारे हैं। इस टीम की हार का प्रतिशत 33.33 है। इंग्लैंड की बात करें तो 19 में से 9 मैच जीते हैं और 9 हारे हैं जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है। इस टीम की जीत का प्रतिशत 40.79 है। अंकतालिका में दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया जबकि तीसरे नंबर पर श्रीलंका की टीम मौजूद है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क का स्टीव स्मिथ को लेकर बड़ा बयान

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने ऑस्ट्रेलिया के आगामी बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट श्रृंखला के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की है, जिसमें उन्होंने खराब फॉर्म में चल रहे स्टीव स्मिथ की जगह विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज पर विचार करने का सुझाव दिया है। यह श्रृंखला अगले महीने भारत के खिलाफ शुरू हो रही है, और ऑस्ट्रेलियाई टीम को इसके लिए अपनी रणनीति में बदलाव की आवश्यकता हो सकती है। स्टीव स्मिथ, जो आमतौर पर चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करना पसंद करते हैं, इस समय पारी का आगाज कर रहे हैं। हालांकि, उनकी शीर्ष बल्लेबाजी क्रम में सफलता सीमित रही है। पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने हाल ही में संन्यास से वापसी करने की इच्छा जताई है, जिसके बाद क्लार्क ने स्मिथ के पारी का आगाज करने की आलोचना की।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए शमी की जगह कृष्णा शामिल

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने अगले माह होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को टीम में शामिल नहीं किया है। शमी की जगह पर युवा खिलाड़ी प्रसिद्ध कृष्णा को टीम में जगह दी गयी है। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे में पांच मैचों की एक टेस्ट सीरीज खेलेगी। बीसीसीआई के अनुसार शमी अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। इसी कारण उनकी जगह पर कृष्णा को अवसर मिला है। इस युवा खिलाड़ी की नौ महीने बाद टीम में वापसी हुई है। कृष्णा ने भारतीय टीम की ओर से अपना अंतिम मैच साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर खेला था। इसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। कृष्णा को चयनकर्ताओं ने ऑस्ट्रेलियाई हालातों को ध्यान में रखते हुए टीम में शामिल किया है। कृष्णा की लंबाई काफी अच्छी है और ऑस्ट्रेलिया की उछल भरी पिचों पर वह प्रभावी साबित हो सकते हैं। कृष्णा की गेंदों में तेजी भी है जो ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर बेहद कारगर रहेगी। बाउंस और रफ्तार के अलावा इस युवा गेंदबाज की सीम पोजिशन भी शानदार है जिसके चलते वह विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगा सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तेज गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के पास रहेगी। इन दोनों के अलावा कृष्णा पर भी नजरें रहेंगी। कृष्णा का दावा अंतिम ग्यारह के लिए आकाशदीप से आगे हैं। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 22 नवंबर से शुरु होगी और इस दौरान पांच टेस्ट खेले जाएंगे।

पाकिस्तान ने चार साल बाद घरेलू धरती पर पहली टेस्ट सीरीज जीती

-तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 9 विकेट से हराया

रावलपिंडी (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 9 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली है। इसी के इसके साथ ही मेजबान पाक टीम ने चार साल के बाद अपनी घरेलू धरती पर कोई सीरीज जीती है। टीम पिछले काफी समय से लगातार मिली हार के कारण दबाव में थी। उसे 2021 के बाद घर पर पहली सीरीज जीतने में सहायता मिली है। तीसरे टेस्ट में पाक टीम की जीत में स्पिनर नोमान अली और साजिद खान की अहम भूमिका रही। इन दोनो के सामने इंग्लैंड के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। इन दोनो ने मेहमान टीम के बल्लेबाजों को पूरी तरह से धवस्त कर दिया। लंच से पहले इंग्लैंड की टीम केवल 112 रनों पर ही आउट हो गयी। ये पाक में

इंग्लैंड का अब तक का कम स्कोर है। इससे पाक टीम को जीत के लिए केवल 36 रन का लक्ष्य मिला जिसे उसने 3.1 ओवर में एक विकेट खोकर ही हासिल कर लिया। कप्तान शान मसूद ने 6 गेंदों पर 23 रन बनाये। उन्होंने छक्का लगाकर मैच और सीरीज जीत ली। इससे पहले 24/3 से आगे खेलते हुए दिन की शुरुआत इंग्लैंड के लिए अच्छी रही। हैरी ब्रूक और जो रूट ने अच्छी शुरुआत की पर इनके आउट होने पर इंग्लैंड टीम ढ़ह गयी। इंग्लैंड ने 46 रन पर ही सात विकेट खो दिए।

यह कप्तान के रूप में शॉन मसूद की पहली सीरीज जीत है। इससे उन्हें खासी राहत मिली है। टीम में इस बार बाबर आजम, नसीम शाह और शाहीन अफरीदी तक शामिल नहीं थे। उनकी जगह साजिद और नोमान को शामिल किया गया। इन दोनो ने ही सूखी, टर्निंग पिचों का पूरी तरह से लाभ उठाया और अंतिम दो मैचों में दबदबा बनाते हुए 40 में से 39 विकेट ले लिए। पाक के लिए बदलाव अच्छे रहे। छह टेस्ट हार और घरेलू मैदान पर 11 मैचों की हार के बाद उसे जीत मिली है। टीम के लिए यह राहत देने वाली जीत है क्योंकि पिछले कुछ महीने उसके लिए बेहत कठिन रहे हैं। वहीं इंग्लैंड की इस साल चार टेस्ट मैचों में तीसरी हार है।

संजय मांजरेकर की विराट कोहली के शॉट चयन पर टिप्पणी

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने पुणे में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान विराट कोहली के निराशाजनक आउट होने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि कोहली ने अपने करियर का सबसे खराब शॉट खेला। इस टेस्ट की पहली पारी में, विराट केवल 9 गेंदों में एक रन बनाकर आउट हुए, जब उन्होंने स्पिनर मिचेल सेंटनर द्वारा फेंकी गई नीची फुलटॉस गेंद को खेलने में चूक की, जिससे गेंद उनके बल्ले के नीचे से लगकर स्टंप्स को छू गई। मांजरेकर ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, ओह डियर! विराट को खुद पता चल जाएगा कि उन्होंने आउट होने के लिए अपने करियर का सबसे खराब शॉट खेला है। उन्हें महसूस करना होगा कि हमेशा की तरह वह ठोस और ईमानदार इरादे के साथ मैदान पर उतरे थे। इस साल, विराट को खराब शॉट चयन के चलते मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने 5 टेस्ट की 9 पारियों में केवल 28.50 की औसत से 228 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतक शामिल है, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 70 है। हालांकि, मौजूदा आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2023-25 ??में, विराट ने 8 टेस्ट मैचों में 44.91 की औसत से 539 रन बनाए हैं, जिसमें 13 पारियों में एक शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 121 रहा है। 2020 के बाद से, विराट का टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन औसत नहीं रहा है। उन्होंने पिछले तीन वर्षों में 33 टेस्ट मैचों में 33.01 की औसत से 1,816 रन बनाए हैं, जिसमें 57 पारियों में केवल 2 शतक और 9 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 186 रहा है। कोहली का निराशाजनक प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि उन्हें अपने खेल में सुधार करने की आवश्यकता है।

ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम की घोषणा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दौरे दौरे के लिए टीम घोषित कर दी है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम को पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 4 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इसके बाद वह रोहित शर्मा की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कार सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम 8 नवंबर को डरबन में अपना पहला टी20 मैच खेलेगी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 4 टी20 मैचों के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है = सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या,

अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजयकुमार वैश्य, अवेश खान और यश दयाल।

दक्षिण अफ्रीका दौरे का पहला टी20 08-नवंबर को डरबन में जबकि दूसरा टी20 10 नवंबर को गक़ेबरहा में, वहीं 13-को तीसरा टी20 सेंचुरियन में व 15-नवंबर को चौथा टी20, जोहानसबर्ग में खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएंगी। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है :

रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, आर जड़ेजा, मो. सिराज, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर।

रिजर्व: मुकेश कुमार, नवदीप सैनी, खलील अहमद।

भारत के अर्जुन नें रचा इतिहास , लाइव रेटिंग में 2800 पार , आनंद के बाद बने दूसरे शतरंज खिलाड़ी

बनयाह , सर्बिया (एजेंसी)। यूरोपियन क्लब शतरंज कप 2024 में आखिरकार वह लम्हा आ ही गया जिसकी भनक दुनिया भर के शतरंज प्रेमियों को पिछले कुछ माह से नजर आ रही थी , अर्जुन नें जब इस साल अप्रैल में पहली बार 2756 रेटिंग एक साथ दुनिया के शीर्ष 10 खिलाड़ियों में नौवे स्थान पर जगह बनाई थी तभी से उनके प्रसंशक उनसे 2800 क्लब में शामिल होने की उम्मीद कर रहे थे । यूरोपियन क्लब कप के पांचवें में अर्जुन नें पांचवें राउंड में रूस के दिमित्री आन्द्रेकिन को पराजित करते हुए अपनी लाइव रेटिंग को 2802 पर पहुंचा दिया है ।

आने वाले कुछ दिनो में ही अर्जुन भारत के चेन्नई में होने वाले चेन्नई ग्रांड मास्टर्स शतरंज में भाग लेने जा रहे है ,अर्जुन के सामने एक और बड़ा इतिहास इंतजार कर रहा है और वह है फीडे कैंडिडेट में जगह बनाना, अर्जुन फिलहाल वर्तमान फीडे सर्किट में 102 अंको के साथ सबसे आगे चल रहे है और अगर वह चेन्नई ग्रांड मास्टर्स में बेहतरीन खेल दिखाते है तो वह कैंडिडेट में जगह बनाने का इतिहास भी बना सकते है ।

हालांकि यूएसए के फबियानों करूआना इस दौड़ में उनके बेहद करीब है और यूएसए चैंपियनशिप जीतकर वह भी 95 अंको पर पहुँच गए है पर जिस तरह से अर्जुन खेल रहे है कैंडिडेट में उनका पहुँचना भी एक औपचारिकता नजर आता है ।

इतिहास की बात करे तो अब तक मैगनस कार्लसन नें 2014 में 2889 अंक हासिल किए थे और यह आज भी विश्व रिकॉर्ड है , उनके बाद गैरी कास्पारोव 2856 (वर्ष 2000) , फबियानों करूआना 2851 (वर्ष 2014) , लेवोन अरोनियन 2835 (वर्ष 2014), वेसलिन टोपालोव 2826 (वर्ष 2015), ममेद्यारोव 2826 (वर्ष 2018), वेसली सो 2824 (वर्ष 2017) विश्वनाथन आनंद 2820 (वर्ष 2011), मकसीम लागरेव 2819 (वर्ष 2016), हिकारु नाकामुरा 2819 (वर्ष 2015), व्लादिमीर क्रामनिक 2817 (वर्ष 2016), डिंग लीरेन 2816 (वर्ष 2018), अलेक्ज़ेंडर ग्रीसचुक 2813 (वर्ष 2015), अलीरेजा फिरौजा 2804 (वर्ष 2021), अनीश गिरि 2802 (वर्ष 2015) और अब अर्जुन एरीगैसी 2802 (वर्ष 2024) कुल 16 खिलाड़ियों नें अब तक यह कारनामा किया है , लेकिन रोचक बात यह है की इनमें से अब तक सिर्फ मैगनस कार्लसन और गैरी कास्पारोव ही ऐसे

खिलाड़ी रहे है जो 2800 रेटिंग पार करने के बाद कभी भी इससे नीचे नहीं आए । तो अब देखना ये होगा की अर्जुन क्या इस रेटिंग को लगातार और बेहतर करते हुए कितना आगे का सफर तय करते है ।

सरफराज खान और रवि शास्त्री की चर्चा का कारण बना मजेदार वाक्या

नई दिल्ली । पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में हाल ही में एक दिलचस्प घटना घटित हुई, जिसमें सरफराज खान और रवि शास्त्री का नाम चर्चा में आया। भारतीय टीम ने पहली पारी में 146 रन पर ऑलआउट होने के बाद, न्यूजीलैंड ने अपनी पारी की शुरुआत की। पारी के 79वें ओवर में, रविचंद्रन अश्विन ने गेंद फेंकी, जिस पर न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मिशेल सेंटनर ने ड्राइव लगाने की कोशिश की। इस दौरान गेंद जमीन पर टप्पा खाकर सरफराज के गुप्तांग पर जा लगी, जिससे एक मजेदार सिचुएशन पैदा हो गई। यह वाक्या देखकर कमेंटेटर्स ने भी तुरंत प्रतिक्रिया दी, और दर्शकों के बीच हंसी-खुशी का माहौल बन गया। वीडियो में सेंटनर की हैरानी और ऋषभ पंत की सरफराज के साथ मस्ती करने की तस्वीरें दिखाई देती हैं। सरफराज खान के लिए यह टेस्ट सीरीज अच्छी चल रही है। पहले टेस्ट में, जब भारतीय टीम पहली पारी में केवल 46 रन पर ऑलआउट हो गई थी, सरफराज ने दूसरी पारी में 150 रन बनाकर टीम को 400 के पार पहुंचाया था। उन्होंने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों का सामना शानदार तरीके से किया, हालांकि दुर्भाग्यवश टीम इंडिया वह मुकाबला जीत नहीं पाई। इस घटना ने न केवल खेल के प्रति उत्साह बढ़ाया, बल्कि सरफराज की फॉर्म को भी दर्शाया, जो इस सीरीज में प्रभावी प्रदर्शन कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिक्स नेता लोकतांत्रिक, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं : पुतिन

मॉस्को, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि ब्रिक्स देश एक अधिक लोकतांत्रिक और बहु-ध्रुवीय विश्व व्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह बयान 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आखिरी दिन एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया। पुतिन ने कहा कि इस सम्मेलन में पारित कजान घोषणा पत्र भविष्य के लिए एक सकारात्मक दिशा देता है। इसमें यह दोहराया गया है कि सभी ब्रिक्स देश एक लोकतांत्रिक, समावेशी और बहु-ध्रुवीय विश्व व्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो अंतर्राष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर आधारित हो। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने यह भी बताया कि ब्रिक्स समूह उन सभी के लिए खुला है जो इसके मूल्यों को साझा करते हैं। सभी सदस्य देश बाहरी दबाव के बिना आपसी सहयोग से समस्याओं का समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध हैं। रूसी राष्ट्रपति ने पुष्टि की कि ब्रिक्स नेताओं ने ब्रिक्स के साझेदार देशों की सूची पर सहमति बनाई है। कुछ देशों ने इस संगठन में पूरी तरह से शामिल होने की इच्छा जताई है और अपनी प्रस्तावनाएं दी हैं। पुतिन ने यह भी बताया कि हालांकि ब्रिक्स देशों ने स्विफ्ट के विकल्प के रूप में कोई प्रणाली नहीं बनाई है, लेकिन वे राष्ट्रीय मुद्राओं के उपयोग की दिशा में बढ़ रहे हैं। फिलहाल ब्रिक्स देशों के बीच रूस के सेंट्रल बैंक द्वारा विकसित फाइनेंशियल मैसेजिंग सिस्टम का उपयोग हो रहा है।

बढ़ते आतंकवादी खतरों के कारण तुर्की के हवाई अड्डे अलर्ट पर - मीडिया

इस्तांबुल, एजेंसी। स्थानीय मीडिया के अनुसार, एक दिन पहले दिन अंकारा में आतंकवादी हमले में पांच लोगों की मौत और 22 घायल होने के बाद तुर्की ने गुरुवार को सभी हवाई अड्डों पर अलर्ट का स्तर बढ़ाकर ऑरेंज कर दिया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने तुर्की प्रसारक एनटीवी के हवाले से बताया कि नागरिक विमानन महानिदेशालय ने संभावित आतंकवादी खतरों के जवाब में सभी हवाई अड्डों पर सुरक्षा उपाय बढ़ाने का निर्देश जारी किया है। इस निर्णय के बाद इस्तांबुल के दो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों, सबिहा गोकसेन और इस्तांबुल हवाई अड्डे पर सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं। दोनों हवाई अड्डों ने अपनी वेबसाइटों पर यात्रियों को कड़ी सुरक्षा के कारण होने वाली देरी से बचने के लिए प्रस्थान के समय से कम से कम तीन घंटे पहले पहुंचने की सलाह दी है। गृह मंत्री अली येरलिकाया ने बुधवार को घोषणा की कि तुर्की की एयरोस्पेस और रक्षा कंपनी तुसास पर घातक हमला संभवतः प्रतिबंधित कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) द्वारा किया गया था। उन्होंने पुष्टि की कि दोनों हमलावर एक पुरुष और एक महिला मारे गए हैं। सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के लिए तुर्की में विमानन में तीन अलार्म स्तर येलो, ऑरेंज और रेड हैं। येलो स्तर संभावित खतरों के कारण बढ़े हुए जोखिम का संकेत देता है, जिससे बिना किसी बड़े बदलाव के सुरक्षा उपाय बढ़ाए जाते हैं। रेड स्तर एक आसन्न खतरे के साथ एक गंभीर जोखिम का संकेत देता है, जिसमें निकासी, लॉकडाउन और व्यापक सुरक्षा उपायों जैसे आपातकालीन प्रोटोकॉल को लागू किया जाता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के सर्वेक्षण में ट्रंप, हैरिस से मामूली बढ़त पर आगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव को लेकर जारी एक सर्वेक्षण में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार और अपनी प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस से मामूली बढ़त बनाए हुए हैं। अमेरिकी अखबार 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' द्वारा किये गए एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण में बताया गया है कि देश के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप, हैरिस से दो प्रतिशत अंक यानी 47 प्रतिशत से 45 प्रतिशत आगे हैं। 'सीएनबीसी ऑल-अमेरिका इकोनॉमिक सर्वे' के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से 48 प्रतिशत से 46 प्रतिशत की बढ़त बनाए हुए हैं, जो अगस्त से अपरिवर्तित है। समाचार चैनल ने बताया कि अमेरिका के अहम सात राज्यों में पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप हैरिस से 48 प्रतिशत से 47 प्रतिशत आगे हैं। अमेरिका के सभी प्रमुख राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सर्वेक्षणों पर नजर रखने वाले 'रियलक्लियरपॉलिटिक्स' के अनुसार, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस राष्ट्रीय स्तर पर ट्रंप से 0.3 प्रतिशत अंकों की मामूली बढ़त बनाए हुए हैं। दूसरी ओर, देश के अहम सात राज्यों में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार 0.9 प्रतिशत अंकों से आगे हैं। ये अहम सात राज्य एरिजोना, नेवादा, विस्कॉन्सिन, मिशिगन, पेंसिल्वेनिया, उत्तरी कैरोलाइना और जॉर्जिया हैं। इन राज्यों के बारे में माना जाता है कि यहां के मतदाताओं का रुझान बदलता रहता है। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए मतदान होगा।

कमला हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप पर लोगों की मौलिक स्वतंत्रता छीनने का लगाया आरोप

पेंसिल्वेनिया, एजेंसी। राष्ट्रपति चुनाव में दो सप्ताह से भी कम समय बचा है. चुनाव प्रचार जोरों पर है. इसी क्रम में एक सभा को संबोधित करते हुए अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा है कि वह सभी अमेरिकियों की नेता बनेगी. जॉर्जिया में चुनाव प्रचार के लिए रवाना होने से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से बात करते हुए हैरिस ने कहा कि वह पुरुषों और महिलाओं को समान रूप से लोकतंत्र के भविष्य के बारे में अपनी चिंताओं के बारे में बोलते हुए देख रही हैं.

अमेरिका में दो सप्ताह से भी कम समय में चुनाव होने वाले हैं, जिसमें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दूसरे कार्यकाल के लिए और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस व्हाइट हाउस में अपने पहले कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ रही हैं. कमला हैरिस ने कहा कि अमेरिकी एक ऐसा राष्ट्रपति चाहते हैं जो देश का नेतृत्व आशावादी तरीके से करे और उनके सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करे. उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप पर लोगों की मौलिक स्वतंत्रता छीनने का आरोप लगाया. सर्वेक्षणों में लैंगिक अंतर के मुद्दे पर उनके विचारों के बारे में पूछे जाने पर और उन्हें क्यों लगता है कि महिलाओं के बीच ट्रंप के मुकाबले उन्हें अधिक समर्थन प्राप्त है, हैरिस ने जवाब दिया कि मुझे आपके साथ ईमानदार होना होगा, यह वह नहीं है जो मैं अपनी रैलियों के संदर्भ में, समुदायों में और जमीन पर लोगों के साथ होने वाली बातचीत के संदर्भ में देखती हूं. मैं जो देख रही हूं वह यह है कि पुरुष और महिलाएं समान रूप से हमारे लोकतंत्र के भविष्य के बारे में अपनी चिंताओं के बारे में बात कर रहे हैं; इस तथ्य के बारे में बात कर रहे हैं कि वे एक ऐसे राष्ट्रपति चाहते हैं जो आशावादी होकर नेतृत्व करे और हमारे सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करे, चाहे वह किराने की कीमतों की बात हो या छोटे व्यवसायों में निवेश करना हो या घर का स्वामित्व हो. उन्होंने आगे कहा कि इसलिए, मैं वास्तव में उस तरह की असमानता नहीं देख रही हूं, और मेरा इरादा सभी अमेरिकियों के लिए राष्ट्रपति बनने का है. इसमें डोनाल्ड ट्रंप के कारण छीनी गई एक मौलिक स्वतंत्रता पर ध्यान देना शामिल है (एक महिला की अपने शरीर के बारे में निर्णय लेने की स्वतंत्रता) और, समान रूप से, अमेरिका में व्यक्तियों और परिवारों की आर्थिक जरूरतों को प्राथमिकता देना और वैश्विक मंच पर अपनी ताकत और स्थिति को बनाए रखने के संदर्भ में हमें क्या करना चाहिए. उन्होंने सीमा मुद्दे पर भी बात की और कहा कि अमेरिकी सीमा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संसाधन लगाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है. हैरिस ने वचन दिया कि अगर वह निर्वाचित होती हैं तो वह द्विदलीय सीमा सुरक्षा विधेयक लाएंगी और उस पर हस्ताक्षर करके उसे कानून बना देंगी. जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके प्रशासन में दक्षिणी सीमा दीवार का निर्माण जारी रहेगा, तो हैरिस ने कहा कि मैं आपको बता दूंगी कि मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता यह सुनिश्चित करने के लिए संसाधन लगाना है कि हमारी सीमा सुरक्षित है, यही कारण है कि मैं बहुत स्पष्ट रही हूं. मैं राष्ट्रपति के रूप में उस द्विदलीय सीमा सुरक्षा विधेयक को फिर से लाऊंगी और यह सुनिश्चित करूंगी कि इसे मेरे डेस्क पर लाया जाए ताकि मैं इसे कानून बना सकूं. उन्होंने आगे कहा कि अभी हमारे सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि डोनाल्ड ट्रंप उस बड़ी समस्या के समाधान के रास्ते में खड़े हो गए हैं, जो यह है कि अमेरिका में एक टूटी हुई आव्रजन प्रणाली है, और हमें इसे ठीक करने की आवश्यकता है. और हमारे पास उपकरण हैं, लेकिन हमारे पास इस चुनाव के दूसरे पक्ष में डोनाल्ड ट्रंप हैं, जो समस्या को ठीक करने के बजाय समस्या पर चलना पसंद करेंगे. मैं समस्या को ऐसे तरीके से ठीक करने का इरादा रखता हूं जो व्यावहारिक समाधान के बारे में हो, जो हमारी पहुंच में हो, अगर हमारे पास ऐसा करने की प्रतिबद्धता है. एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, कमला हैरिस गुरुवार (स्थानीय समय) को अटलांटा के पास एक स्टार-स्टडेड रैली में जॉर्जिया में पहली बार पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ प्रचार करेंगी. एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रूस स्प्रिंगस्टीन, जिनके संगीत ने डेमोक्रेटिक पार्टी के कई राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों को प्रभावित किया है, गेट-आउट-द-वोट कॉन्सर्ट में प्रदर्शन करेंगे. रिपोर्ट में कहा गया है कि अभियान अधिकारियों के अनुसार, हैरिस शनिवार को मिशिगन में पूर्व अमेरिकी प्रथम महिला मिशेल ओबामा के साथ दिखाई देंगी.

जुलाई में बराक ओबामा और मिशेल ओबामा ने हैरिस का समर्थन किया था और अगस्त में डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में दोनों ने ही इस पर टिप्पणी की थी. गुरुवार को फिलाडेल्फिया में पत्रकारों से बात करते हुए जब ओबामा और ब्रूस स्प्रिंगस्टीन से समर्थन मिलने के बारे में पूछा गया, तो हैरिस ने कहा कि वह अपने अभियान कार्यक्रमों में उन्हें पाकर सम्मानित महसूस कर रही हैं.

हम युद्ध रोकने को तैयार... याह्या सिनवार की हत्या के बाद नरम पड़ा हमास, इजरायल करेगा बात

गाजा, एजेंसी। बीते साल अक्टूबर से गाजा जारी तबाही रोकने के प्रयास लंबे समय से चल रहे हैं। हालांकि अब जाकर इजरायल ने गाजा में सीजफायर को लेकर हमास के साथ चर्चा करने पर सहमति जताई है। इजरायल ने गुरुवार को कहा है कि इस बातचीत में उसके चीफ हिस्सा लेंगे। वहीं हमास ने कहा है कि अगर सहमति बन जाती है तो वह अपनी तरफ से युद्ध बंद कर देगा। कई बार युद्धविराम को लेकर प्रयास होने के बाद भी अब तक हमास और इजरायल में सहमति नहीं बन पाई। वहीं हमास नेता याह्या सिनवार के बाद अमेरिका ने एक बार फिर इजरायल से कहा कि अब युद्ध को खत्म कर देना चाहिए। हमास के एक सीनियर नेता ने कहा कि गुरुवार को काहिरा में दोहा के हमास पदाधिकारियों ने एजिप्ट के साथ चर्चा की है। उसने बताया, हमास ने युद्ध को रोकने की बात कही है लेकिन इजरायल को भी युद्धविराम का पालन करना होगा। इसके अलावा गाजा में मानवीय सहायता को इजाजत देनी होगी और फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करना होगा। इसके बदले में बंधकों की रिहाई की जाएगी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एजिप्ट के इस प्रयास की सराहना की है और कहा है कि जल्द ही बंधकों की रिहाई को लेकर भी फैसला हो सकता है। काहिरा में बैठक के बाद नेतन्याहू ने मोसाद चीफ को बात करने के लिए भेजा है। इससे पहले अमेरिका और कतर ने कहा था कि गाजा सीजफायर की चर्चा दोहा में होगी। अमेरिकी वदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन गुरुवार को दोहा पहुंचे हैं। इजरायल और अमेरिका के अधिकारियों का कहना है कि युद्धविराम की डील के बीच में सिनवार बहुत बड़ा रोड़ा था। अब 97 बंधकों की रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। बंधकों के परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक इजरायली संगठन ने कहा है कि हमास और नेतन्याहू को बाकी बचे बंधकों की सुरक्षित रिहाई पर सहमति जतानी चाहिए।

इजरायल ने सीरिया में किए हवाई हमले, एक की मौत, सात घायल

दमिश्क, एजेंसी। इजरायल ने एक बार फिर सीरिया में हवाई हमला किया है, जिसमें एक सैनिक की मौत हो गई है, जबकि सात लोग घायल हुए हैं। सीरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इजरायल ने सीरिया की राजधानी दमिश्क और मध्य प्रांत होम्स में स्थित एक सैन्य स्थल पर गुरुवार को हवाई हमला किया। इस हमले में एक सैनिक की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ये हवाई हमले स्थानीय समयानुसार सुबह 3:40 बजे के करीब गोलान हाइट्स और उत्तरी लेबनान की दिशा से किए गए थे। दमिश्क के काफर सौसा में दो सैन्य स्थल और होम्स के ग्रामीण इलाके में स्थित एक सैन्य स्थल को निशाना बनाया गया है।

मंत्रालय ने बयान में विस्तार से बताया कि इन हमलों में काफी नुकसान हुआ है। इससे पहले दिन में दमिश्क के क्षेत्र में बड़े विस्फोटों की आवाजें सुनाई दी। वहीं, रिपोर्ट में बताया गया है कि काफर सौसा में एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया गया है। ज्ञात हो कि इजरायल ने सीरिया में कई सालों से ईरानी ठिकानों को निशाना बनाया है। हालांकि, सीरिया और ईरान सरकारों ने सीरिया में ईरानी सैन्य बलों या ठिकानों के अस्तित्व से इनकार किया है। इससे पहले इजरायल ने लेबनान के साथ तनाव बढ़ने के बाद सीरिया पर अपने हमले को और भी तेज कर दिया है।

पाकिस्तान में तालिबान ने फिर मचाया कत्ल-ए-आम, 10 पुलिसवालों को उतारा मौत के घाट

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में तालिबानियों के बढ़ते उत्पात के बीच एक बार फिर आतंकियों ने पुलिस वालों को निशाना बनाया है। शुक्रवार को अफ़गान सीमा के पास दस पुलिसकर्मियों की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। वहीं 7 अन्य जवान घायल हो गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक हमला एक चेक पोस्ट पर हुआ। इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान के तालिबान ने ली है। एक वरिष्ठ खुफिया अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया, लगभग एक घंटे तक भीषण गोलीबारी हुई। हमले के दौरान फ्रंटियर कांस्टेबुलरी के दस जवान शहीद हो गए और सात घायल हो गए। लगभग 20 से 25 आतंकवादियों ने दक्षिण-पश्चिमी ख़ैबर पख़्तूनख़्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में फ्रंटियर कांस्टेबुलरी की एक चौकी पर गोलीबारी शुरू कर दी। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (ञ्ज्ञक्क) समूह ने जिम्मेदारी लेते हुए अपने बयान में कहा कि यह हमला वरिष्ठ नेता उस्ताद कुरैशी की हत्या का बदला था। पाकिस्तान की सेना ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे बाजौर में खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए एक अभियान में नौ लोगों में कुरैशी भी शामिल था। पाकिस्तान का कहना है कि टीटीपी अफगानिस्तान को बेस के रूप में इस्तेमाल करता है और सत्तारूढ़ तालिबान सीमा के पास आतंकियों को पनाह देता है। हालांकि तालिबान इससे इनकार करता है। अफगानिस्तान में तालिबान के 2021 में सत्ता में लौटने के बाद से पाकिस्तान में ऐसे हमलों की तादाद बढ़ती जा रही है। तालिबान के पाकिस्तानी आतंकियों ने ज़्यादातर सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर हमले किए हैं। इससे पहले भी इस इलाके में आतंकवादियों ने पुलिस को नियमित रूप से निशाना बनाया है। इससे पहले अगस्त में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में आतंकवादियों ने पुलिस टीम पर रॉकेट से हमला कर दिया था। इस हमले में कम से कम 11 पुलिसकर्मी मारे गए थे। आतंकियों ने कई पुलिसकर्मियों को बंधक भी बना लिया था। खबरों के मुताबिक पुलिसवालों की गाड़ी पर हमला तब हुआ जब पुलिस वैन कीचड़ भरी सड़क में फंस गई थी।

हमारी आस्था पर उठाए सवाल- जाकिर नाइक से अब पाकिस्तानी ईसाई नाराज, राष्ट्रपति जरदारी को लिखा पत्र, सरकार को घेरा

कराची, एजेंसी। पाकिस्तानी चर्च सिनड (धर्मसभा) के अध्यक्ष बिशप रेव. डॉ. आजाद मार्शल ने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को हाल ही में लिखे पत्र में डॉ. जाकिर नाइक की यात्रा के दौरान ईसाई समुदाय और उनकी आस्था के बारे में की गई टिप्पणियों के बारे में अपनी चिंता जाहिर की। उन्होंने पत्र में सरकार द्वारा नाइक की टिप्पणियों को लेकर खेद व्यक्त न करने की आलोचना भी की। पाकिस्तान में बतौर राजकीय अतिथि आए डॉ. नाइक की यात्रा, जो पिछले सप्ताह संपन्न हुई। हालांकि विवादास्पद इस्लामिक उपदेशक का दौरा उनके कई बयानों की वजह से भारी विवादों में रहा। पाकिस्तान अखबर डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक पत्र में डॉ मार्शल कहते हैं, डॉ जाकिर नाइक के सार्वजनिक भाषणों ने हमारे (ईसाई) समुदाय को काफी परेशान कर दिया है, क्योंकि उन्होंने खुले तौर पर हमारे विश्वास की प्रामाणिकता पर सवाल उठाया, हमारे पवित्र ग्रंथों को बदनाम किया और ऐसे बयान दिए जो ईसाई पादरियों और विद्वानों की मान्यताओं को कमजोर करते हैं। पत्र में कहा गया कि डॉ. नाइक की टिप्पणी ने न केवल धार्मिक अपमान किया है, बल्कि सभी पाकिस्तानियों के राष्ट्रीय गौरव को भी कम किया, चाहे उनकी आस्था कुछ भी हो। पत्र में डॉ. नाइक की टिप्पणियों के बारे में खेद व्यक्त करने की औपचारिक कमी के लिए सरकार की आलोचना भी की गई क्योंकि इससे ईसाई समुदाय द्वारा महसूस की जा रही हाशिए पर होने की भावना और तेज हो गई, जबकि सरकार ने सभी के बीच धार्मिक सद्भाव और आपसी सम्मान बनाए रखने का बार-बार आश्वासन दिया है। डॉ. मार्शल ने पत्र में सरकार से अपील की कि वह ऐसी विभाजनकारी और हानिकारक घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाए, खासकर राज्य के समर्थन में होने वाली ऐसी घटनाओं को भविष्य में होने से रोकें। डॉ. मार्शल ने कहा, डॉ. जाकिर नाइक की टिप्पणियां खुले मंचों पर की गईं, जहां हमारे पादरियों और विद्वानों को उनके गलत विचारों और सूचना का उचित तरीके से जवाब देने या उसे सही करने का अवसर नहीं दिया गया। डॉ. मार्शल ने डॉन को बताया कि पाकिस्तान के नागरिकों के रूप में, संविधान के अनुच्छेद 20 के तहत अल्पसंख्यकों के मौलिक अधिकारों की गारंटी दी गई है, जिसमें कहा गया है, प्रत्येक नागरिक को अपने धर्म को मानने, उसका पालन करने और उसका प्रचार करने का अधिकार होगा। उन्होंने अनुच्छेद 36 का भी हवाला दिया, जो राज्य को अल्पसंख्यकों के वैध अधिकारों की रक्षा करने के लिए बाध्य करता है। डॉ. मार्शल ने राष्ट्रपति जरदारी से अपील की कि वे यह सुनिश्चित करने के लिए गंभीर कदम उठाएं कि इन संवैधानिक अधिकारों को बरकरार रखा जाए और किसी भी व्यक्ति द्वारा उनका उल्लंघन न किया जाए।

मॉडल स्टेसी ने ट्रंप पर लगाए छेड़छाड़ के आरोप, कहा- और पीड़ित भी सामने आएं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के बेहद महत्वपूर्ण मोड़ पर, पूर्व मॉडल स्टेसी विलियम्स ने रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर 1993 में उनके साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। 56 वर्षीय विलियम्स, जो 90 के दशक में एक पेशेवर मॉडल थीं, ने बताया कि वह उस समय दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के माध्यम से ट्रंप से मिली थीं। उनका दावा है कि यह घटना न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित ट्रंप टॉवर में हुई थी।

विलियम्स ने इस दुखद अनुभव का वर्णन करते हुए इसे ट्रंप और एपस्टीन के बीच एक विकृत खेल के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि यह उन लोगों के लिए आवाज उठाने का समय है जिन्होंने यौन उत्पीड़न का सामना किया है और अपने अनुभवों को साझा करने के लिए खुद को मजबूर महसूस कर रही हैं। यह आरोप पेंसिल्वेनिया के एक समूह, सर्वाइवर्स फॉर कमला, द्वारा आयोजित एक कॉल पर सार्वजनिक किया गया। यह समूह 2024 के चुनावों में डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस का समर्थन कर रहा है।

विलियम्स ने इस मंच का उपयोग करते हुए अपने अनुभव को साझा किया, जिससे इस मुद्दे पर जागरूकता बढ़े।इस बीच, डोनाल्ड ट्रंप और उनके अभियान ने इन आरोपों का खंडन किया है। जैसे-जैसे चुनाव का समय निकट आ रहा है, राजनीतिक माहौल में यह आरोप और भी गरमाहट ला सकता है, और यह देखना होगा कि ट्रंप के विरोधी इस मामले का किस प्रकार उपयोग करते हैं। इस घटना ने फिर से उस चर्चा को जीवित कर दिया है कि यौन उत्पीड़न के मुद्दे राजनीति में किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और आरोपी और पीड़ित के बीच का संतुलन कैसे निर्धारित होता है। इस मामले की आगे की कानूनी और राजनीतिक परिणामों पर सभी की नजरें बनी रहेंगी।

70 साल पीछे पहुंचा गाजा, युद्ध ने फिलिस्तीनी अर्थव्यवस्था को किया तबाहः यूएनएजेंसी चीफ

गाजा , एजेंसी। इजरायल हमास के बीच एक साल से जारी युद्ध ने गाजा पट्टी को 1950 के दशक की स्थिति में पहुंचा दिया। फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने यह बात कही। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यूएन अधिकारी फिलिप लाजारिनी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर संयुक्त राष्ट्र के एक नवीनतम अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि युद्ध ने फिलिस्तीनी अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया है। गाजा की लगभग पूरी आबादी गरीबी में जी रही है, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्र 70 साल पीछे चले गए हैं। बता दें लाजारिनी संयुक्त राष्ट्र के नियर ईस्ट में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए रिलीफ एंड वर्क्स एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के कमिश्नर जनरल हैं। लाजारिनी ने कहा, यह जितना लंबा चलेगा, लाखों लड़कियों और लड़कों को सीखने के माहौल में वापस लाने में उतना ही अधिक समय लगेगा, इन भारी नुकसानों को कम करने की चुनौतियां उतनी ही अधिक होंगी।

इससे पहले लाजारिनी ने उत्तरी गाजा में तत्काल लड़ाई को रोकने के लिए अपील की थी ताकि वहां फंसे नागरिकों तक मानवीय सहायता पहुंचाई जा सके। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में, उन्होंने कहा कि यूएनआरडब्ल्यूए के कर्मचारियों ने युद्धग्रस्त क्षेत्र में भोजन, पानी या दवा नहीं मिलने की सूचना दी है। फिलिप लाजारिनी ने कहा, हर जगह मौत की गंध है, शव सड़कों पर या मलबे के नीचे पड़े हैं। शवों को हटाने या मानवीय सहायता प्रदान करने के मिशनों को अस्वीकार कर दिया गया है। यूएन एजेंसी चीफ ने आगे कहा, उत्तरी गाजा में लोग बस मरने का इंतजार कर रहे हैं। वे खुद को अकेला, निराश और अकेला महसूस कर रहे हैं। वे एक घंटे से दूसरे घंटे तक जीते हैं, हर पल मौत से डरते हैं। लाजारिनी ने लिखा, उत्तरी गाजा में हमारे कर्मचारियों की ओर से, मैं तत्काल युद्धविराम की मांग कर रहा हूं, भले ही कुछ घंटों के लिए, ताकि उन परिवारों के लिए सुरक्षित मानवीय मार्ग सुनिश्चित हो सके जो क्षेत्र को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचना चाहते हैं। यह उन नागरिकों की जान बचाने के लिए न्यूनतम है जिनका इस संघर्ष से कोई लेना-देना नहीं है। हमास ने पिछले साल 7 अक्टूबर को इजरायल में हमला किया था। हमले में करीब 1200 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 250 से अधिक लोगों कों बंधक बना लिया था। इसके बाद से इजरायल हमास के कंट्रोल वाली गाजा पट्टी पर हमले कर रहा है।

मेल के जरिए राजकोट की 5 सितारा समेत 10 होटलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली

राजकोट । शहर की 5 सितारा होटलों समेत 10 होटलों को बम से उड़ाने की धमकी से हड़कंप मच गया। ये धमकी ई मेल के जरिए दी गई होने की पता चला है। धमकीभरा मेल मिलने के बाद राजकोट पुलिस ने सभी होटलों की जांच शुरू कर दी है। साथ ही इस बात की भी जांच में जुट गई है कि मेल किसने और कहां से भेजा? बता दें कि हाल के दिनों में कभी होटल तो कभी फ्लाइट तो स्कूल को बम से उड़ाने देने की धमकियां मिल चुकी हैं। अब राजकोट की 10 होटलों को बम से उड़ा देने की धमकी मिली है। राजकोट की विख्यात इंपीरियल पैलेस, सयाजी होटल, सिजन्स होटल, होटल ग्रांड रेजंसी समेत होटलों को ई मेल के जरिए धमकी दी गई है। जिसमें लिखा गया है 'तुम्हारी होटल की प्रत्येक जगह पर बम रखा है, जो कुछ ही समय में ब्लास्ट होगा और अनेक निर्दोष लोगों की जान चली जाएगी। जितनी जल्द हो सके होटल खाली कर दो।' इन होटलों में देश-विदेश से राजकोट आनेवाले सेलिब्रिटी समेत लोग ठहरते हैं। धमकी मिलने की जानकारी पाते ही राजकोट पुलिस हरकत में आ गई है और बम निरोधक दस्ते के साथ सभी होटलों में जांच शुरू कर दी है। हांलाकि अब तक पुलिस कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

सैन्य वाहन के पलटने से बड़ा हादसा, एक जवान की मौत

कुलगाम। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में शनिवार सुबह एक सैन्य वाहन के पलटने से बड़ा हादसा हुआ। दुर्घटना में एक जवान शहीद हुआ, जबकि 8 अन्य जवान घायल हो गए हैं। सेना के अधिकारियों के अनुसार, एक्सीडेंट के तुरंत बाद सभी 9 घायल जवानों को अस्पताल ले जाया गया, जहां एक जवान की उपचार के दौरान मौत हो गई। शेष 8 घायल जवानों का इलाज अस्पताल में जारी है। फिलहाल, दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों का कहना है कि हादसे की पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। यह हादसा एक दुखद घटना है, जो जवानों के कठिन और जोखिमभरे कर्तव्यों की याद दिलाता है।

150 फीट के गहरे बोरवेल में 44 वर्षीय शख्स गिरा, मौत

दौसा। जिले के मंडावरी में एक व्यक्ति खेत में काम करते समय बोरवेल में गिर गया था। रेस्क्यू टीमों ने बचाव के तमाम प्रयास किए, लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई। डीएसपी दिलीप मीना ने बताया कि 44 साल का हेमाराज गुर्जर अपने गांव टोडा ठेकला में खेत पर बोरवेल में फंसी मोटर को निकालने की कोशिश कर रहा था, तभी अचानक मिट्टी का ढेर ढह गया और वह 150 फ़ीट गहरे बोरवेल में गिर गया। मौके पर पहुंच पुलिस-प्रशासन ने बताया कि युवक करीब 32 फीट की गहराई पर अटका हुआ है। शाम चार बजे ग्रामीणों ने सूचना दी। उसके बाद रेस्क्यू टीम को मौके पर बुलाया गया। मौके पर जेसीबी से खुदाई शुरू की गई। जेसीबी मशीन, स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से हेमराज को बेहोशी की हालत में 15 फीट गहरे बोरवेल से बाहर निकाला गया और जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

समलैंगिक शादी की हवा आदिवासी लड़कियों तक पहुंची

अलीराजपुर । सोशल मीडिया के प्रभाव से अब आदिवासी भी नहीं बचे हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से दोस्ती और इश्क का बुखार अब आदिवासी क्षेत्रों तक पहुंच गया है। इस जिले की दो युवतियां समलैंगिक शादी के लिए अड़ी हुई हैं। अलीराजपुर के छोटी पोल गांव की दो यूवतियां आपस में शादी करने के लिए अड गई हैं। इस समलैंगिक विवाह को लेकर दोनों लड़कियों ने चंद्रशेखर आजाद नगर थाने में जाकर सुरक्षा की मांग की है। दोनों लड़कियों की पहचान गुजरात में मजदूरी करने के दौरान हुई थी। उसके बाद से ही उनके संबंध गहरे हो गए। गुजरात से लौटने के बाद दोनों एक साथ रहने लगी। अब वह शादी करना चाहती हैं। गांव के लोग इस शादी के खिलाफ हैं। दोनों लड़कियों में से एक लड़की ने अपना हुलिया लड़के की तरह बना लिया है। थाना प्रभारी संतोष सिंह के अनुसार इसमें से एक लड़की नाबालिग है। अभी उन्हें समझाकर घर भेज दिया गया है। यह दोनों लड़कियां आपस में शादी के लिए अड़ी हुई हैं। इन्होंने गांव वालों से सुरक्षा की मांग की है।

योगी के कटेंगे तो बंटेंगे बयान के समर्थन में उतारा संघ, हिन्दु समाज की एकता जरुरी

मथुरा। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कटेंगे तो बंटेंगे बयान का समर्थन कर हिंदू समाज की एकता की आवश्यकता पर जोर दिया है। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने मथुरा में आयोजित प्रेसवार्ता इस मुद्दे को उठाकर कहा कि समाज में जाति, भाषा और अन्य भेदभावों के चलते यदि हिंदू एकजुट नहीं होते, तब उन्हें नुकसान उठाना पड़ सकता है। संघ के सरकार्यवाह होसबाले ने साफ किया कि यदि हिंदू समाज में बंटवारे का सिलसिला जारी रहा, तब यह आने वाले समय में बंटने और कटने की स्थिति को जन्म दे सकता है। उन्होंने कहा, हिंदू समाज की एकता लोक कल्याण के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह एकता सभी को सुख प्रदान करेगी। वर्तमान में हिंदुओं को तोड़ने के लिए विभिन्न शक्तियाँ सक्रिय हैं, और हमें इसके प्रति सचेत रहना होगा। संघ के सरकार्यवाह से सवाल किया गया कि क्या संघ और भाजपा के बीच कोई खींचतान चल रही है, इस पर होसबाले ने कहा कि संघ एक सार्वजनिक संगठन है और उसका किसी राजनीतिक दल के साथ कोई विवाद नहीं है। उन्होंने कहा, हम भाजपा, कांग्रेस, उद्योगपतियों सभी से मिलते हैं। हमारा उद्देश्य समाज में नफरत का माहौल न बनाने देना है। होसबाले ने धर्मांतरण के मामलों और हाल ही में दुर्गा पूजा एवं गणेश विसर्जन के समय हुए हमलों की भी चर्चा की। उन्होंने हिंदू समाज से अपील की कि वे अपनी रक्षा करें और एकजुट होकर रहें। उन्होंने कहा, हिंदू समाज को संगठित रहना चाहिए ताकि वे अपने अधिकारों की रक्षा कर सकें।

कांग्रेस नेता थरूर ने पहले पूछे तीखे सवाल, फिर बोले यही तो लोकतंत्र की खूबसूरती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के लोकतंत्र की खूबसूरती के चर्चे पूरी दुनिया में सुनाई देते हैं। यहां के नेता आपस में खूब लड़ते हैं,विधानसभा में एक दूसरे के कपड़े फाड़ते नजर आते हैं लेकिन जब मामला किसी दूसरे देश का आता है तो सब मिलकर उसका मुकाबला करते हैं। यहीं भारत का मजबूत लोकतंत्र है। इसका एक उदाहरण हाल में दिखाई दिया। दरअसल, संसद की विदेश मामलों की स्थायी समिति के सामने विदेश सचिव विक्रम मिस्री के मौजूद थे। संसद की इस स्थायी समिति के अध्यक्ष कांग्रेस नेता शशि थथूर है। शशि थरूर तिरुवनंतपुरम से सांसद और वह पूर्व विदेश राज्य मंत्री हैं। शशि थरूर अंतरराष्ट्रीय मामलों के बड़े जानकार माने जाते हैं। वह संयुक्त राष्ट्र में भी भारत के स्थायी प्रतिनिधि भी रह चुके हैं। एक बार उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद का चुनाव भी लड़ा था।

विदेश मामलों की स्थायी समिति ने इजरायल और फिलिस्तीन के बीच चल रहे संघर्ष और अन्य वैश्विक मसलों को लेकर सरकार के रुख को जानने के लिए मिस्री को बुलाया था। इस मीटिंग में शशि थरूर और समिति के सदस्यों ने मिस्री से तीखे सवाल किए। मिस्री ने भी सभी सवालों के विस्तार से जवाब दिए।

मिस्री के साथ सवाल-जवाब के बाद शशि थरूर ने एक ट्विट किया है। उन्होंने लिखा कि मिस्री के साथ सवाल-जवाब का दौरा शानदार रहा। तमाम मुद्दों पर उन्होंने सरकार का पक्ष रहा। विदेश सचिव और भारतीय कूटनीति का धन्यवाद। विपक्ष के नेता होने के बावजूद शशि थरूर का देश के अधिकारियों की तारीख करना काफी सुखद है। यही अपने देश के लोकतंत्र की खूबसूरती है। यही खूबसूरती हमें पाकिस्तान, चीन और अन्य देशों से अलग करती है। दरअसल, यह भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती है। यह संसदीय परंपरा की खूबसूरती है। तमाम मसलों पर लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों की समिति होती है। इस समितियों के पास बहुत शक्ति होती है। वे सरकार या देश के किसी भी अधिकारी या व्यक्ति को जवाब देने के लिए बुला सकती हैं। सरकार का यह दायित्व होता है कि इन समितियों को वह अपनी तमाम नीतियों की जानकारी दे। ये समितियां इन्हीं इनपुट्स के आधार समय-समय पर संसद को अपनी रिपोर्ट देती है। इन रिपोर्ट में वह विभिन्न मसलों पर सरकार को जरूरी कदम उठाने का भी सुझाव देती है।

बिश्नोई समुदाय ने सलमान-सलीम खान का पुतला जलाया... माफी मांगे वरना

मुंबई । लॉरेंस बिश्नोई गैंग अभिनेता सलमान खान के पीछे हाथ धोकर पड़ी है। बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। बीते दिनों लॉरेंस के कजिन ने कहा था कि बिश्नोई समाज लॉरेंस के साथ खड़ा हुआ है। इसी बीच अब बिश्नोई समुदाय ने सलमान-सलीम खान का पुतला जलाया है। उन्होंने सलीम खान के उस बयान पर नाराजगी जाहिर की हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि काला हिरण शिकार मामले में उनका बेटा निर्दोष है। इसके बाद बिश्नोई समाज ने अपना विरोध दिखाकर अभिनेता और उनके पिता का पुतला जलाया। साथ ही सलमान खान काला हिरण शिकार मामले में माफी मांगने को कह दिया है। हाल ही में बिश्नोई समाज ने जोधपुर में विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया। इस दौरान बिश्नोई समाज के लोगों ने बताया कि अगर सलमान ने काले हिरण का शिकार नहीं किया तब उनका केस लड़ने के लिए दिल्ली, मुंबई और जोधपुर से वकील क्यों बुलाए गए। उन्होंने सलमान के खिलाफ प्रदर्शन कर चेतावनी दी कि अगर सलमान माफी नहीं मांगते तब सनातन हिंदू समाज की ओर से आंदोलन किया जाएगा। बिश्नोई समाज ने कहा कि सलमान खान के पिता ने दावा किया है कि उनके बेटे ने काले हिरण का शिकार नहीं किया। हम उन्हें बताना चाहते हैं कि हम बिश्नोई हैं, हम किसी को यूं ही बदनाम नहीं करते। उन्होंने कहा कि सलमान खान इस तरह गलत बयान देकर लोगों को झूठ नहीं बोल सकते।

बता दें कि साल 1999 में रिलीज हुई फिल्म हम सात साथ है की राजस्थान में शूटिंग हुई थी। शूटिंग के बाद सलमान और कुछ सितारों के ऊपर काले हिरण के शिकार का आरोप लगा था हालांकि इस मामले में भाईजान को सुप्रीम कोर्ट ने बरी कर दिया है, हालांकि बिश्नोई समाज अब भी दबंग खान से नाराज है और वह चाहता है कि सलमान उनसे माफी मांगे।

गिरिराज सिंह के खिलाफ ओवैसी ने खोला मोर्चा, किशनगंज में किया परिवाद दायर

किशनगंज। अपने बयानों से सियासी चौपाल पर चर्चा में रहने वाले एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने अब केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ओवैसी की तरफ से किशनगंज कोर्ट में परिवाद दायर करने वाले वकील ने का कहना है की किशनगंज दौरे के दौरान गिरिराज सिंह ने जनसभा में भड़काऊ भाषण दिए और यहां की जनता की भावनाओं को आहत किया। आरोप लगाते हुए कहा है कि जनता की भावनाओं को चोट पहुंचाई है बल्कि हमारे हिंदू भाईयों को भड़काने का काम किया है। वकील ने बताया कि सैक्सन 196,197, 199, 302 भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कराया गया है और अदालत के समक्ष वीडियो साक्ष्य प्रस्तुत किया गया है। बता दें कि एआईएमआईएम पार्टी से जुड़े इम्तियाज आलम ने न्यायालय में परिवाद दायर किया है। शम्स आजाद ने कहा कि हिंदू स्वाभिमान यात्रा के दौरान सभा में मौजूद लोगों को भड़काने की नीयत से आपराधिक साजिश के तहत उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठ के साथ-साथ हमारी धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला बयान दिए थे।

राष्ट्रपति मुर्मू ने रायपुर के जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

रायपुर (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार सुबह राजधानी रायपुर में भगवान जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति मुर्मू शुक्रवार से छत्तीसगढ़ राज्य के दो-दिवसीय दौरे पर हैं। राज्स सरकार के अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति ने मंदिर में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र जी और सुभद्रा जी की पूजा-अर्चना की और देशवासियों की खुशहाली, समृद्धि और प्रगति के लिए प्रार्थना की।

उन्होंने बताया कि उनके साथ राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के तीन साल बाद वर्ष 2003 में पुरी (उड़ीसा) के जगन्नाथ मंदिर की तरह भगवान जगन्नाथ मंदिर का निर्माण किया गया। मंदिर का मुख्य ढांचा ऊंचे चबूतरे पर बना है।

इतना ही नहीं अधिकारियों ने बताया कि मंदिर में उड़ीसा से लाई गई नीम की लकड़ी से बनी मूर्तियां स्थापित की गई हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद राष्ट्रपति भिलाई के लिए रवाना हुई, जहां वे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), भिलाई के चौथे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगी। अधिकारियों ने बताया कि मुर्मू बाद में राजधानी रायपुर लौटेगी और नवा रायपुर में पंडित दीनदयाल मेमोरियल स्वास्थ्य विज्ञान और आयुष विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। इसके बाद वे दिल्ली के लिए रवाना होंगी।

सीट शेयरिंग पर भी उठाए सवाल: महाराष्ट्र में टिकट वितरण पर खुश नहीं हैं राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी महाराष्ट्र में सीट बंटवारे से खुश नहीं हैं और न ही उम्मीदवारों के चयन को लेकर वे खुश दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस मुददे को लेकर वे नाराजगी जता चुके हैं। बता दें कि हरियाणा में हार के बाद कांग्रेस फूंक-फूंककर कदम रख रहे हैं। यही वजह है कि महाराष्ट्र में उम्मीदवारों के चयन में वह निजी तौर पर शामिल हैं। राहुल गांधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों के चयन से नाखुश बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक हाल ही में उम्मीदवारों के चयन के लिए हुई एक बैठक में उन्होंने अपनी नाखुशी जताई।

बता दें कि हाल ही में संपन्न हुए हरियाणा चुनाव में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पार्टी को उम्मीद थी कि वह यहां पर सत्ता हासिल करेगी, लेकिन आखिर में हार का सामना करना पड़ा। बाद में राहुल गांधी ने यहां पर पार्टी के प्रदर्शन पर चिंता जताई थी। साथ ही उन्होंने गुटबाजी को लेकर भी नाराजगी जताई थी। महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों पर 20 नवंबर को चुनाव होंगे और 23 नवंबर को परिणाम घोषित किए जाएंगे।महाविकास अघाड़ी गठबंधन में कुल 288 विधानसभा सीटों में से 255 पर समझौता हुआ है। उद्धव सेना, कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी 85-85 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। सभी दलों ने अपनी-अपनी पहली लिस्ट जारी कर दी है। उद्धव सेना ने 65, कांग्रेस ने 48 और शरद पवार की एनसीपी ने 45 सीटों पर नाम जारी किए हैं। हालांकि 18 सीटों पर अभी भी बात बन नहीं पाई है। इसमें सपा नेता और विधायक अबू आसिम आजमी भी कूद पड़े हैं। उन्होंने कहा है कि गठबंधन सपा को पांच सीटें दे नहीं तो वह 25 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। सपा महाराष्ट्र में एमवीए गठबंधन का हिस्सा है। महाराष्ट्र में अभी तक कांग्रेस ने अपने हिस्से की 85 में से 48 सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। महाविकास अघाड़ी के साथ सीट शेयरिंग में उसे यह सीटें हासिल हुई हैं। राहुल गांधी स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा कांग्रेस इलेक्शन कमेटी को दिए गए नामों से संतुष्ट नहीं हैं। शुक्रवार को मीटिंग के

दौरान उन्होंने इस बात को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहाकि सुझाए गए सभी नाम कुछ महाराष्ट्र नेताओं के पसंदीदा लग रहे हैं। उन्होंने सीट बंटवारे के समझौते के तहत विदर्भ और मुंबई जैसे क्षेत्रों में उद्धव ठाकरे की शिवसेना को कांग्रेस की मजबूत आवंटित किए जाने पर भी सवाल उठाए।

ईरान पर इजराइली हमले के बाद पश्चिम एशिया में बढ़ा तनाव

नई दिल्ली। इजराइल ने शनिवार तड़के ईरान में हवाई हमले किए, जिससे पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ गया है। वैसे तो इजराइल ने इस हमले को लेकर दावा किया है कि ये हमले इस महीने की शुरुआत में ईरान द्वारा दागी गईं बैलिस्टिक मिसाइलों के जवाब में किए गए हैं, लेकिन यह सिलसिला अब आगे नहीं होगा कहना मुश्किल है। इस अस्थिरता की स्थिति के चलते तनाव बढ़ता जा रहा है। इजराइल द्वारा किए गए हवाई हमले में विस्फोटों की आवाजें ईरान की राजधानी तेहरान तक सुनी गईं, लेकिन अब तक इन हमलों से हुए नुकसान का आकलन सामने नहीं आ सका है। वहीं दूसरी तरफ इजराइल के सैन्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि इन हमलों का मकसद ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाना था। एक वीडियो संदेश में हगारी ने बताया कि 7 अक्टूबर से ईरान और उसके समर्थकों ने इजराइल पर कई बार हमले किए हैं, जिनमें कुछ हमले ईरान की धरती से भी हुए। उन्होंने कहा, 'दुनिया के अन्य संप्रभु देशों की तरह इजराइल को भी अपनी सुरक्षा का अधिकार है।'

कमजोर पड़ने से पहले बंगाल और ओडिशा दर्द दे गया दाना, बंगाल में चार लोगों की मौत

-ओडिशा में 1.75 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें बर्बाद

भुवनेश्वर (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवात दाना के शनिवार रात तक कमजोर होने की संभावना है, लेकिन इसके पहले दाना ने पश्चिम बंगाल और ओडिशा में व्यापक नुकसान पहुंचाया है। मौसम विभाग के अनुसार, दाना के चलते पश्चिम बंगाल के पूर्वी बर्धमान, दक्षिण 24 परगना, कोलकाता और हावड़ा में चार लोगों की मौत हुई है।

ओडिशा में स्थिति थोड़ी बेहतर रही है, जहां किसी की जान नहीं गई, लेकिन तूफान और बारिश ने 1.75 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें बर्बाद कर दी हैं। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने बताया कि तूफान के आने से पहले 8 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया था।

साइक्लोन दाना का असर आंध्र प्रदेश, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु में दिखाई दिया है। बिहार और झारखंड में बारिश जारी है, जबकि झारखंड में तापमान 6 डिग्री सेल्सियस गिर गया है। अगले 24 घंटों में बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ में और बारिश का अनुमान है।

ओडिशा में सबसे अधिक नुकसान केंद्रपाड़ा, भद्रक और बालासोर में हुआ है। तेज हवाओं के कारण कई पेड़ उखड़ गए हैं और बिजली के खंभे टूट गए हैं, जिससे कई क्षेत्रों में बिजली गुल हो गई है। वहीं बंगाल के दक्षिणी हिस्से में भी भारी बारिश हुई, जहां कोलकाता में 24 घंटे में 4 इंच बारिश दर्ज की गई। बिहार में चक्रवात दाना का असर दिवाली तक जारी रहने की संभावना है। अगले कुछ दिनों तक राज्य के 19 जिलों में बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना है।

अशांति फैलाने वालों के खिलाफ सख्त ममता बनर्जी, पुलिस को दिए बड़े निर्देश, कहा- मैं सांप्रदायिक तनाव नहीं चाहती

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पुलिस से राज्य में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने का आग्रह किया है। उन्होंने दावा किया था कि कुछ बदमाश आगामी काली पूजा, दिवाली और छठ पूजा समारोहों के दौरान अशांति पैदा करने की योजना बना रहे हैं। हालाँकि उन्होंने इसमें शामिल लोगों की पहचान उजागर नहीं करने का फैसला किया, लेकिन उन्होंने खुफिया प्रयासों को मजबूत करने और विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की मौजूदगी बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। बनर्जी ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी उत्सव के माहौल का फायदा उठाकर अशांति पैदा न कर सके।

चक्रवात दाना से प्रभावित सात जिलों में स्थिति का आकलन करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों से बात करते हुए उन्होंने सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, ÷मैं बंगाल में सांप्रदायिक तनाव नहीं चाहती। पुलिस किसी भी उकसावेबाज के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी, लेकिन मैं मीडिया से आग्रह करती हूं कि इसे सनसनीखेज न बनाएं। कृपया जनता को भड़काने से बचें।' ओडिशा और पश्चिम बंगाल दोनों राज्यों में शुक्रवार को तूफान के गुजर जाने के बाद उड़ानें, रेलगाड़ियां और बस सेवाएं शीघ्र ही बहाल हो गईं, क्योंकि अधिकारी चक्रवात के कारण उत्पन्न व्यवधानों का आकलन करने और उन्हें दूर करने में लगे हुए थे। चक्रवात आधी रात के बाद धामरा और भीतरकनिका के बीच पहुंचा था।

बनर्जी ने बंगाल में चक्रवात दाना से संबंधित एक मौत की पुष्टि की और बताया कि लगभग 2.16 लाख लोगों को निचले इलाकों से निकाला गया है। स्थिति की निगरानी करने के लिए वहां रात बिताने के बाद, बनर्जी ने राज्य सचिवालय में एक समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि राहत सामग्री चक्रवात से प्रभावित सभी लोगों तक पहुंचे। बनर्जी ने कहा, ÷इस प्राकृतिक आपदा में केवल एक व्यक्ति की मृत्यु हुई है। वह व्यक्ति दक्षिण 24 परगना के पाथरप्रतिमा ब्लॉक में अपने निवास पर कुछ केबल से संबंधित काम करते समय मर गया। यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। पोस्टमार्टम जांच से हमें स्पष्ट तस्वीर मिलेगी। यदि आवश्यक हुआ, तो हम (राज्य सरकार) परिवार की मदद करेंगे।÷

भारत ने मांगा निज्जर का मृत्यु प्रमाण पत्र, कनाडा ने कर दिया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंकी हरदीप सिंह की हत्या के मामले में कनाडा ने भारत से संबंध खराब कर लिए। वो आतंकी जो इस दुनिया में नहीं है इसके बाद भी कनाडा उसकी तरफदारी करने से बाज नहीं आ रहा है और लगातार झूठ बोल रहा है। पहले उसने बिना कोई सबूत दिए भारत पर निज्जर की हत्या करवाने का आरोप लगाया। इसके बाद जब भारतीय जांच एजेंसी एनआईए ने हाल ही में कनाडा से उसके मृत्यु प्रमाणपत्र की मांग की तो वह भी देने से इनकार कर दिया।

निज्जर की हत्या ने भारत और कनाडा के बीच एक कूटनीतिक विवाद को जन्म दिया। कनाडा ने भारतीय एजेंसियों की संलिप्तता का आरोप लगाया। भारत ने इस तुरंत खारिज कर दिया और कनाडा से सबूत की मांग की। यह विवाद हाल ही में तब बढ़ गया जब कनाडा ने निज्जर हत्या की जांच में वरिष्ठ भारतीय राजनयिकों पर इसमें दिलचस्पी लेने के आरोप लगाए। भारत ने उन राजनयिकों को वापस बुला लिया।

खास बात यह है कि जून 2023 में न्यूयॉर्क में पन्नू की जान लेने का प्रयास किया गया था। अमेरिका ने एक भारतीय अधिकारी की संलिप्तता का दावा किया। पिछले हफ्ते एक अनसील्ड आरोप पत्र से पता चला कि अमेरिका ने विकाश यादव के खिलाफ आरोप लगाया है। यादव को भारत की अनुसंधान और विश्लेषण विंग (रॉ) का पूर्व अधिकारी बताया गया है। सूत्रों का कहना है कि भारत के द्वारा की गई इसकी मांग पर कनाडाई अधिकारियों ने कुछ सवाल उठाए। कनाडा ने पूछा कि भारत को अपने नागरिक का मृत्यु प्रमाणपत्र मांगने का अधिकार क्यों होना चाहिए। एक अधिकारी ने कहा कि इसके बाद उन्होंने निज्जर का मृत्यु प्रमाणपत्र साझा करने से इनकार कर दिया।

बता दें कि हरदीप सिंह निज्जर भारतीय मूल का कनाडाई नागरिक था। जून में उसकी हत्या कर दी गई। निज्जर पर भारत में एनआईए द्वारा जांच किए जा रहे नौ मामलों में आरोप लगाए गए थे। एनआईए ने कनाडा से निज्जर के मृत्यु प्रमाणपत्र की इसलिए मांग की थी ताकि भारत की अदालतों में उसके खिलाफ जारी मामलों में कोर्ट को इस बात से अवगत कराया जाए। एनआईए को अभी तक एक और खालिस्तान समर्थक आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू (अमेरिकी नागरिक) के खिलाफ इंटरपोल का रेड-कॉर्नर नोटिस प्राप्त करने में सफलता नहीं मिली है। एनआईए पन्नू के खिलाफ खालिस्तान आतंक के छह मामलों की जांच कर रही है और उसने अब तक चंडीगढ़, अमृतसर और पठानकोट में उनकी तीन संपत्तियों को आतंकवाद के आय के रूप में अटैच किया है।